THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 153 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.4 2080 रविवार, 20 अगस्त 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ** : 16+32 **मूल्य** : 8 रुपये

भारत में सबसे सस्ता इंटरनेट डेटा

जी-20 मंत्रियों की मीटिंग में मोदी बोले

> देश में 45 प्रतिशत रियल टाइम ट्रांजैक्शन होता है

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (19 अगस्त) को जी-20 के डिजिटल इकोनॉमी मंत्रियों की बैठक को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत में दुनिया का सबसे सस्ता इंटरनेट डेटा हैं। आज के दौर में भारत में 85 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं।

पीएम ने ये भी कहा कि भारत में 45 प्रतिशत से ज्यादा रियल टाइम ट्रांजैक्शन होता है। रियल टाइम ट्रांजैक्शन को ऑनलाइन पेमेंट कह सकते हैं। मोदी के मुताबिक, हमने शासन को के लिए टेक्नोलॉजी का भरपूर बेहतर, तेज और पारदर्शी बनाने लाभ उठाया है।

देश में 85 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स :

भारत में 850 मिलियन (85 करोड़) से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स सबसे सस्ते इंटरनेट डेटा का फायदा ले रहे हैं। आज के समय में 45 प्रतिशत से ज्यादा रियल टाइम पेमेंट इंडिया में ही होता है।

कोविन पोर्टल ने टीकाकरण अभियान को आसान किया :

कोरोना के दौरान हमने दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्रोग्राम चलाया। इसके लिए कोविन पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन करना होता था और व्यक्ति तय डेट को पहुंचकर वैक्सीनेशन करा लेता था। किसी को भटकने की जरूरत नहीं पड़ती थी। भारत आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित होने वाला लैंग्वेज ट्रांसलेटर 'भाषिनी' पर काम कर रहा है।

भारत की इन चीजों ने क्रांति ला दी

जन धन खाते, आधार और मोबाइल फोन ने देश में डिजिटल ट्रांजैक्शन में क्रांति ला दी। कोरोना काल में जन-धन खाते में हमारी सरकार ने महिला लाभार्थियों के खाते में लगातार तीन महीने 500 रुपये डाले थे। सरकारी योजनाओं में सरकार को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से 33 अरब डॉलर से ज्यादा की बचत हुई।

भारत विविधताओं वाला देश :

भारत प्राचीन परंपराओं से लेकर नई तकनीक में भी कुछ ना कुछ स्थान बनाए है। यह विविधताओं से भरा देश है। जो समाधान भारत में सफल होता है, उसे दुनिया में कहीं भी आसानी से लागू किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश आपदा को लेकर की उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण आई आपदा पर शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर हालात और राहत एवं बचाव कार्यों के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी के आधिकारिक आवास-7, लोक कल्याण मार्ग पर लगभग एक घंटे तक चली इस उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण हुए भारी नुकसान का जायजा लेने रविवार, 20 अगस्त को अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश जा रहे हैं। नड्डा इस दौरान प्राकृतिक त्रासदी में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात भी करेंगे। वे समरहिल, शिमला में भारी बारिश के कारण हुए ध्वस्त प्राचीन शिव मंदिर स्थल का मुयायना करेंगे। शिमला एवं बिलासपुर में स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक कर राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्यों पर चर्चा भी करेंगे।

नड्डा रविवार को सुबह 9 बजे पांवटा साहिब (सिरमौर) पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे सड़क मार्ग द्वारा 9:35 बजे गांव सिरमौरी ताल एवं कच्ची ढांग पहुंचेंगे, जहां वे सिरमौरी ताल क्षेत्र में बादल फटने से उत्पन्न हुई स्थिति का जायजा लेंगे तथा इस हादसे में दिवंगत 5 सदस्यों के परिवारजनों से मुलाकात भी करेंगे। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष 11:20 बजे शिमला के शिवबावडी, समरहिल पहुंचेंगे, जहां वे भारी बारिश से तबाह हुए प्राचीन शिव मंदिर स्थल का जायजा लेंगे। इस हादसे में अब तक 16 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं और यहां पर राहत और बचाव कार्य अब तक चल रहा है।

वल्गर पोस्ट के लिए सजा मिलनी जरूरी : एससी

कहा-माफी मांग लेने से काम नहीं चलेगा, नतीजा भुगतना होगा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोशल मीडिया पर अभद्र और अपमानजनक पोस्ट को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार की बेंच ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने वालों को सजा मिलनी जरूरी है।

बेंच ने कहा कि ऐसे लोग माफी मांगकर आपराधिक कार्यवाही से नहीं बच सकते हैं। उन्हें अपने किए का नतीजा भुगतना होगा। कोर्ट ने तमिल एक्टर और पूर्व विधायक एस वे शेखर (72) के खिलाफ दर्ज मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया। उनके खिलाफ महिला पत्रकारों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का केस दर्ज है।

क्या है मामला :

मामला 2018 का है। शेखर ने अपने फेसबुक पर महिला पत्रकारों को टारगेट करते हुए आपत्तिजनक पोस्ट किया था। दरअसल एक महिला पत्रकार ने तमिलनाडु के तत्कालीन गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित पर अभद्रता का आरोप लगाया था। शेखर ने महिला पत्रकार के इसी आरोप को लेकर अपनी राय दी थी। उनके इस पोस्ट के बाद काफी विवाद हुआ था। डीएमके ने उनके इस्तीफे की मांग की थी। शेखर ने बाद में माफी मांगी थी और पोस्ट भी डिलीट कर दिया था, लेकिन इस पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ तमिलनाडु में केस दर्ज किए गए थे। शेखर के वकील : जैसे ही उन्हें (शेखर) को अपनी गलती का अहसास हुआ, उन्होंने तुरंत अपना पोस्ट डिलीट किया और बिना शर्त माफी मांगी। एक्टर ने किसी और का पोस्ट शेयर किया था। उस समय उनकी नजर धुंधली थी, क्योंकि उन्होंने आंखों में दवाई डाली हुई थी। इसकी वजह से वे देख नहीं पाए कि पोस्ट में क्या लिखा था। शेखर को सोशल मीडिया पर बहुत लोग फॉलो करते हैं, जिसकी वजह से पोस्ट शेयर करते ही वो वायरल हो गया।

सुप्रीम कोर्ट : जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार ने कहा, शेखर ने आखिर बिना पढ़े सोशल मीडिया पर कैसे कंटेंट पोस्ट कर दिया।

कॉलेजियम प्रस्तावों को नोटिफाई करने में केंद्र के लिए समयसीमा तय करने का मामला

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों की नियुक्ति को अधिसूचित करने हेतु केंद्र के लिए एक समयसीमा तय करने की याचिका पर निर्णय लेने के लिए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की सहायता मांगी है। याचिका मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई थी।

पीठ ने कहा कि याचिका की एक प्रति भारत के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय को सौंपी जाए। हम अटॉर्नी जनरल से अदालत की सहायता करने का अनुरोध करते हैं। पीठ ने मामले की सुनवाई 8 सितंबर को तय की है। शीर्ष अदालत वकील हर्ष विभोरे सिंघल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, तत्काल रिट याचिका किसी भी तरह से न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम (एससीसी) प्रणाली को चुनौती नहीं देती है। याचिका में उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों को अधिसूचित करने के लिए समय नहीं होने के 'जोन ऑफ ट्विलाइट' को बंद करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि एक निश्चित समय अवधि के अभाव में सरकार नियुक्तियों को अधिसूचित करने में मनमाने ढंग से देरी करती है, जिससे न्यायिक स्वतंत्रता को कुचला जाता है, संवैधानिक और लोकतांत्रिक आदेश को खतरे में डाला जाता है।

Gathbandhan Matrimony
(Personalized Matrimonial Service)

✓ All Communities
✓ All Religions
✓ All Castes

Call Now
90380-00029

Hyderabad Branch

Metro Piller Number 1364, 1st Floor 1-10-74, 1,
Above Fasttrack Showroom
Begumpet, Hyderabad, Telangana 500016

• Kolkata • Guwahati • Bengaluru
• Hyderabad • Siliguri • Ranchi
• Others

28 हफ्ते की प्रेग्नेंट रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर सुनवाई

एससी ने गुजरात एचसी को फटकारा

कहा- जब एक-एक दिन अहम, तो 12 दिन बाद तारीख क्यों दी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में 25 साल की रेप विक्टिम की 28 हफ्ते की प्रेग्नेंसी के अबॉर्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। शनिवार को छुट्टी के बावजूद जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्जवल भुइयां की स्पेशल बेंच ने इस मामले पर अर्जेंट सुनवाई की। दरअसल गुजरात हाईकोर्ट ने पीड़ित महिला की अबॉर्शन वाली याचिका 17 अगस्त को खारिज कर दी थी। हालांकि ऑर्डर की कॉपी जारी नहीं की। जिसके बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंची। शनिवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने गुजरात हाईकोर्ट को फटकार लगाई। जस्टिस नागरत्ना ने कहा - ऐसे मामलों में जब एक-एक दिन अहम होता है तो सुनवाई की तारीख क्यों टाली गई। दरअसल हाईकोर्ट ने 11 अगस्त को इस केस की तत्काल सुनवाई न करते हुए अगली तारीख 12 दिन बाद दी थी। सुप्रीम कोर्ट में अब अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

याचिकाकर्ता के वकील-पीड़ित इस वक्त 28 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। हाईकोर्ट में केस दायर करते समय पीड़ित 26 हफ्ते की प्रेग्नेंट थी। कोर्ट ने 11 अगस्त को हमारी याचिका मंजूर की। फिर 17 अगस्त को बिना कारण बताए केस स्टेटस रिजेक्ट दिखाया गया। तब तक एक हफ्ता और बीत गया।

जस्टिस नागरत्ना : कोई भी अदालत ऐसा कैसे कर सकती है। सुनवाई की तारीख 12 दिन बाद रखने में कितना कीमती समय बर्बाद हुआ और अभी तक 17 अगस्त को जारी ऑर्डर की कॉपी अपलोड नहीं की गई।

जस्टिस नागरत्ना : ऑर्डर की कॉपी सामने होना बहुत जरूरी है। बिना उसे देखे कैसे फैसला लिया जा सकता है। 12 कीमती दिन पहले ही बर्बाद हो चुके हैं।

दूसरे पक्ष की वकील स्वाति : यस माई लॉर्ड, कृपया रिपोर्ट देखें, इसमें कहा गया है कि मेडिकली कोई नुकसान नहीं होगा।

जस्टिस नागरत्ना : ऐसे मामलों में तत्काल सुनवाई होनी चाहिए। ऐसा उदासीन दृष्टिकोण नहीं हो सकता। हमें ये कमेंट करते हुए खेद है। अब हम इसे सोमवार को सुनेंगे।

जस्टिस नागरत्ना : याचिकाकर्ता का कहना है कि पीड़ित 27 सप्ताह और 2 दिन की गर्भवती है और जल्द ही 28 सप्ताह के करीब पहुंच जाएगी।

जस्टिस नागरत्ना : चूंकि बहुमूल्य समय नष्ट हो गया है, इसलिए मेडिकल बोर्ड से नई रिपोर्ट मांगी जा रही है। हम याचिकाकर्ता को एक बार फिर से एग्जामिन करने का निर्देश देते हैं। नई स्टेटस रिपोर्ट कल शाम तक इस अदालत को सौंपी जाए। इसे सोमवार को कोर्ट के सामने रखा जाएगा।

प्रेग्नेंसी अबॉर्शन का नियम क्या कहता है

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) एक्ट के तहत, किसी भी शादीशुदा महिला, रेप विक्टिम, दिव्यांग महिला और नाबालिग लड़की को 24 हफ्ते तक की प्रेग्नेंसी अबॉर्ट करने की इजाजत दी जाती है। एमटीपी एक्ट में बदलाव साल 2020 में किया गया था। उससे पहले 1971 में बने कानून लागू होते थे।

मणिपुर हिंसा के बाद म्यांमार गए 212 मैतेई वापस लौटे

सीएम एन बीरेन सिंह ने सेना को थैंक्स कहा
राज्य में 53% आबादी मैतई की

इंफाल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा के बीच जान बचाने के लिए म्यांमार में शरण लेने वाले 212 मैतेई लोग वापस मणिपुर आ गए हैं। 3 मई को मोरे गांव में हिंसा के बाद ये लोग म्यांमार चले गए थे। राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया साइट X (पुराना नाम ट्विटर) पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के लौट आने पर राहत और कृतज्ञता महसूस कर रहा हूं।

बीरेन सिंह ने आगे कहा कि सभी लोगों को वापस लाने में भारतीय सेना ने समर्पण भाव दिखाया। मैं ईस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता, 3 कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एचएस साही और 5 असम राइफल्स के कमांडिंग अफसर राहुल जैन को उनकी दृढ़ सेवा के लिए धन्यवाद देता हूं।

मणिपुर में दो हफ्ते बाद फिर हिंसा, 3 वॉलंटियर्स के शव मिले

मणिपुर में दो हफ्ते बाद 18 अगस्त को सुबह करीब 5.30 बजे उखरुल के लिटन के पास थोवई कुकी गांव में गोलीबारी हुई। जिसमें गांव के 3 वॉलंटियर्स के मारे जाने की खबर है। कुकी समुदाय के संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम के स्पोक्सपर्सन का कहना है कि मैतेई लोगों के हमले में मरने वालों में 26 साल का जामखोगिन, 35 साल का थांगखोकाई और 24 साल का हॉलेंसन शामिल है।

रोचक खबरें

इस देश में शादी की अजीब प्रथा
लड़की पर तब तक नोट उड़ाता है दूल्हा जब तक मुस्कुराती नहीं दुल्हनियां

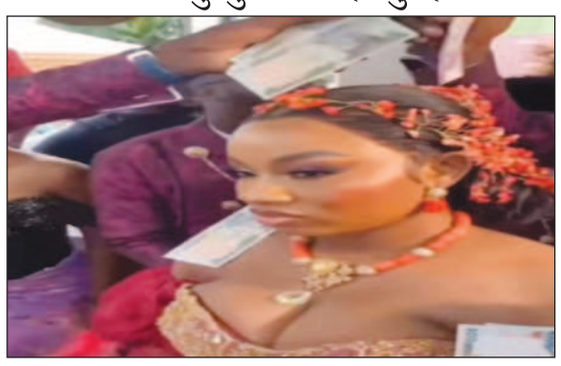

शादी किसी भी इंसान की लाइफ का बड़ा इवेंट होता है. इसमें दो लोग जिंदगीभर के बंधन में बंध जाते हैं. हर धर्म के लोगों के शादी से जुड़े अलग नियम होते हैं. ये रिवाज सदियों से उनके समाज में माने जाते रहे हैं. भारत में तो हिन्दुओं में भी हर घर के शादी से जुड़े अलग ही नियम देखने को मिलते हैं. दुनिया के हर देश में ये अलग होते हैं. कुछ नियम तो इतने अजीब होते हैं कि इनके बारे में जानने के बाद हैरानी ही होती है. आज हम आपको नाइजीरिया में शादी से जुड़े ऐसे ही नियम के बारे में बताने जा रहे हैं.

सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है. नाइजीरिया में शादी के दौरान दुल्हन तैयार होकर जब अपने होने वाले पति के पास आती है तो उसे हंसने की मनाही होती है. वो बेहद गंभीर चेहरे के साथ खड़ी रहती है. उसे हंसाने के लिए दूल्हा उसपर नोट उड़ाता है. जब दुल्हन को लगता है कि इतने पैसे काफी हैं तब वो स्माइल करती है. इसके बाद दूल्हा पैसे उड़ाना बंद कर देता है.

तैयार होकर यूँ खड़ी दिखी दुल्हन

सोशल मीडिया पर इस रिवाज का एक वीडियो शेयर किया गया. इसमें एक महिला तैयार होकर अपनी शादी में दूल्हे के नजदीक खड़ी नजर आई. उसके आसपास दूल्हा पक्ष के कई लोग दिखे जो लगातार उसके ऊपर नोट उड़ा रहे थे. दुल्हन इस दौरान बेहद गंभीर चेहरे के साथ खड़ी नजर आई. उसपर नोट उड़ाए जाते रहे और वो हंसने का नाम नहीं ले रही थी. इस वीडियो को देखने के बाद कई लोगों ने इसपर कमेंट करते हुए लिखा कि जब मर्जी की शादी ना हो तब ऐसा होता है.

ये निकली असली वजह

जहां कुछ लोगों ने इस वीडियो को जबरदस्ती की शादी से जोड़ दिया, वहीं कई लोगों ने इस रिवाज का खुलासा किया. इससे पहले भी इस रिवाज का एक दूसरा वीडियो शेयर किया गया था. वहां भी दुल्हन ऐसे ही गंभीर चेहरे में नजर आई. तब भी कई लोगों ने इसे बिना मर्जी की शादी बताया था. तब एक महिला ने खुलासा किया था कि ये एक रिवाज है. इसके जरिये दूल्हा पक्ष ये बताता है कि उसे लड़की पसंद है और वो उसे खुश रखने के लिए पैसे उड़ा सकता है.

एडीआर की रिपोर्ट... राज्यसभा के 12% सांसद अरबपति

इनमें 6 भाजपा, 4 कांग्रेस और 3 आप के-33% सांसदों के खिलाफ क्रिमिनल केस

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राज्यसभा के 225 सदस्यों में 27 यानी (12%) अरबपति हैं। अरबपति सांसदों में सबसे ज्यादा संख्या भाजपा के सदस्यों की है। 225 में भाजपा के 85 सदस्य हैं, जिनमें 6 यानी 7% सांसद अरबपति हैं। कांग्रेस के 30 सदस्यों में 4 यानी 13% अरबपति हैं। वाईएसआर कांग्रेस के 9 में से 4 (44%), आम आदमी पार्टी के 10 में 3 (30%) और बीआरएस के 7 में 3 (43%) सांसद अरबपति हैं। अगर राज्यों की बात करें तो सबसे ज्यादा अरबपति सांसद आंध्र प्रदेश 45% और तेलंगाना 43% से हैं।

33% सांसदों के खिलाफ क्रिमिनल केस

इन 225 सांसदों में से 75 (33%) के खिलाफ क्रिमिनल केस हैं। 41 सांसदों यानी करीब 18% के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज हैं। वहीं, दो सांसदों पर हत्या (आईपीसी की धारा 302) का केस और 4 के खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले हैं।

राज्यसभा सांसदों की औसतन प्रॉपर्टी 80.93 करोड़

राज्यसभा के मौजूदा सांसदों की औसतन प्रॉपर्टी 80.93 करोड़ रुपए है। बीजेपी के औसतन सांसदों की प्रॉपर्टी 30.34 करोड़ है। कांग्रेस के 30 सांसदों की औसतन प्रॉपर्टी 51.65 करोड़, तृणमूल कांग्रेस के 13 सदस्यों की औसतन प्रॉपर्टी 3.55 करोड़, वाईएसआर कांग्रेस के 9 सांसदों की प्रॉपर्टी 395.68 करोड़, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 7 सांसदों की प्रॉपर्टी 799.46 करोड़ रुपए है।

उम्मीदवारों के हलफनामों के आधार पर किया गया एनालिसिस

एडीआर ने यह रिपोर्ट 18 अगस्त को अपनी बेवसाइट पर लगाई है। एडीआर ने नेशनल इलेक्शन वॉच (न्यू) के साथ मिलकर कुल 233 राज्यसभा सांसदों में से 225 के क्रिमिनल और फाइनेंशियल स्थिति का एनालिसिस किया है। एडीआर ने ये जानकारी चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की ओर से दिए गए हलफनामों के आधार पर दी है।

तेलंगाना के 7 सदस्यों की प्रॉपर्टी 5,596 करोड़

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, तेलंगाना के 7 राज्यसभा सदस्यों की कुल प्रॉपर्टी 5,596 करोड़ रुपए है। आंध्र प्रदेश से 11 सदस्यों की प्रॉपर्टी 3,823 करोड़ और उत्तर प्रदेश के 30 सांसदों की प्रॉपर्टी 1,941 करोड़ रुपए है।

अगर राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो आंध्र प्रदेश के 11 राज्यसभा सदस्यों में से 5 यानी 45%, तेलंगाना के 7 सांसदों में से 3 यानी 43% और महाराष्ट्र के 19 सांसदों में से 3 यानी 16% की प्रॉपर्टी 100 करोड़ से ज्यादा है। राजधानी दिल्ली के 3 सांसदों में से 2 यानी 67%, पंजाब के 7 सांसदों में से 2 यानी 29%, हरियाणा के 5 सांसदों में से 1 यानी 20% और मध्य प्रदेश के 11 सांसदों में से 2 यानी 18% सदस्यों की प्रॉपर्टी 100 करोड़ से ज्यादा है।

एमपी के छिंदवाड़ा के पास तेलंगाना एक्सप्रेस ट्रेन की पेंट्री कार में आग लगी

यात्रियों को कोई नुकसान नहीं

पांढुर्ना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में शनिवार सुबह 10 बजे के करीब नई दिल्ली से हैदराबाद जा रही तेलंगाना एक्सप्रेस (12724) ट्रेन की पैंट्री कार में आग लग गई। पांढुर्णा रेलवे स्टेशन से 1 किलोमीटर दूर ट्रेन की पैंट्री कार से यात्रियों ने धुआं और लपटें उठती देखीं। तब ट्रेन नागपुर की ओर जा रही थी।

यात्रियों की सूचना पर ट्रेन को गायत्री फाटक पर रोका गया। सभी यात्रियों को नीचे उतारा गया फिर रेलवे अधिकारियों को खबर की गई। आधे घंटे बाद आग पर काबू पाने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। ट्रेन 18 अगस्त की शाम 4 बजे नई दिल्ली से हैदराबाद के लिए चली थी। भोपाल होते हुए 19 अगस्त की सुबह 10 बजे पांढुरना रेलवे स्टेशन से गुजरी।

महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई एंट्री

शरद पवार का भतीजे से हुआ मोहभंग, अब पोते पर लगाएंगे दांव

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में दो फाड़ के बाद शरद पवार की नई राजनीतिक भूमिका को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। अटकलें हैं कि वे भाजपा के साथ जा सकते हैं। लेकिन 82 वर्षीय शरद पवार इन अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए एनसीपी को फिर से खड़ा करने की मुहिम पर निकल पड़े है। पवार अब भतीजे अजित पवार की जगह पोते रोहित पवार पर दांव लगाएंगे। बीड में हुई एनसीपी (शरद गुट) की पहली स्वाभिमान सभा में इसके साफ संकेत मिले है।

एनसीपी संस्थापक शरद पवार की बीड में हुई स्वाभिमान सभा में रोहित पवार ही छाये रहे। यहां तक कि एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को भी भाषण देने का मौका नहीं मिला। जनसभा में उपस्थित लोगों की मांग पर जयंत पाटिल की जगह रोहित पवार ने भाषण दिया और जमकर तालियां बटोरी। एनसीपी के वरिष्ठ नेता व पूर्वमंत्री जितेन्द्र आव्हाड ने भी मंच से अपने भाषण में कहा कि बेटा भले ही बाप से दूर हो जाए लेकिन दादा-पोते का संबंध अलग होता है वह उनसे दूर नहीं जा सकता। आव्हाड के इस बयान से साफ हो गया है कि पार्टी में रिक्त हुई उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जगह अब रोहित पवार को मिलेगी। एनसीपी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राज्य में 30 से 60 वर्ष के मतदाताओं में अजित पवार का क्रेज है जबकि रोहित पवार के जरिए शरद पवार 18 से 35 वर्ष के मतदाताओं को साधेंगे।

युवाओं की पसंद

सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर 10 जून 1999 में शरद पवार ने जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की स्थापना की थी तब युवा नेतृत्व अजित पवार, जयंत पाटिल, आर.आर.पाटिल, दिलीप वलसे पाटिल आदि को लेकर आगे बढ़े थे। इतना ही नहीं, उन्होंने बरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन की सरकार बनने पर इन्हीं युवाओं को मंत्री भी बनाया था। एनसीपी में टूट के बाद शरद पवार एक बार फिर उसी फार्मूले पर आगे बढ़ने वाले हैं।

कौन हैं रोहित पवार

बीते तीन दशक से महाराष्ट्र की राजनीति में पवार घराने का वर्चस्व है। 37 वर्ष के रोहित पवार एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के छोटे भाई अप्पासाहेब पवार के बेटे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के चचेरे भाई राजेन्द्र पवार के पुत्र हैं। रोहित पहली बार कर्जत-जामखेड सीट से विधानसभा पहुंचे हैं। वह शरद पवार और उनकी बेटी सांसद सुप्रिया सूले के बेहद भरोसेमंद हैं। पार्टी में टूट के बाद रोहित मुश्किल की घड़ी में साये की तरह शरद पवार के साथ देखे जाते हैं।

राहुल बाइक से पैंगोग पहुंचे, रास्ते के फोटोस् शेयर किए

कहा-मेरे पिता कहते थे, ये दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में शामिल

लद्दाख, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी लद्दाख के दौरे पर हैं। शनिवार को वे राइडर लुक में दिखे। वे लद्दाख से पांगोंग त्सो लेक के लिए रवाना हुए। उन्होंने रास्ते से कुछ फोटो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए। फेसबुक पर लिखा- 'पैंगोग त्सो जाने के रास्ते में। मेरे पिता कहते थे, ये दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में शामिल है।'

युवाओं के साथ संवाद किया, स्थानीय लोगों से मिले

राहुल ने दौरे के पहले दिन शुक्रवार को स्थानीय युवाओं के साथ एक संवाद कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। कांग्रेस नेता ने लेह में फुटबॉल मैच भी देखा। राहुल शुक्रवार को कारगिल मेमोरियल भी गए थे।

कांग्रेसी नेता विजय वाडेट्टीवार का बड़ा दावा

कहा-सितंबर तक सीएम की कुर्सी में होगा बदलाव

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टी के नेता विजय वाडेट्टीवार ने महाराष्ट्र की राजनीति पर चिंता व्यक्त करते हुए आने वाले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री की कुर्सी में बदलाव होने का दावा भी किया है। महाराष्ट्र में फिलहाल एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फड़णवीज और अजित पवार की सरकार सत्ता में हैं। अजित पवार हाल ही में शरद पवार से अलग होकर सत्ताधारी पार्टी से जुड़े हैं।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए वाडेट्टीवार ने कहा, 'महाराष्ट्र में कुछ हफ्तों के भीतर राज्य सरकारी में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, यहां बहुत बड़ा बदलाव होगा। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि सरकार बदलेगी, लेकिन मुख्य कुर्सी (सीएम पद) पर सितंबर तक बदलाव जरूर होगा।' राज्य सरकारी से जुड़ने के बाद अजित पवार दूसरे उप मुख्यमंत्री नियुक्त किए गए थे। वहीं उनके आठ सहकर्मियों ने मंत्री पद के लिए शपथ ग्रहण किया था। भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फड़णवीज राज्य के दूसरे उप मुख्यमंत्री है। पिछले साल जून 2022 में एकनाथ शिंदे के शिवसेना से अलग होकर भाजपा के साथ जुड़ने से उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकारगिर गई थी। इसके बाद राज्य में शिवसेना और भाजपा ने सरकार बनाने में कामयाब रही। जिसकी कमान शिंदे के हाथ में दी गई, वहीं फड़णवीज को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

चोरों ने तोड़ा एटीएम नकदी नहीं मिलने पर लौटे खाली हाथ

पालघर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर शहर के पास कुछ चोरों ने शनिवार तड़के एक राष्ट्रीयकृत बैंक की ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) तोड़ दी, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा क्योंकि एटीएम के अंदर कोई नकदी नहीं थी।

पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पालघर तालुका के मसवान गांव में हुई। मनोर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, कुछ बदमाश देर रात करीब दो बजे एक राष्ट्रीयकृत बैंक के एटीएम कियोस्क में घुस गए। उन्होंने न केवल एटीएम बॉक्स को तोड़ दिया, बल्कि कमरे के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

चींटी की सेल्फी हुई वायरल, नजदीक से ऐसा नजर आता है चेहरा

देखते ही लोगों को लगा सदमा

आपने चींटी तो देखी होगी. गर्मियों में घर के किसी ना किसी कोने में आपको काली चींटी नजर आ ही जाएगी. ये चीटियां काटती नहीं है. लेकिन इसके बाद भी लोग चाहते हैं कि ये उनके घर में ना ही आए तो ठीक है. चींटियों को घर से दूर रखने के लिए लोग कई तरह के स्प्रे का भी इस्तेमाल करते हैं. चींटी तो आपने कई देखी होंगी लेकिन क्या आपने कभी चींटी का चेहरा देखा है? लग गया ना आपको सदमा. जी हां, सोशल मीडिया पर चींटी के चेहरे की तस्वीर शेयर की गई जो लोगों को हैरान कर रही है.

चींटी बेहद छोटी होती है. ऐसे में उसे सिर्फ पूरा ही देखा जाता है. लेकिन क्या आपने कभी ये देखने की कोशिश की है कि आखिर उनका चेहरा कैसा नजर आता है? अगर चींटी के बॉडी को ज़ूम कर देखें, तो उसका चेहरा नजर आएगा. जब इस चेहरे की तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, तो इसने लोगों को हैरान कर दिया. किसी ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि चींटियां ऐसी दिखती हैं. आप भी देखकर बताइये अपनी राय.

शैतान सा आया नजर

सोशल मीडिया पर चींटी का एक अल्ट्रा क्लोज अप फोटो शेयर किया गया. चींटी के चेहरे की इतनी नजदीक की तस्वीर ने सबके होश उड़ा दिए. किसी ने सोचा भी नहीं था कि चींटी का चेहरा नजदीक से ऐसा नजर आता है. कई लोगों को ये किसी शैतान के चेहरे सा नजर आया. इस तस्वीर को फोटोग्राफर Josh Coogler ने क्लिक कर सोशल मीडिया पर शेयर किया. रेडिट पर जैसे ही इसे पोस्ट किया गया, ये वायरल हो गया. इसमें चींटी की लाल आंखें और एंटेना नजर आया.

शादी में दूल्हे ने लगाया दुल्हन के गाल पर केक, अगले ही दिन हुआ तलाक

लोगों ने बताया छुटकारा पाने की निंजा तकनीक

शादी किसी भी इंसान की लाइफ का सबसे बड़ा डिसीजन होता है. दो लोग, जिनका नेचर अलग होता है, जिनके रहने का ढंग अलग होता है, वो जिंदगीभर एक साथ रहने का फैसला करते हैं. शादी को सात जन्मों का बंधन भी कहा जाता है. यानी जिसके साथ आपने कसमें खाई है, उसके साथ आगे के सात जन्म आपको साथ रहना है. लेकिन कई बार ये बंधन पहले ही जन्म में टूट जाता है. ऐसा ही कुछ एक महिला के साथ जिसने शादी के अगले दिन ही तलाक के लिए अर्जी दे दी. वजह बना एक केक.

जी हां, एक कपल का तलाक केक की वजह से हो गया. जब ये मामला वायरल हुआ,. तब महिला ने बताया कि आखिर केक के कारण क्यों उसका तलाक हुआ? दरअसल, महिला ने अपने होने वाले पति को ये साफ़ बता दिया था कि उसे केक का गाल पर लगाया जाना बिलकुल पसंद नहीं है. ये जानने के बाद भी दूल्हे ने उसका पूरा चेहरा केक में मल दिया. ये देखने के बाद महिला ने तलाक के लिए अर्जी दे दी.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ये खबर पिछले साल की है. महिला ने बताया कि उसका शादी का इरादा ही नहीं था. लेकिन 2020 में उसके प्रेमी ने अचानक ही उसे शादी के लिए प्रपोज कर दिया. उसने हां तो कर दी लेकिन ये साफ़ बता दिया था कि वो claustrophobic है. ऐसे में उसे ये बिलकुल पसंद नहीं है कि उसके चेहरे पर कोई केक लगाए. ये बात दूल्हा जानता था.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 20 अगस्त, 2023 3

सुविचार

अगर आप को कोई काम करने में, मजा नहीं आ रहा है, इसका मतलब है कि वो कार्य, आपके करने लायक नहीं है!

कांग्रेस के पास कोई नेता नहीं, बीजेपी के पास कोई कैडर नहीं : हरीश राव

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि विपक्षी दल आगामी विधानसभा चुनाव में बीआरएस को लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने से नहीं रोक सकते क्योंकि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के पास कोई नेता नहीं है और भाजपा के पास कोई कैडर नहीं है। शनिवार को मेदक में संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, विधायक पद्मा देवेंदर रेड्डी और सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी के साथ मंत्री हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य और सबसे पुरानी पार्टी में 35- 40 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए कोई नेता नहीं है।

अल्पसंख्यक बंधु के लाभार्थियों को एक लाख रुपये का चेक सौंपा गया

सिरपुर कागजनगर, 19 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। जिला जेडपीटीसी के उपाध्यक्ष कोनेरू कृष्ण राव ने कागज नगर शहर में कापुवाड़ा विधायक कैंप कार्यालय के सामने आरे संगम भवन में नगरपालिका अध्यक्ष सद्दाम हुसैन के साथ अल्पसंख्यक रिश्तेदारों के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, वह पहले से ही अल्पसंख्यकों और अल्पसंख्यक गुरुकुलों को शादी मुबारक योजना के माध्यम से लड़कियों की शादी के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। अल्पसंख्यकों के त्योहारों के लिए इफ्तार दावतें और हाल ही में सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने की योजना की लागत भी प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि केसीआर कई तरह से अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं और हम देखेंगे कि यह योजना चरणबद्ध तरीके से सभी के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों, नगर पार्षदों, एमपीटीसी, सरपंचों और बीआरएस नेताओं ने भाग लिया।

जन सेवा संघ मतदाता पहचान पत्र शिविर का आयोजन करेगा

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ एवं सुंदर तथा विकसित समाज का निर्माण देश की प्रत्येक संस्था, संगठन और प्रत्येक नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। जन सेवा संघ एक ऐसा ही संगठन है जो तेलंगाना राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में एक सुंदर, विकसित, स्वस्थ एवं नैतिकता से परिपूर्ण समाज की स्थापना के लिए कमरबद्ध है। इस संस्था के प्रेरणास्रोत पूर्व आईपीएस वी के सिंह ने हर वक्त राज्य और देश के विकास का सपना देखा है। यह संगठन चाहता है कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सेवा के साथ ही राजनीति के क्षेत्र में भी उत्तम सुधार हो। इसके लिए आवश्यक है अधिक से अधिक मतदाताओं को पहचान पत्र दिलाना एवं उन्हें सुयोग्य, कर्मठ तथा ईमानदार प्रत्याशी को वोट देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस आशय के निमित्त रविवार 20 अगस्त को मेडचल चेक पोस्ट के समीप पूर्वाह्न 11 बजे से शाम 4 बजे के मध्य एक मतदाता पहचान पत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पहचान पत्र से वंचित लोगों को इसे उपलब्ध कराया जाएगा।

जेएनयूएच योजना के तहत निर्मित घरों को लाभार्थियों को सौंपें : किशन रेड्डी

केन्द्रीय मंत्री ने जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र के पर्यटन और सांस्कृतिक विकास मंत्री किशन रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद शहर की मलिन बस्तियों में सीवेज सिस्टम को प्रभावी ढंग से संचालित करने की सलाह दी है। शनिवार को हरिता प्लाजा होटल तेलंगाना में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की एक बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने जीएचएमसी अधिकारियों से हैदराबाद शहर में केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता से किए जा रहे घरों के निर्माण के बारे में जानकारी लेने और इसे पूरा करने के लिए कहा है। इसे शीघ्रता से पूरा करें और जेएनयूएच योजना के तहत निर्मित घरों को लाभार्थियों को सौंपें। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित वेलनेस सेंटरों के बारे में पूछे जाने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शहर में 154 बस्ती डिस्पेंसरी और 89 यूपीएचसी को वेलनेस सेंटर में बदल दिया गया है। शहर में टीबी के मरीजों को गोद लिया जाएगा, अगर गोद लेने का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तो सुझाव दिया गया है कि कई टीबी मरीज गोद लेने के लिए आगे आएंगे। बैठक में जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी ने कहा कि शहर में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया जाएगा और लाभार्थियों का चयन किया जाएगा और लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 10 दिनों में जिले के बैंकर्स के साथ बैठक आयोजित कर पीएम स्वनिधि और मुद्रा लोन की समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर में रेलवे विभाग द्वारा बनाई जाने वाली सड़कों के संबंध में जीएचएमसी और रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य के केशव राव, जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी, एचएमडब्ल्यू एसएसबी के एमडी दाना किशोर, हैदराबाद जिले के अतिरिक्त कलेक्टर मधुसूदन, जिला मुख्य योजना अधिकारी और संयुक्त निदेशक एन सुरेंद्र और सभी विभागों के जिला अधिकारियों ने भाग लिया।

कलयुगी पिता ने काटा बेटी की गला, मौत

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में व्यक्ति ने अपनी बेटी की रेजर ब्लेड से गला काटकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, चंदानगर निवासी और विजयवाड़ा के मूल निवासी कुंडेती चंद्रशेखर (40) की शादी 2012 में हिमबिंदु से हुई थी। दंपत्ति को एक बेटी मोक्षजा का जन्म हुआ, जिसकी उम्र 8 साल थी और वह बीएचईएल टाउनशिप के एक निजी स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ती थी।

हिमबिंदु आईटी कंपनी में ऊंचे पद पर काम करती है, जबकि चंद्रशेखर अलग कंपनी में जूनियर पद पर काम करता है और अक्सर उनके बीच झगड़े होते रहते हैं। इन दोनों ने भारत और विदेश में काम किया था। चन्द्रशेखर ने हाल ही में अपनी नौकरी खो दी थी।

वनस्थलीपुरम एसीपी एस. भीम रेड्डी ने कहा कि पिछले आठ महीनों से हिमबिन्दु अपनी बेटी के साथ अपनी माँ के घर पर रह रही है, जबकि चंद्रशेखर अलग रह रहे थे।

पिता होने के नाते अक्सर वह अपनी बेटी के स्कूल जाता था और वहां उससे मिलता था। शुक्रवार को वह मोक्षजा को स्कूल से अपनी कार में बैठाकर संगारेड्डी ले गया और उसके लिए कुछ चीजें खरीदीं। रामचन्द्रपुरम में चन्द्रशेखर ने कार रोकी और उनसे अपनी समस्याओं पर चर्चा की। अधिकारी ने कहा कि जब बच्ची कार में बैठी थी, तो चंद्रशेखर ने कागज काटने वाला चाकू लिया और उसका गला काट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में कार को अब्दुल्लापुरमेट ले गया जहां वह शव को फेंकना चाहता था। हालाँकि, रास्ते में वह एक सड़क डिवाइडर से टकरा गया, जिससे स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ, जिन्होंने कार में एक शव देखकर पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

नशीली पदार्थों की तस्करी करने वाले दो गिरफ्तार

पुलिस ने एक ग्राहक को भी पकड़ा

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की बहादुरपुरा थाने की पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले दो तस्करों और एक ग्राहक को बहादुरपुरा एक्स रोड के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1190 ग्राम गांजा, दो सेल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों में शेख रियाज़ निवासी राजेंद्र नगर, रंगारेड्डी, शेख कलीम निवासी राजेंद्र नगर, रंगारेड्डी, मोहम्मद तौफीक (ग्राहक) निवासी चिराग अली नगर, किशन बाग, हैदराबाद शामिल है। अतिरिक्त डीसीपी (एलएंडओ) साउथ जोन, हैदराबाद शेख जहांगीर के अनुसार आरोपी शेख रियाज और शेख कलीम एक ही कंपनी में कैब ड्राइवर के पद पर कार्यरत हैं। आलीशान जिंदगी जीने और आसानी से पैसा कमाने के लिए वे जरूरतमंद ग्राहकों को गांजा बेच रहे थे और आसानी से पैसा कमा रहे हैं। इसके अलावा आरोपी मोहम्मद तौफीक को गांजा पीने की आदत है और वह आरोपी व्यक्तियों से गांजा खरीदता था। आरोपी शेख रियाज और शेख कलीम धूलपेट से 3 हजार प्रति किलोग्राम के हिसाब से गांजा खरीदते थे और जरूरतमंद ग्राहकों को गांजा के छोटे पैकेट बनाकर ऊंची कीमत पर बेचते थे और आसानी से पैसा कमाते थे।

आंगनबाडी कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द होगा समाधान : मंत्री

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने 'आंगनवाड़ी' शिक्षकों और कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनके सभी वास्तविक मुद्दों को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ उठाया जाएगा और जल्द ही हल किया जाएगा। उन्होंने अपने सचिवालय कक्ष में आंगनवाड़ी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनों के साथ बातचीत की। बैठक में उनके सेवानिवृत्ति लाभ, बीमा, पीआरसी, अनुकंपा नियुक्ति, मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी केंद्रों में परिवर्तित करने, आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायिकाओं की पदोन्नति में सेवा मानदंडों में छूट से संबंधित सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, K. Laxmi Prassanna W/o. No.15774122X, Rank: HAV (OPR) Name: Chenchi Reddy. K, R/o. H.No.11-8/74/A/1, Srinivasa Nagar Colony, Rampally, Medchal-Malkajgiri Dist., Hyd-501301, T.S., have been Changed my name from K. Laxmi Prassanna to K. PRASANNA REDDY, & my incorrect DOB: 23.05.1983, & my Correct DOB is 23.05.1985, vide affidavit no.32AA953195 dt.19-08-2023.

I, KSHAMA SUDHIRRAO PATIL R/o H.No.15-6-160, Kolsawadi, Begum Bazar, Hyd, After Marriage my Name Changed as "KSHAMA NAIK W/o PRASAD PURUSHOTTAM NAIK".

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

वर चाहिए

"अग्रवाल सुंदर कन्या, 24 वर्ष, हैदराबाद से, एक समृद्ध परिवार से है, एक उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में है।"
(080-69070643)

"हैदराबाद से गुजराती कन्या, 27 वर्ष, एक धनी परिवार से है, एक उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में है।"
(080-69070643)

"एक उच्च मध्यम वर्ग के परिवार से आने वाली पंजाबी कन्या, जिनका तलाक हो चुका है, आयु 29 वर्ष, ऊंचाई 5'5", और कोई बच्चा नहीं है। वह एक अच्छे लड़के की तलाश में हैं, जैसी भी जाति हो सकती है।"
(080-69070643)

मारवाड़ी सुंदर कन्या 26 वर्षीय, शिक्षित हैदराबाद निवासी परिवार को तलाश हैं वर की (जाती बंधन नहीं)
(080-69072069)

वधु चाहिए

"राजपूत लड़का, 36 वर्ष, 5'11", M.Tech किया हुआ, वरिष्ठ सॉफ़्टवेयर इंजीनियर, 90 लाख प्रति वर्ष की कमाई, एक अच्छी जीवनसंगी की तलाश में हैं। कृपया संपर्क करें।"
(080-69070643)

31 वर्षीय जैन तलाकशुदा Doctor लडका हैदराबाद में अपना Hospital अपना घर , विवाह के लिए शीघ्र संपर्क करे।
(080-69072069)

सीएम के ठोस कदम से स्वास्थ्य सेवा में तेलंगाना सबसे आगे

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए मजबूत कदमों से तेलंगाना एक 'स्वस्थ तेलंगाना' बन गया है। राज्य सरकार ने लोगों की स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्यक्रम और योजनाएं शुरू की हैं। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में राज्य ने जो प्रगति की है वह देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा बन गई है। तेलंगाना सरकार महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, बुजुर्गों और लंबे समय से बीमार रोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रभावी कार्रवाई कर रही है। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की माने तो शहरी गरीबों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से, वर्तमान में 350 बस्ती दवाखाना जीएचएमसी क्षेत्र में सेवा दे रहे हैं। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में निःशुल्क जांच एवं दवाइयां उपलब्ध करायी जाती हैं। दिसंबर 2022 तक बस्ती दवाखानों में कुल 2,11,23,408 लोगों का इलाज किया गया, जिसके लिए सरकार ने बस्ती दवाखानों पर 94.87 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसी तरह तेलंगाना डायग्नोस्टिक्स केंद्रों में 11 करोड़ से अधिक मुफ्त डायग्नोस्टिक परीक्षण किए गए हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-आरोग्यश्री योजनाओं का 18 मई 2021 को विलय कर दिया गया। इन योजनाओं के विलय से प्रति परिवार प्रति वर्ष अधिकतम कवरेज सीमा 2 लाख रुपये से बढ़कर 5 लाख रुपये हो गई है। मई 2023 तक 16 लाख लोगों ने आरोग्यश्री की सेवाओं का लाभ उठाया है। कर्मचारी एवं पत्रकार स्वास्थ्य योजना में राज्य सरकार के कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, पत्रकारों एवं उनके परिवार के सभी आश्रित सदस्यों को कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। बाह्य रोगी उपचार कल्याण केंद्रों द्वारा प्रदान किया जाता है और आंतरिक रोगी उपचार सूचीबद्ध अस्पतालों द्वारा प्रदान किया जाता है। राज्य सरकार ने मई 2023 तक 3,65,200 लोगों के इलाज पर 1475.19 रुपये खर्च किये हैं। आरोग्यश्री के अंतर्गत किडनी रोगियों को निःशुल्क डायलिसिस सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। देश में पहली बार सिंगल यूज़ डायलाइजर और ट्यूब का इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्तमान में 108 एम्बुलेंस एवं 455 वाहन सेवाएं दे रहे हैं। 102 गाड़ियां 300 कार्यरत हैं। तेलंगाना राज्य के गठन के समय केवल 5 सरकारी मेडिकल कॉलेज (उस्मानिया, गांधी, वारंगल काकतीय, निज़ामाबाद, आदिलाबाद रिम्स) थे। पिछले नौ वर्षों के दौरान 29 सरकारी मेडिकल कॉलेज नये स्वीकृत किये गये हैं। वर्तमान में, राज्य के 26 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 3,915 एमबीबीएस मेडिकल सीटें उपलब्ध हैं। इनके साथ ही 28 निजी मेडिकल कॉलेजों में 4,600 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। राज्य में कुल 8,515 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। तेलंगाना में कुल 2,890 पीजी मेडिकल सीटें और सरकारी कॉलेजों में 179 सीटें और निजी कॉलेजों में 27 सीटें उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गरीबों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाली निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) डिस्पेंसरी का विस्तार करने का फैसला किया है, क्योंकि मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने निम्स के विस्तार के लिए 1571 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नये अत्याधुनिक भवन का शिलान्यास किया। निम्स अस्पताल में वर्तमान में 1,800 बिस्तर उपलब्ध हैं। नवनिर्मित भवन में अतिरिक्त 2,000 ऑक्सीजन बेड जोड़े जाएंगे। बिस्तरों की कुल संख्या बढ़कर 3,800 हो जाएगी। तेलंगाना सरकार दूरदराज के गांवों में भी डिस्पेंसरियां स्थापित कर रही है। प्रत्येक गांव की डिस्पेंसरी के लिए 20 लाख रुपये की लागत से कंक्रीट के पक्के भवन बनाए जा रहे हैं। तेलंगाना राज्य सरकार ने राज्य में आंखों की समस्याओं से पीड़ित लोगों की दुर्दशा को दूर करने के लिए कांति वेलुगु योजना शुरू की है। पहले चरण की सफलता से प्रेरित होकर कांति वेलुगु नेत्र चिकित्सा शिविर का दूसरा चरण बड़े पैमाने पर जारी है। उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि वे अपने-अपने राज्यों में कंटी वेलुगु लागू करेंगे। इसके साथ ही कई अन्य परियोजनाओं पर सरकार काम कर रही है।

जीवन का रहस्य है शिवकथा : पूज्य गिरी बापू महाराज

शिव महापुराण कथा के प्रथम दिन भगवान मल्लिकार्जुन का भव्य श्रृंगार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रघुनाथमल नरेन्द्र कुमार गोयल परिवार द्वारा क्लासिक कन्वेंशन-3, एयरपोर्ट रोड में आयोजित शिव महापुराण कथा के आज प्रथम दिन कथा से पूर्व मल्लिकार्जुन श्रीशैलम देवस्थानम से आए विद्वान पुजारियों ने गोयल परिवार के साथ दिव्य पंचगव्यों द्वार अभिषेक और भगवान मल्लिकार्जुन का भव्य श्रृंगार किया। ठीक 3 बजे से कथा प्रारंभ हुई। कथा वाचक पूज्य गिरी बापू ने कहा कि समय का सभी को महत्व समझना चाहिए। हर रोज 3 बजे से 6 बजे तक शिव कथा होगी और 6 बजे सामूहिक आरती होगी। यह नियम अति आवश्यक है। पूज्य गिरी बापू महाराज ने कहा कि समस्त देवी-देवताओं की पूजा को पूजा कहा जाता है, जबकि महादेव की पूजा को महापूजा कहा जाता है। सभी देवताओं की आरती को आरती कहते हैं और महादेव की आरती को महाआरती कहते हैं। देवी के और राम जी के नवरात्रि होते हैं, पर महादेव की रात्रि को महा शिवरात्रि कहते हैं। सब देवताओं के पुजारी को भाग्यवान कहा जाता है, जबकि महादेव के पूजक महाभाग्यवान होते हैं। सभी देवताओं की कथा सुनने से पुण्य प्राप्त होता है और महादेव की कथा सुनने से महापुण्य मिलता है। सनातन धर्म के 17 पुराण हैं और 18वां पुराण शिव महापुराण है। पूज्य गिरी बापू ने कहा कि 18 पुराणों में महादेव और अन्य देवी देवताओं की महिमा है, पर शिव पुराण में महादेव की महामहिमा है। शिव कथा जीवन का रहस्य है। शिव कथा जीवन का अर्थ है। यह कथा गम्भीर विषय है, जिसको गंभीरता से सुनना और गुनना चाहिए । पूज्य गिरी बापू ने बताया कि इस शिव महापुराण में 11 खंड, सात संहिताएं हैं और 24 हजार श्लोक हैं। विद्वेश्वर, रुद्र, शतरुद्री, कोटिरुद्री, उमा, कैलाश और वायु संहिता में शिव महापुराण वर्णित है। जहां महादेव की कथा होती है उस स्थान को सदाशिव महास्थानम कहा जाता है। शिव महापुराण यानी कल्याण पुराण का पाठ करने से व्यक्ति को भय से मुक्ति मिलती है। इस पुराण का पाठ करने से व्यक्ति को भोग और मोक्ष दोनों ही की प्राप्ति होती है। यह कथा सज्जनों के लिए है, दुर्जनों के लिए नहीं। शिव पुराण में कोई टोटका नहीं है। वैसे भी कोई लाख टोटके करे पर कलयुग में जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा। पूज्य महाराज ने कहा कि गुजरात सौराष्ट्र में मैं आ रहा हू मेरे यहां बुजर्गो से ज्यादा नवजवान कथा सुनने आते है। शिव कथा स्थल पर समस्त देवता और समस्त देवी समस्त तीर्थ दौड़ते-दौड़ते आकर कथा सुनने आ जाते हैं। चतुर भक्त लोग कथा स्थल में आकर पुण्य एकत्रित करने और पुण्य लूटने आते हैं तथा चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष को एकत्रित करके ले जाते है। अभिवादन के बारे में बताते हुए पूज्य गिरी बापू ने बताया कि सनातन धर्म में हाथ मिलाने की परंपरा नहीं, हाथ जोड़ने की परंपरा है। हाथ जोड़कर विनम्रता से कथा सुनने वाले का जीवन धन्य है। शिव पुराण में भगवान वेद व्यास जी कहते हैं कि कथा सुनने वाला साक्षात रुद्र है। शिव पुराण के अनुसार मुक्ति का मार्ग शिवलिंग का अर्चन, रुद्र का जप, पंचाक्षर मंत्र का पाठ, शिव लिंग का जलाभिषेक है। पूज्य गिरी बापू ने बताया कि सभी देवी-देवता नित्य पंचाक्षर मंत्र जप करते है। कथा स्थल पर अनेक देवी देवताओं की दिव्य झांकी कथा श्रोताओं के आकर्षण के केंद्र बने है। मुख्य द्वार पर अमरनाथ के बर्फानी बाबा बर्फ के शिवलिंग और गुफा सबका मन मोह रही है। मुख्य द्वार के सामने देशी गाय, पुगनुर श्यामा गौ के दर्शन कर भक्त लोग आनंदित हो रहे हैं। कथा स्थल पर भव्य व्यास पीठ कैलाश पर्वत पर शिव दरबार ही लगता है। आज पधारे भक्तों में पूज्य अच्युत रामानुज (अजय स्वामी) अपने ब्रह्मचारी साधकों के साथ पधारे तथा मुख्य यजमान नरेंद्र कुमार गोयल, श्रीमती लीला गोयल, विजेंद्र कुमार गोयल, अरुण कुमार गोयल, पुनीत गोयल, राहुल गोयल, रुद्राक्ष गोयल, नरेंद्र कुमार गोयल, तरुण गोयल, अरुण गोयल, श्रीकृष्ण अग्रवाल, धर्मेंद्र गोयल, अरुण डाकोतिया, सतीश सरायवाला, श्रीकिशन अग्रवाल, ठाकुर जयपाल सिंह नयाल आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

अमेठी फिर बनेगा पॉलिटिकल हॉटस्पॉट: राहुल लड़े तो 41 सीटों पर प्रभाव

2009 में कांग्रेस ने जीती थी 21 सीट इसी आधार पर होगा सीटों का दावा

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एक बार फिर अमेठी उत्तर प्रदेश का पॉलिटिकल हॉटस्पॉट बनने जा रहा है। कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। वायनाड सीट से सांसद राहुल गांधी अगर अमेठी से चुनाव लड़ते हैं, तो क्या कांग्रेस 2009 जैसा चुनाव रिजल्ट दे पाएगी। अब एक नई सियासी हलचल शुरू हो चुकी है।

क्योंकि, 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 21 सीट जीतकर सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था। इसी के आधार पर लोकसभा 2024 चुनाव में सीटों कांग्रेस का दावा होगा।

अब राहुल अमेठी से लड़ते हैं, तो पहला फायदा ये होगा कि उनकी पारिवारिक सीट सुरक्षित हो सकती है। वहीं, यूपी की 41 सीटों पर भी इसका असर पड़ेगा। इनमें पूर्वांचल में 26 और वेस्ट यूपी में 15 सीट आती हैं।

देखा जाए तो ये वोट बैंक बढ़ाने की रणनीति भी हो सकती है। वहीं पॉलिटिकल जानकार इसको एनडीए के खिलाफ इंडिया गठबंधन से छोड़ा गया सियासी तीर मान रहे हैं।

प्रियंका रायबरेली से उतर सकती हैं चुनावी मैदान में यूपी की अमेठी और रायबरेली सीट कांग्रेस परिवार की मानी जाती रहीं। मगर 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को झटका लगा। जब रायबरेली सीट को सोनिया गांधी बचाने में कामयाब रहीं, लेकिन राहुल गांधी अमेठी लोकसभा सीट को बीजेपी की स्मृति ईरानी से हार गए।

अब चर्चा है कि राहुल अमेठी से लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंक सकते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो यूपी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नया जोश देने वाला ऐलान होगा। कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी 2024 लोकसभा लड़ेंगी या नहीं। इस पर संशय है, इसलिए प्रियंका गांधी रायबरेली सीट से पॉलिटिकल करियर शुरू कर सकती हैं।

राहुल के ऐलान से कांग्रेसियों में नई जान फूंकी 'भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए राहुल गांधी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह भर चुके हैं। नतीजा कर्नाटक चुनाव में रिकॉर्ड जीत थी। अब अचानक राहुल के अमेठी सीट पर लड़ने के ऐलान से वैसा ही उत्साह फिर देखा जा रहा है। पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने कहा अमेठी के लोग पहले से ज्यादा उत्साहित हैं।

पूर्व अध्यक्ष अजय लल्लू ने कहा कि बहुत जल्द भारत जोड़ो यात्रा पार्ट-2 शुरू होने वाली है। राहुल गांधी मिशन 2024 के चलते नई जान फूंकेंगे। समय से पहले चुनाव लड़ने के ऐलान को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की उत्तर प्रदेश से कभी दूरी नहीं रही, न आने वाले समय में रहेगी। बीजेपी सरकार की जन विरोधी नीतियों को राहुल गांधी सड़क से लेकर संसद तक उठाते रहे हैं। अमेठी और रायबरेली के साथ कांग्रेस अन्य सीटों पर भी मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। बीते दो दशक की बात करें तो कांग्रेस ने 2009 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। जिसमें कांग्रेस ने 18.25% वोट शेयर के साथ 80 में से 21 सीटें जीती थीं। बीजेपी ने 17.5% वोटों के साथ 10 सीटें जीती थीं, वहीं बीएसपी ने लगभग 27% वोटों के साथ 20 सीटें जीती थीं। सपा ने लगभग 23% वोट शेयर के साथ 23 सीटें जीती थीं। सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कुशीनगर, चंदौली सीट कांग्रेस के पाले में थीं। अब कांग्रेस की तरफ इन सीटों को दोबारा जीतने का दावा करने वालों की कमी नहीं है। वह सपा के साथ समझौते में साल 2009 में पार्टी के प्रदर्शन के आधार पर सीटें मांगेंगे। किसान आंदोलन और आरएलडी के साथ चुनाव लड़ने के प्रयास में जुटी कांग्रेस पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद, शामली, सहारनपुर, बागपत और फर्रुखाबाद जैसे लोकसभा सीटों पर अपनी दावेदारी मजबूत कर रही हैं।

अमेठी, रायबरेली, फूलपुर, मिर्जापुर, प्रतापगढ, बाराबंकी, इलाहाबाद, डुमरियागंज, कुशीनगर, गोरखपुर, देवरिया, बांसगांव, फैजाबाद, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, महाराजगंज, अंबेडकरनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, आजमगढ़, घोषी, सलेमपुर, बलिया, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही सीटें शामिल हैं।

80 लोकसभा सीटों पर चल रहा सर्वे

2024 के मिशन में जुटी कांग्रेस खासकर उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीट में से उन सीटों का एक सर्वे करवा रही है। जिन सीटों को वह 2024 के चुनावों में जीत सकती है। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की पांच सदस्य टीम बनाई गई है। प्रियंका गांधी इस पूरी टीम की रिपोर्ट पर आने वाले 2024 के चुनाव की तैयारियों समीक्षा करेंगी।

कांग्रेस के सूत्रों की माने तो 2024 को लेकर कौन सी ऐसी 20 से 30 सीटें हैं। जहां पर कांग्रेस चुनाव जीत सकती है। कांग्रेस इंडिया के गठबंधन को बचाते हुए उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से खुद को मजबूत करने के लिए या सर्वे भी करवा रही है।

सपा और आरएलडी के अलावा कांग्रेस कौन सी सीटों पर चुनाव लड़े जिससे गठबंधन पर कोई प्रभाव बिना पड़े और वह अपने उम्मीदवार को जीता सके।

अब कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन को भी समझिए... 2012 के विधानसभा चुनावों की बात करें तो कांग्रेस 28 सीटों के साथ 11.65% वोट शेयर हासिल हुआ था, जबकि उसके गठबंधन सहयोगी आरएलडी ने 9 सीटें जीतीं। एसपी ने 224 सीटों और 29% वोटों के साथ सरकार बनाई, वहीं बीएसपी को 80 सीटें और लगभग 26% वोट शेयर हासिल हुआ था, जबकि बीजेपी को 47 सीटों पर संतोष करना पड़ा था।

अयोध्या में सीएम योगी ने रामलला की आरती उतारी

अयोध्या, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर आंदोलन के महानायक महंत रामचंद्र दास परमहंस की आज 20वीं पुण्यतिथि है। सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या के दिगंबर अखाड़ा पहुंचे और महंत को श्रद्धांजलि दी। सबसे पहले योगी श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे। यहां रामलला की आरती उतारी। राम मंदिर निर्माण को देखा।

इसके बाद सीएम दिगंबर अखाड़ा पहुंचे। परमहंस महाराज को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। महंतों की मौजूदगी में भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। उनकी पुण्यतिथि पर अयोध्या के महंतों से दैनिक भास्कर ने बात की। महंतों ने कहा- रामचंद्र दास परमहंस जिधर मुड़ते थे, देश उधर ही देखता था। सीएम योगी आदित्यनाथ राम कथा पार्क स्थित सरयू अतिथि गृह पहुंचे। यहां अयोध्या मंडल के अधिकारियों के साथ सीएम समीक्षा बैठक की। दीपोत्सव से पहले राम नगरी की बेहतर साफ-सफाई के निर्देश दिए। समय के अंदर विकास परियोजनाओं को पूरा करने को कहा। अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह और मेयर गिरीशपति तिवारी भी बैठक में मौजूद रहे।

मनोज पांडेय बोले-राजभर को बोलने से पहले सोचना चाहिए

घोसी चुनाव जनता बनाम दारा सिंह होगा जयंत चौधरी हमारे मजबूत साथी हैं

लखनऊ,19 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के कद्दावर ब्राह्मण चेहरे मनोज पांडेय दैनिक भास्कर अड़ी में आए, तो सवालों की झड़ी लग गई। सपा सरकार में मंत्री और 3 बार विधायक रहे मनोज पांडेय विधानसभा के मुख्य सचेतक हैं। बात चाहे सत्ता पक्ष की हो या विपक्ष की, उन्होंने अपने अनोखे अंदाज में सभी सवालों के जवाब दिए।

कभी सपा में साथी रहे ओपी राजभर के 'सैफई भेज दूंगा' के बयान पर उन्होंने कहा, उन्हें सपने में यही सब आता होगा। घोसी उपचुनाव पर बोले, ये जनता बनाम दारा सिंह होने वाला है। सपा के 80 सीट जीतने के दावे पर जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस कहां होगी? उन्होंने कहा, ₹वो तो हमारे साथ हैं। ये दावा पूरे गठबंधन का है।

मनोज पांडेय ने कहा-मैं समझता हूं कि घोसी की जनता ने दारा सिंह को साइकिल पर चुना। उन्होंने अचानक पद छोड़कर जनता को धोखा दिया।

मनोज पांडेय ने कहा-मैं समझता हूं कि घोसी की जनता ने दारा सिंह को साइकिल पर चुना। उन्होंने अचानक पद छोड़कर जनता को धोखा दिया।

सवाल- घोसी के उपचुनाव में क्या जवाब- दारा सिंह चौहान सपा के चुनाव निशान साइकिल से लड़े। जनता ने उनको 5 साल के लिए जिताकर भेजा। अब ये ठीक है कि दारा सिंह के क्या फायदे या नुकसान थे। जिसके लिए उन्होंने घोसी की जनता को दोबारा चुनाव की तरफ ढकेल दिया। जनता चाहती है कि जिसको हमने 5 साल की नौकरी दी, वो हमारे लिए काम करे। घोसी में जो चुनाव हो रहा है, ये इस विचारधारा के बीच भी होगा कि ये किसी दल के साथ धोखा है। जनता ठगी हुई महसूस कर रही है। यह चुनाव जनता बनाम दारा सिंह होने जा रहा है।

सवाल- राजभर कह रहे हैं कि मैं सपा को वापस सैफई नहीं भेज दूं तो अपने मां-बाप की संतान नहीं?

जवाब- ओम प्रकाश राजभर को सुनकर मैं कन्फ्यूज हो जाता हूं। कभी-कभी वह खुद भी कन्फ्यूज से लगते हैं। भाजपा गठबंधन में राज्य मंत्री रहे, तब उन्होंने क्या बातें कहीं? जब वह सपा गठबंधन में आए, तब उन्होंने क्या-क्या कहा? कौन-कौन से मुहावरे कहे हैं?

कभी राजनीति में आदमी को इतना आगे नहीं बढ़ना चाहिए कि वो पीछे न पलट सके। मैं राजनीति में उनसे सीनियर हूं, संसदीय ज्ञान में भी और विधायिका में भी। उन्हें सोचना चाहिए कि कब और क्या कह रहे हैं।

सवाल- स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान खासतौर से एक वर्ग को लेकर होते हैं। इस पर क्या कहेंगे?

जवाब- नहीं, आप लड़ाई कराना चाहते हैं। हम लोग मैदान के वो कार्यकर्ता हैं कि पार्टी ने जहां लड़ने के लिए कहा, वहां अच्छा परफॉर्मेंस दिया। जहां तक बयानों का सवाल है, भारत का संविधान किसी को इजाजत नहीं देता कि किसी के धर्म में कोई हस्तक्षेप करे। मेरा व्यक्तिगत रूप से भी यही मानना है। कानूनी रूप से किसी दूसरे व्यक्ति को अपमानित करने का अधिकार नहीं है।

सवाल- राजभर और दारा सिंह गठबंधन से दूर जा चुके हैं। अगला नाम जयंत चौधरी का चल रहा है?

जवाब- देखिए, पूरब में एक कहावत है कि कहे-कहे शादी हो जाती है, कहे-कहे बारात हो जाती है और कहे-कहे तलाक हो जाता है। जयंत चौधरी गठबंधन के मजबूत साथी हैं। एक ऐसी विचारधारा से वो आते हैं, जिससे अन्नदाताओं की लड़ाई लड़ी गई।

शक में प्रेमी ने की मेकअप आर्टिस्ट की हत्या

मैं राजा भैया का करीबी...कहकर रौब जमाता था रिषभ, जॉब ढूंढने आया था, लिव-इन में रहने लगा

लखनऊ,19 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में मेकअप आर्टिस्ट रिया गुप्ता की हत्या की वजह शक का कीड़ा है। रिया खुले विचारों की लड़की थी और जिंदगी अपने हिसाब से जी रही थी। पहले रिषभ को भी रिया की यही लाइफस्टाइल पसंद थी। दोनों लिव-इन में रहने लगे थे। यही नहीं, उसे लगता था कि रिया किसी और को डेट कर रही है। इसलिए रिषभ उसकी लाइफस्टाइल पर कंट्रोल करना चाहता था। उसको बाहर निकलने की मना करने लगा। दोस्तों से बात करने की मना करता था। रिषभ के दिमाग में शक इस कदर बैठ गया कि उसने रिया के दिल और दिमाग में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी।

रिषभ प्रतापगढ़ का रहने वाला है। वह अपने दोस्तों से कहता था कि मैं राजा भइया का करीबी हूं। रिया को भी वह बार-बार यही कहकर डराता था। उस पर रौब झाड़ता था। उस पर बंदिशें लगाता था। रिया जब शादी की कहती थी तो वह शादी के लिए तैयार नहीं होता था। लिव-इन में रहने और शादी न करने के बारे में जब पुलिस ने रिषभ से सवाल किया तो उसने जवाब दिया, ₹वह दूसरे लड़कों के साथ घूम रही थी।"

सबसे पहले पूरे मामले पर एक नजर...

पूरी वारदात सुशांत गोल्फ सिटी के पैराडाइज क्रिस्टल अपार्टमेंट में हुई। यहां फ्लैट नंबर-203 में रिया और ऋषभ लिव-इन में रहते थे। गुरुवार दोपहर दोनों के बीच इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड करने को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। पहले मारपीट हुई। इसके बाद ऋषभ ने रिया को गोली मार दी। फिर घर का दरवाजा बंद कर अपार्टमेंट के आस-पास ही घूमता रहा।

इधर, परिजन बेटी को फोन कर रहे थे, लेकिन जब काफी देर तक फोन रिसीव नहीं हुआ, तो वह फ्लैट पहुंचे। दरवाजा खोलकर अंदर आए तो बेटी की लाश पड़ी थी। इसके बाद पुलिस पहुंची। क्योंकि, ऋषभ फ्लैट से गायब था। इसलिए सीधा शक उसी पर गया। पुलिस ने थोड़ी देर में ही उसे पकड़ लिया।

80 की स्पीड में बस ने ऑटो को उड़ाया, 4 की मौत

पूर्णिया में हादसे के बाद ऑटो का अगला हिस्सा बस में फंस गया; 7 घायल

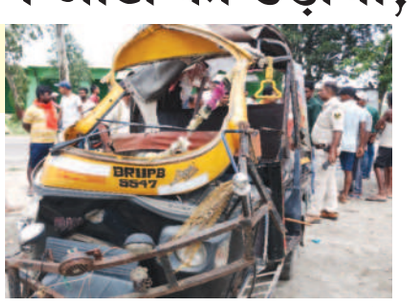

पूर्णिया, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्णिया में यात्रियों से भरी ऑटो को तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है। 7 घायल हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा नगर थाना क्षेत्र के इथेनॉल फैक्ट्री के पास शनिवार की सुबह हुआ। सभी धमदाहा थाना के बिशनपुर पंचायत के सुंथिया गांव के रहने वाले हैं। जमीनी विवाद को लेकर सुनवाई के लिए सभी सिविल कोर्ट पूर्णिया जा रहे थे।

लोगों ने बताया कि बस तेज रफ्तार से आ रही थी। बस की स्पीड 70 से 80 की रही होगी। ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर पाया और ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ऑटो का अगला हिस्सा बस में फंस गया। जिसे बहुत मुश्किल से निकाला गया।

हादसा इतना जबरदस्त था कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद से मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुटी है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही के.नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। घटना के संबंध में स्थानीय चंदन किशोर चौधरी ने बताया कि बस पूर्णिया से धमदाहा की ओर जा रही थी। जबकि पैसेंजर्स से भरा ऑटो धमदाहा के बिशुनपुर से पूर्णिया आ रहा था। तभी तेज रफ्तार बस ने सामने से ऑटो में टक्कर मार दी।

घर में घुसकर दंपती को मारी गोली

जमुई में पुरानी रंजिश को लेकर हमला, दहशत फैलाने के लिए 6 राउंड हवाई फायरिंग, पति-पत्नी पटना रेफर

जमुई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। खैरा थाना क्षेत्र की धोवघट गांव में शुक्रवार की देर शाम पुरानी रंजीश में दबंगों ने घर में घुसकर पति-पत्नी को गोली मार दी। जिन्हें सदर अस्पताल लाया गया। जहां से पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। घायल की पहचान धोवघट निवासी उमेश सिंह के 38 वर्षीय पुत्र विशाल सिंह और उनकी 30 वर्षीय पत्नी नीलम देवी के रूप में की गई है। घायल विशाल के विक्षिप्त भाई पर पड़ोस के कुनकुन सिंह के 8 वर्षीय बेटे की कुदाल से मारकर हत्या का आरोप है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच सालों से तनाव बना हुआ था। वहीं, शुक्रवार की देर शाम 8 बजे के करीब विशाल सिंह अपनी मोबाइल दुकान बंद कर गिद्धौर से घर धोवघट आए और छत पर पत्नी के साथ खाना खा रहे थे।

पत्रकार मर्डर केस में 4 संदिग्ध गिरफ्तार पिता ने आठ पर लगाया आरोप

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अररिया में पत्रकार विमल यादव की हत्या मामले में पुलिस ने 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही इन चारों की निशानदेही के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पत्रकार विमल यादव के पिता ने इस मामले में 8 लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज करवाई थी। पूर्णिया प्रमंडल के IG सुरेश चौधरी ने कहा कि इसमें मामले में स्पेशल टीम का गठन किया गया है। 4 अलग-अलग टीम इस मामले में शामिल सभी आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। अररिया पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में कहा कि हत्या से पता चलता है कि ₹पत्रकार विमल यादव की उसके पड़ोसियों के साथ पुरानी दुश्मनी थी। आशंका है कि इसी मामले को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है। परिजनों का कहना है कि सुपौल जेल में बंद रूपेश ने ही हत्या की साजिश रची थी। उसने जेल से ही हत्या की सुपारी दी थी। इधर, पत्रकार विमल यादव के परिजनों का कहा कि 4 साल पहले यानी अप्रैल 2019 में विमल यादव के छोटे भाई गब्बू यादव की हत्या कर दी गई थी। उस वक्त गब्बू यादव बेलसरा पंचायत के सरपंच थे। विमल अपने भाई की हत्याकांड के मुख्य गवाह थे।

भोजपुर में अपराधी ने मोबाइल दुकानदार को मारी गोली

बार-बार फोन खराब हो जाने से था आक्रोशित घर पर चढ़कर मारी गोली; हालत गंभीर

आरा(भोजपुर),19 अगस्त (एजेंसियां)। भोजपुर में शुक्रवार देर शाम हथियारबंद अपराधियों ने दरवाजे पर बैठे एक मोबाइल दुकानदार को गोली मार दी। जख्मी दुकानदार को गोली बाएं हाथ पर लगी है। मोबाइल बनाने के बाद खराब हो जाने के विवाद के विवाद में अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। मामला जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के चकिया गांव का है।

गोली लगते ही स्थानीय थाना एवं परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जख्मी दुकानदार सिकरहटा थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी स्व.सुरुष शर्मा का 30 वर्षीय पुत्र विनय शर्मा है। वह पेशे से मोबाइल दुकानदार है एवं स्थानीय थाना क्षेत्र के फतेहपुर बाजार पर मोबाइल दुकान चलाता है।

इधर,जख्मी दुकानदार की भाभी आरती देवी ने बताया कि वह देर शाम को अपना दुकान बंद कर वापस घर लौटे। इसके बाद स्नान कर वह दालान के दरवाजे पर बैठा हुआ था। तभी दो हथियारबंद अपराधी आए और उसे गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए वहां से भाग निकले।

गोली की आवाज सुनकर परिजन घर से बाहर निकले और उन्होंने देखा कि वह खून से लटपट जख्मी हालत में दरवाजे पर गिर पड़ा है। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।

वही इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक डॉ.विकास सिंह ने बताया कि जख्मी दुकानदार को गोली बाएं साइड सीने में लगी है। गोली लगने के कारण बाएं साइड के सीने की उसकी हड्डी टूट गई है और खून भी काफी बह गया है। ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है और उसके डैमेज पार्ट्स को रिपेयर कर दिया गया है। अभी मरीज की स्थिति टेबल है। हालांकि उसे अभी ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। वहीं दूसरी और जख्मी दुकानदार की भाभी आरती देवी ने अपने देवर के किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार की विवाद एवं दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है। इधर,पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया की चकिया गांव के विनय नामक युवक को मोबाइल बनाने और खराब हो जाने के विवाद के क्रम में पड़ोसी गांव रजमलडीह के दो लड़के गोली चला दिए ।

जिसमें विनय जख्मी हो गया और वो इलाजरत है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम छापेमारी कर रही है ।

अभियुक्त पहचान हो गई है,ये बगल वाले गांव के हैं । जल्द इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

त्रिवेणी संगम में दो युवक डूबे

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पटना में नहाने के क्रम में दो युवक गंगा नदी के तेज बहाव में बह गए। घटना नदी थाना क्षेत्र के त्रिवेणी संगम की है। घटना शनिवार के सुबह की है, जब कंकड़बाग निवासी पांच दोस्त त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान करने गए थे। परिजनों का कहना है कि पांचों दोस्त पहाड़ स्थित भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए गंगाजल लाने गए थे। गंगा नदी में नहाने के क्रम में शांतनु सिंह डूबने लगे। शांतनु सिंह को डूबता देख उन्हें बचाने के लिए उनका मित्र आशुतोष (35) और जयप्रकाश (40) गंगा नदी के तेज बहाव के बीच उतरे। शांतनु सिंह को बचाने के क्रम में आशुतोष कुमार और जयप्रकाश गंगा नदी के तेज बहाव के बीच बहने लगे। उन दोनों को बहता देख घाट पर स्नान कर रहे लोगों की नजर जब उनपर पड़ी तो सभी चीखने चिल्लाने लगे। कुछ लोग उसे बचाने के लिए नदी में कूदे लेकिन इससे पहले कि उन दोनों को बचा पाते, आशुतोष कुमार और जयप्रकाश गंगा नदी के तेज बहाव के बीच बह गए।

दो बहुओं सहित छह महिलाओं से रिटायर्ड कर्मी के रिश्ते

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। सिंचाई विभाग के रिटायर कर्मी लालजी हत्याकांड में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस की जांच में यह पता चला कि हत्या किसी और ने नहीं बल्कि लालजी के बेटे ललन पंडित ने ही की। पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिसिया पूछताछ के दौरान बेटे ने जो वजह बताई वह चौकने वाले हैं। ललन पंडित ने कहा कि मेरी पत्नी, भाभी सहित छह महिलाओ से मेरे पिता का अवैध संबंध था। अगर मैं उसे नहीं मारता हूं तो वह मेरी हत्या करवा देता।

पत्नी को पिता के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया था

इतना ही नहीं ललन पंडित ने यह भी कहा कि मैं अपनी पत्नी को पिता के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था। इसके बाद से दोनों मेरी हत्या की साजिश रच रहे थे। कई बार दोनों मिलकर हत्या की कोशिश कर चुके थे दोनों। तंग आकर पिता की हत्या कर दी। ललन पंडित की यह बातें सुनकर सभी दंग हैं। पिता की हत्या करने के बाद उसके चेहरे कर किसी तरह का सिकन भी नहीं था। उसने कहा कि पिता की मौत का कोई अफसोस नहीं है।

पुलिस नहीं पकड़ती तो पत्नी की भी हत्या कर देता

ललन पंडित ने अपनी पत्नी पर आरोप लगाया कि तीन माह पूर्व भी मेरी पत्नी ने चाय में जहर देकर मुझे मारने की कोशिश की थी। लेकिन, भगवान ने मुझे बचा लिया। इसके बाद मैं सतर्क रहने लगा। इसके बावजूद फिर पिता और पत्नी मेरी हत्या की प्लानिंग कर रहे थे। ओ लोग मेरी हत्या कराते उससे पहले ही मैंने अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया, तीन चार रोज तक पुलिस अगर मुझे नहीं पकड़ती तो अपने पत्नी का भी हत्या इसी तरह कर देता। ललन ने कहा कि अगर पुलिस मुझे नहीं पकड़ती तो मैं अपनी पत्नी की हत्या कर देता। इसके लिए साजिश तैयारी कर ली थी। तीन दिन पहले लालजी की घर में पुत्र ने धारदार हथियार से की थी हत्या

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पिपराखेम पंचायत में बुधवार की रात सो रहे अपने पिता की पुत्र ने धारदार हथियार से काट कर मौत के घाट उतार दिया था। इसमें मृतक की पत्नी महादेवी देवी थाने में आवेदन दे कर अपने सगे पुत्र ललन सहित तीन अज्ञात कर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हालांकि, उसमे हत्या का राज नहीं खोली थी। प्राथमिकी के दो दिन के अंदर ही आरोपी पुत्र को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मेदन सिरिसिया नहर के पास मंदिर गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद हत्या के पीछे का राज खुला है।

पुलिस पर बरसने लगे ईट-पत्थर

अभियुक्त को गिरफ्तार करने पहुंचे पांच पुलिसकर्मी घायल

पटना, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पटना पुलिस पर दानापुर में हमला हुआ है। इसमें 5 पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। इनका इलाज चल रहा है। हालांकि, पुलिस टीम ने फौरन कार्रवाई करते हुए सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें 3 महिलाएं शामिल हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार को दानापुर की पुलिस नया टोला में दो पक्षों के बीच मारपीट के मामले में अभियुक्तों को गिरफ्तार करने पहुंची थी। दो पक्षों के बीच हुए मारपीट के मामले में अभियुक्त शंभू राय, पारस राय और उसके परिवार के सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए शनिवार की सुबह छापेमारी करने नया टोला इलाके में गई थी। इसी क्रम में स्थानीय लोगों ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया गया।

पुलिस टीम पर ईट और पत्थर बरसाने लगे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अभियुक्तों के परिवारजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस टीम पर ईंट और पत्थर बरसाने लगे। इस हमले में महिला पुलिस समेत 5 पुलिस कर्मी घायल हो गए। मौके पर दल बल के साथ पहुंचे थानेदार ने और उनकी टीम ने हमला में शामिल 4 पुरुष समेत 3 महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर थाना लाया गया। न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हरियाणा के 40 शहरों में बारिश का अलर्ट

6 शहरों के लिए चेतावनी; 7 दिनों में सामान्य से 72% कम बरसे बादल

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के 40 शहरों में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। छह शहरों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इनमें हिसार, आदमपुर, नाथूसरी चोपटा, फतेहाबाद, सिरसा, रतिया, शहर शामिल हैं।

वहीं होडल, हथीन, नूंह, पलवल, तावडू, बल्लभगढ़, सोहना, गुरुग्राम, नंगल चौधरी, नारनौल, अटेली, महेंद्रगढ़, कनीना, भद्रा, लोहारु, चरखी दादरी, भिवानी, तोशम, रेवाड़ी, कोसली, मातनहेल, रोहतक, ससवानी, बवानी खेरा, हांसी, नारनौंद, रानिया, फरीदाबाद, मेहम, गोहाना, जुलाना, सफीदों, जींद, कैथल, नरवाना, ससरसा, टोहाना, कलायत, डबवाली, गुहला, में हल्की बारिश की मौसम विभाग ने संभावना जताई है। वैसे जून और जुलाई के मुकाबले अगस्त में काफी कम बारिश हुई हैं। 7 दिनों की बारिश का आंकड़ा देखें तो सामान्य 72% कम बारिश हुई है।

इन जिलों में बारिश के आसार

गोहाना, गनौर, सोनीपत, खरखौदा, रोहतक, सांपला, बेरीखास, बहादुरगढ़ और मेहम को लेकर विभाग ने वॉर्निंग जारी की है। इसके अलावा चरखी दादरी, भिवानी, मातनहेल, झज्जर, फरीदाबाद, समालखा में मध्यम से हल्की बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि बारिश का दौर सूबे में 19 अगस्त से जारी होगा, जो 22 अगस्त तक जारी रहेगा।

7 दिन में महज 9.5 एमएम बारिश

हरियाणा में पिछले सात दिनों में महज 9.5 एमएम ही बारिश हुई है। यह सामान्य (34.3) मिलीमीटर बारिश से 72% कम है। बारिश कम होने से दिन के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। कई जिलों का तापमान 39 डिग्री के पार पहुंच गया है। हालांकि अब फिर से बारिश के आसार बने हुए हैं, ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं।

हवाओं में बदलाव से बने बारिश के आसार

हरियाणा के मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने से 19 अगस्त से हवाओं में बदलाव होने के आसार बने हैं।

पश्चिम से पूर्व की ओर हवा चलने से 22 अगस्त तक कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं, इससे तापमान में गिरावट आएगी।

पालघर में एक डेवलपर पर हमला मामले में पुलिस ने एक और दबोचा

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई इलाके में एक डेवलपर पर दो महीने पहले कुछ लोगों ने हमला किया और उससे जबरन वसूली की मांग की गई थी। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि डेवलपर हमला मामले में एक और व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं अब इस मामले में पकड़े आरोपियों की संख्या तीन हो गई है जबकि मामले का मुख्य आरोपी फरार है। अधिकारी ने आगे बताया कि मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस की अपराध इकाई के अधिकारियों ने गुरुवार को मुंबई के गोरेगांव से गिरीश नायर को गिरफ्तार किया। अपराध इकाई के वरिष्ठ निरीक्षक प्रमोद बदख ने कहा कि इस साल 21 जून को वसई तालुका के जुचंद्रा स्थित डेवलपर के कार्यालय में चार लोग तलवार लेकर घुस आए थे।

वायुसेना ने हैवी ड्रॉप सिस्टम का किया सफल परीक्षण, एडीआरडीई ने डिजाइन और विकसित किया

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा निर्माण में मेक इन इंडिया के तहत देश ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा विकसित पी-7 हैवी ड्रॉप सिस्टम की मदद से अब युद्ध के मैदान में सात टन तक वजनी साजो सामान को पैराशूट के जरिए आसानी से पहुंचाया जा सकता है। भारतीय वायुसेना ने हाल ही में डीआरडीओ की सहयोगी इकाई एरियल डिलिवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीआरडीई) द्वारा डिजाइन और विकसित हैवी ड्रॉप सिस्टम का सफल परीक्षण किया।

क्या होता है हैवी ड्रॉप सिस्टम?

हैवी ड्रॉप सिस्टम का उपयोग सात टन वजन वर्ग के सैन्य भंडार (वाहन/गोला-बारूद/उपकरण) को पैराशूट से नीचे गिराने के लिए किया जाता है। आई ए ल - 7 6 विमान के लिए हैवी ड्रॉप सिस्टम (पी - 7 एचडीएस) में एक प्लेटफॉर्म और विशेष पैराशूट सिस्टम शामिल होता है। पैराशूट सिस्टम एक मल्टी-स्टेज पैराशूट सिस्टम है, जिसमें पांच मुख्य कैनोपी, पांच ब्रेक शूट, दो सहायक शूट, एक एक्सट्रैक्टर पैराशूट शामिल हैं। इसका प्लेटफॉर्म एल्यूमीनियम और स्टील के मिश्रण से बना एक धातु संरचना है। इस सिस्टम को 100 फीसदी स्वदेशी संसाधनों के साथ सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। पी-7 एचडीएस को सेना में शामिल कर लिया गया है। पी-7 हैवी ड्रॉप सिस्टम का निर्माण एलएंडटी कंपनी कर रहा है जबकि इसके लिए पैराशूट का निर्माण ऑर्डनेंस फैक्टरी कर रही है। पैराशूट पर तेल व पानी का कोई असर नहीं होता है और इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल भी किया जा सकता है। डीआरडीओ काफी लंबे समय से इस सिस्टम को बनाने की तैरी कर रहा था। पिछले करीब पांच सालों से हैवी ड्रॉप सिस्टम का परीक्षण जारी है।

'स्मृति ईरानी की जमानत जब्त हो जाएगी, पीएम मोदी गुजरात भाग जाएंगे' : कांग्रेस नेता

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एनडीए और विपक्षी गुट I.N.D.I.A ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट से रोक लगने के बाद उनके चुनाव लड़ने पर चर्चा तेज होने लगी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा था कि राहुल गांधी अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

अब इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा है कि अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते हैं तो स्मृति ईरानी की जमानत भी जब्त हो जाएगी। अल्वी ने यह भी कहा कि स्मृति शायद अमेठी छोड़ दें, लेकिन मेरी भाजपा से गुजारिश है कि उन्हें भागने न दें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ेंगी तो पीएम मोदी वापस गुजरात चले जाएंगे और वाराणसी से वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

अमेठी सीट का सियासी गणित क्या है?

अमेठी लोकसभा सीट उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से एक है। ऐतिहासिक तौर पर यह सीट गांधी-नेहरू परिवार का गढ़ रही है। 1977 में इस सीट से संजय गांधी ने चुनाव लड़ा था तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 1980 में संजय गांधी यहां से जीते। तब से 2019 तक जब भी नेहरू-गांधी परिवार का कोई सदस्य यहां से लड़ा उसे जीत मिली। 2019 में पहली बार इस परिवार का कोई सदस्य इस सीट से हारा।

2019 के लोकसभा चुनाव में क्या हुआ था?

2019 के लोकसभा चुनाव में स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के राहुल गांधी को 55 हजार से अधिक वोट से हराया था। स्मृति को कुल 4,68,514 वोट मिले। वहीं, राहुल गांधी को 4,13,394 वोट मिले। दिलचस्प बात यह है कि 2014 में राहुल गांधी इससे कम वोट पाकर भी जीत दर्ज करने में सफल रहे थे।

तब उन्हें 4,08,651 वोट मिले थे। जबकि, स्मृति ईरानी को 3,00,748 वोट से संतोष करना पड़ा था। ये आंकड़ें बताते हैं कि पांच साल में अमेठी में कांग्रेस वोटर बढ़े, लेकिन उससे कहीं ज्यादा भाजपा ने मतदाताओं को अपने साथ जोड़ा।

उदयन एक्सप्रेस में लगी आग,सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया

बेंगलुरु, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलुरु के क्रांतिवीरा संगोल्ली रायन्ना (केएसआर) ट्रेन स्टेशन पर पहुंचने के करीब दो घंटे बाद शनिवार को उदयन एक्सप्रेस में आग लग गई। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दक्षिण-पश्चिम रेलवे की एक आधिकारिक सूचना में कहा गया है कि ट्रेन सुबह करीब 5.45 बजे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंची थी।

सुबह करीब 7.10 बजे बी1 और बी2 कोच में धुआं निकलने का पता चला और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। अग्निशमन सेवा कर्मियों की ब्रिगेड सुबह 7.35 बजे पहुंची और आग बुझा दी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, दक्षिण-पश्चिम रेलवे ने कहा कि किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। इसमें कहा गया है कि घटना के समय तक सभी यात्री उतर चुके थे और दोनों डिब्बे खाली थे।

देश में 37 करोड़ से ज्यादा लोग करते हैं नशा

इनमें से 16 करोड़ शराब पीने वाले; 20 लाख नाबालिगों को गांजे की लत लगी

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में नशे की महामारी को लेकर गंभीर आंकड़े सामने आए हैं। एक सर्वे से पता चला है कि देश में नशा करने वालों की संख्या 37 करोड़ के पार चली गई है। यह संख्या दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश अमेरिका से अधिक है। इनके साथ ही, नशे करने वालों में शराब पीने वालों की संख्या 16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो रूस की आबादी के बराबर है। ये सर्वे समाज कल्याण एवं सशक्तिकरण मंत्रालय ने एम्स के नेशनल ड्रग्स डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर के जरिए कराया है। मंत्रालय ने ये आंकड़े संसद के साथ साझा किए हैं। सर्वे के मुताबिक, 17 साल से कम उम्र के 20 लाख बच्चे गांजे की लत का शिकार हैं।

लगभग 3 करोड़ लोग शराब के बिना नहीं रह पाते

सर्वे के मुताबिक, शराब पीने वालों में 19 प्रतिशत (लगभग 3 करोड़) ऐसे हैं जो शराब के बिना रह नहीं पाते। 2.26 करोड़ लोग यानी कुल आबादी का 2.1 प्रतिशत अफीम, इसके डोडे, हेरोइन, स्मैक और ब्राउन शुगर जैसी ड्रग्स के शिकंजे में हैं।

372 जिले ड्रग्स के लिए संवेदनशील

नशा मुक्ति अभियान के लिए देश के 272 जिलों को चुना गया था जिन्हें शराब और अन्य प्रकार की ड्रग्स के लिए संवेदनशील माना गया है। बाद में इसमें 100 और जिलों को शामिल कर लिया गया। अब इस अभियान के तहत 3.34 करोड़ युवाओं तक पहुंच बनायी गई है ताकि उनकी नशे की लत छुड़ायी जा सके या इसके चंगुल में पड़ने से बचाया जा सके।

नशा मुक्ति का बजट खर्च ही नहीं हो सका

नशे की महामारी फैलने के बावजूद नशा मुक्ति अभियान के लिए रखा गया बजट खर्च नहीं हो पा रहा है। बजटीय आंकड़ों से पता चला है कि 2020-21 में 260 करोड़ का बजट रखा था। समाज कल्याण विभाग 2021-22 में 90.93 करोड़ और 97.85 करोड़ रुपए ही खर्च कर पाया।

10 से 17 साल के बच्चों में बढ़ रहा नशे का चलन

सरकारी रिपोर्टों के अनुसार 10 से 17 साल की आयु के बच्चों में अफीम, सेडेटिव्ज और इनहेलेंट्रस का चलन बढ़ रहा है। इनमें सबसे अधिक प्रभावित राज्य आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ, गुजरात, हरियाणा, बिहार, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश महाराष्ट्र, एनसीटी दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल हैं।

हिंदू विवाह कानून संशोधन : हरियाणा सरकार नहीं कर रही विचार

खापों ने दी दोबारा आंदोलन की चेतावनी

चंडीगढ़, 19 अगस्त (एजेंसियां)। समान गोत्र और एक ही गांव में शादी पर रोक लगाने के मांग पर खाप पंचायतों व हरियाणा के सरकार के बीच टकराव फिर से बढ़ सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 में संशोधन करना केंद्र का काम है। केंद्र सरकार ही इस पर कोई फैसला ले सकती है। राज्य सरकार के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। खाप पंचायतें लंबे समय से समान गोत्र व एक ही गांव में शादी पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही हैं। खाप पंचायतों का एक समूह जिसका नेतृत्व भारत भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष रमेश दलाल कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि उनकी सरकार के बीच कई स्तर की बातचीत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान हरियाणा सरकार की तरफ से बातचीत मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी ने की थी।

उसके बाद उनकी बातचीत अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश खुल्लर व प्रधान सचिव वी. उमाशंकर से हुई। दलाल ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि कानून में संशोधन के प्रस्ताव को वह विधानसभा में लेकर आएंगे। विधानसभा में पास होने के बाद उसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। दलाल ने कहा कि यदि सरकार अपने वादे से मुकरती है तो हम फिर से आंदोलन करेंगे।

'केरल बर्बादी के कगार पर'

भाजपा नेता केजे अल्फोंस का दावा- राज्य पर सबसे ज्यादा कर्ज

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बेहतर राज्यों में केरल को शामिल किया जाता है लेकिन अब केरल के भाजपा नेता के. जे. अल्फोंस ने दावा किया है कि राज्य की आर्थिक हालत बेहद खराब है और यह बर्बादी के कगार पर है। के. जे. अल्फोंस ने कहा कि 'केरल की आर्थिक स्थिति खराब है। यह आर्थिक रूप से बर्बादी के कगार पर है। पेंशन देने के लिए पैसे नहीं हैं। साल 2019 से 70 हजार पेंशनर्स को अतिरिक्त डीए का भुगतान नहीं हो सका है। केरल पर सबसे ज्यादा कर्ज है। कोई राज्य ऐसे नहीं चल सकता। सरकार लगातार कर्ज ले रही है और यह भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ है।'

बीते पांच सालों में बढ़ा कर्ज

विपक्षी युनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने भी राज्य की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार पर राज्य की आर्थिक हालत खराब करने का आरोप लगाया था। विपक्ष ने सरकार पर भारी कर्ज लेने, फिजूलखर्च और टैक्स कलेक्शन में गड़बड़ी जैसे आरोप भी लगाए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य पर कर्ज बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। इसके चलते प्रति व्यक्ति कर्ज की सीमा भी बढ़कर एक लाख रुपये हो गई है। राज्य की 80 प्रतिशत कर्ज सिर्फ बीते पांच साल में बढ़ा है। केरल विधानसभा में पेश आंकड़ों के अनुसार, राज्य पर 2016-17 में 1,86,453 करोड़ रुपये कर्ज था जो 2021-22 में बढ़कर 3,35,641 हो गया।

राज्य सरकार का कहना है कि बीते साल ही राजस्व घाटा 6,716 करोड़ रुपये हो गया था। राज्य सरकार, केंद्र पर भी ग्रांट में कटौती करने का भी आरोप लगा रही है।

हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 15वें वित्त आयोग के तहत केरल को केंद्र सरकार की तरफ से सबसे ज्यादा आर्थिक मदद मिलेगी। केंद्र सरकार 2020-21 से 2025-26 तक केरल सरकार को 53 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक मदद मिलेगी।

तरनतारन में बाप ने 3 वर्षीय बेटे को मारा

बोला-उसने कहा मैं दिहाड़ी करूंगा, मेरा दिमाग खराब हो गया, रस्सी से गला घोंटा

अमृतसर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन में पिता द्वारा 3 साल के बेटे के कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने 24 घंटे में सुलझा दिया था। हालांकि बेटे का कत्ल क्यों किया, यह बात कोई समझ नहीं पा रहा था। बेटे का कत्ल करने वाले बाप ने कैमरे के सामने आकर अब इसका कारण खुद की गरीबी को बताया है। 3 साल के गुरसेवक को कत्ल करने के बाद बाप अंग्रेज सिंह खुद भी आत्महत्या करना चाहता था। अंग्रेज सिंह ने पुलिस व कैमरे के सामने आकर कहा- मैं दिहाड़ी करता हूं। मेरे पास मुश्किल से 2 किल्ले जमीन है। कुछ दिन पहले मैं घर आया तो बेटे ने पूछ लिया, मैं भी दिहाड़ी करूंगा। इसके बाद मेरा दिमाग खराब हो गया।

मैं अपने बेटे से बहुत प्यार करता हूं। गुड्डी (बच्चे की मां) और मैं बेटे के बिना सांस भी नहीं लेते थे। मेरे दिमाग में यही बात बार-बार आने लगी, मेरा बेटा दिहाड़ी करेगा। पहले मैं आप मरने की भी कोशिश कर रहा था। बाद में बेटे को मार दिया। उसका रस्सी के साथ गला घोंट दिया और फिर सूए (नाले) में फेंक आया। मुझे पता नहीं लगा मेरे से क्या हो गया। रब्ब (भगवान) ने मेरे से क्या करवा दिया, रब्ब की करोपी (कहर) हो गई। अब मैं पछता रहा हूं, मैं ही मर जाता। मेरा जी करता हैं, मैं भी फांसी लगाकर मर जाऊं। रब्बा मुझे माफ करना, मैं बड़ा पापी हूं, मैंने अपना बच्चा मार दिया।

'फडणवीस अहंकारी हो गए हैं', शिवसेना ने 'सामना' में लगाए आरोप तो भाजपा ने दिया जवाब

मुंबई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) का आरोप है कि देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बनने के बाद से अहंकारी और असहिष्णु हो गए हैं। शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) ने ये भी कहा कि पहले फडणवीस सहिष्णु व्यक्ति थे लेकिन उपमुख्यमंत्री बनाए जाने से नाराज होकर वह अहंकारी और असहिष्णु बन गए हैं। वहीं शिवसेना के दावे पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और कहा कि विरोधियों की आलोचना करते समय मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। भाजपा ने इस मुद्दे पर शिकायत दर्ज कराने की भी बात कही है।

क्या है पूरा मामला

शिवेसना (उद्धव) ने अपने मुखपत्र 'सामना' में लिखे एक लेख में फडणवीस को लेकर यह आरोप लगाए हैं। लेख में लिखा गया है कि 'देवेंद्र फडणवीस ने अगर शिवसेना के साथ धोखेबाजी ना की होती तो उनकी सत्ता में वापसी हो जाती। हालांकि उनकी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें किनारे कर दिया और उपमुख्यमंत्री बना दिया...उन्हें अजित पवार के साथ उपमुख्यमंत्री पद साझा करना पड़ रहा है।' 'ये फडणवीस ही थे, जिन्होंने एक बार कहा था कि वह अजित पवार को जेल भेजेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें कड़ी सजा मिले लेकिन अब फडणवीस क्या कर रहे हैं, वह उन्हीं अजित पवार के साथ सत्ता साझा कर रहे हैं।' लेख में अजित पवार का नाम लिए बिना लिखा गया कि जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार और महिलाओं के उत्पीड़न के गंभीर आरोप हैं, वह आज फडणवीस के सहयोगी हैं। बता दें कि सामना के संपादक शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे हैं और कार्यकारी संपादक पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत हैं।

भाजपा ने किया पलटवार

सामना के लेख पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता बावनकुले ने कहा कि 'सत्ता गंवाने के बाद उद्धव ठाकरे की समझ भी चली गई है। नागपुर में मीडिया से बात करते हुए बावनकुले ने कहा कि जब भी उद्धव ठाकरे को किसी की आलोचना करनी होती है तो वह या तो सामना में लेख लिखते हैं या फिर संजय राउत को बयान के लिए आगे कर देते हैं।

ठाकरे कुंठाग्रस्त हैं। वह अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह भी गंवा चुके हैं और उन्हें इस बात का दुख है कि वह सत्ता में वापस नहीं लौट पाएंगे। एनसीपी ने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया है और अब ठाकरे को एहसास हो गया है कि उन्होंने 2019 में फडणवीस की पीठ में छुरा घोंपकर गलत किया।'

72 घंटे में दो इंस्पेक्टरों ने की आत्महत्या

एक अधिकारी के बंधे थे हाथ-पांव; पांच साल में ऐसी 230 घटनाएं

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में 72 घंटे के भीतर दो इंस्पेक्टरों ने आत्महत्या कर ली है। इनमें से एक इंस्पेक्टर की बॉडी पंखे से झूलती हुई मिली तो दूसरे ने अपनी राइफल से खुद को गोली मार ली। असम में सीआरपीएफ की 20 बटालियन के हेडक्वॉर्टर कैम्पस में इंस्पेक्टर चित्तरंजन बारो का शव पंखे से लटका हुआ मिला। उस वक्त इंस्पेक्टर के हाथ और पांव बंधे हुए थे। दोनों ही मामलों की जांच हो रही है। सीआरपीएफ में पिछले पांच वर्ष के दौरान 230 कर्मी आत्महत्या कर चुके हैं। अगर सभी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की बात की जाए तो पांच वर्ष के दौरान 654 जवानों ने आत्महत्या कर ली है।

इंस्पेक्टर के हाथ और पांव बंधे हुए थे

सूत्रों के मुताबिक, पहली घटना 15 अगस्त को हुई थी। इंस्पेक्टर चित्तरंजन बारो (45 वर्ष) मूल रूप के असम के कामरूप जिले के रहने वाले थे। अभी उनकी सेवा को 19 साल पूरे हुए थे। सुबह सात बजे उन्होंने अपना जीवन समाप्त कर लिया। वे रोल कॉल में अनुपस्थित थे। इसके बाद हवलदार जीके भारद्वाज को उनके क्वार्टर पर भेजा गया। क्वार्टर का दरवाजा बंद था। खिड़की से देखा गया तो चित्तरंजन बारो, पंखे से लगे फंदे पर झूल रहे थे। हैरानी की बात है कि इंस्पेक्टर के हाथ और पांव बंधे हुए थे। उनके गले में जो रस्सी थी, उसी से उनके हाथ बंधे हुए थे। पांव, किसी दूसरे कपड़े से बंधे हुए मिले। अधिकारियों को इस घटना से अवगत कराने के बाद चित्तरंजन बारो की पत्नी मोनिका बारो को सूचित किया गया। असम पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है।

अख्तर ने अपनी राइफल से गोली मार ली

सूत्रों का कहना है, कुछ समय से इंस्पेक्टर चित्तरंजन, ड्यूटी को लेकर तनाव में थे। सी 20 बटालियन के साथ अटैच चित्तरंजन 3 जुलाई को बिना सूचना दिए कहीं चले गए थे। इसके बाद वे अपनी पत्नी के साथ पांच जुलाई को वापस लौटे। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्हें सात जुलाई से पांच अगस्त तक छुट्टी दे दी गई। वे दोबारा से सात अगस्त को अपनी पत्नी के साथ बटालियन में लौटे। आठ अगस्त को उनकी पत्नी वापस चली गई। सूत्र बताते हैं कि इंस्पेक्टर चित्तरंजन तनाव में थे। तीन दिन अनुपस्थित रहने के मामले की प्रारंभिक जांच चल रही है। दूसरी घटना 17 अगस्त को छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ कोबरा 210 बटालियन में हुई।

पांच साल में 654 जवानों ने की आत्महत्या

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ, असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में जवानों व अधिकारियों द्वारा आत्महत्या करने के मामले कम नहीं हो पा रहे हैं। गत पांच वर्ष में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 654 जवानों ने आत्महत्या कर ली है। आत्महत्या करने वालों में सीआरपीएफ के 230, बीएसएफ के 174, सीआईएसएफ के 89, एसएसबी के 64, आईटीबीपी के 51, असम राइफल के 43 और एनएसजी के 3 जवान शामिल हैं। बजट सत्र के दौरान गृह मंत्रालय की संसदीय समिति ने अपनी 242 वीं रिपोर्ट में कहा था कि आत्महत्या के केस, बल की 'वर्किंग कंडीशन' पर असर डालते हैं। सेवा नियमों में सुधार की गुंजाइश है। जवानों को प्रोत्साहन दें। रोटेशन पॉलिसी के तहत पोस्टिंग दी जाए। लंबे समय तक कठोर तैनाती न दें। ट्रांसफर पॉलिसी ऐसी बनाई जाए कि जवानों को अपनी पसंद का ड्यूटी स्थल मिल जाए। अगर ऐसे उपाय किए जाते हैं तो नौकरी छोड़कर जाने वालों की संख्या कम हो सकती है।

50155 कर्मियों ने नौकरी को अलविदा कह दिया

अगर पिछले पांच वर्ष की बात करें तो सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ और असम राइफल्स में 50155 कर्मियों ने जॉब को अलविदा कह दिया है। संसदीय स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में यह सिफारिश भी की है कि सीएपीएफ में वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाया जाए। खाली पदों को शीघ्रता से भरा जाए। संसद सत्र में इस विषय को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था, इस बात का प्रयास चल रहा है कि सीएपीएफ कार्मिक अपने परिवारों के साथ यथासंभव प्रतिवर्ष 100 दिन बिता सकें।

निशानेबाज़ी के महायोद्धा : अभिनव बिंद्रा

अतुल कुमार

प्राचीन काल में निशानेबाज़ी राजाओं महाराजाओं के शौक में शामिल थी। वह युग था जब तीर कमानों का इस्तेमाल कर निशाने लगा जंगलों में जानवरों के शिकार किये जाते और उनके शौर्य व निशानेबाज़ी के चर्चे होते , शिकार कथाएं लिखीं जातीं ।कालांतर में यह हुनर खेल का हिस्सा बन उभरा ।इसको ले कई राइफल क्लब स्थापित हुए जिसमें शौकिया निशानेबाज़ अपनी महारत हासिल करने जाते। इसकी बढती लोकप्रियता को देख सन 1896 में ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया ।हमारे देश में इसे बढावा देने के लिये नैशनल राइफल असोसिएशन की स्थापना की गयी । शूटिंग स्पोर्ट के जनक श्री जी वी मावलंकर ने सदैव इस खेल को बढावा दिया । काफी मंहगा होने के बावजूद नौजवान पीढी को आकर्षित किया ।निरंतर नये नये खिलाडी इसकी ओर आकर्षित होते गये ।राइफल का इस्तेमाल करने वाले पहले देश स्विट्ज़लैंड और जर्मनी थे । हमारे यहां इसका जलवा बिखेरने का श्रेय ओलंपिक में गोल्ड मेडल विजेता अभिनव बिंद्रा को है जिन्होंने निशाने बाज़ी के कौशल से स्वर्णिम इतिहास लिखा और इसके लीजेंड बने ।

ओलंपिक में भारत के लिये पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बन ऐसे मुकाम को हासिल किया जो कभी एक सपना होता । सन 2008 में बीजींग ओलंपिक में पुरुषों की एयर राइफल प्रतियोगिता में उनकी जीत ने न केवल भारत को अंतरराष्ट्रीय शूटिंग के शिखर पर खडा किया बल्कि देश को इस खेल में बडी रिकगनीशन मिली जिससे खेल प्रेमी इस ओर रुचि लेने लगे ।बिंद्रा के गौरवशाली कैरीयर में ओलंपिक गोल्ड के अलावा कामन वेल्थ गेम्स ,और एशियन गेम्स के साथ साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप का स्वर्ण और कई पदक शामिल हैं ।इस भारतीय निशाने बाज़ ने महज़ 15 साल की उम्र में निशानेबाज़ी के बडे टूर्नामेंटों में कदम रखा और अपने कौशल से नये नये माइल स्टोंस को हासिल किया ।

दरअसल अभिनव बिंद्रा के ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद ही इसके प्रति क्रेज़ बढा और यंग जेनेरेशन इसमें दिलचस्पी लेने लगी । बिंद्रा की कामयाबी ने निशानेबाज़ी के पूरे सीनेरीयो को बदला लोग इसमें रुचि तो लेने लगे लेकिन अधिक लोग हिस्सा लेने आगे नहीं आये इसकी वजह इसमें लगने वाला खर्च है जिसे वहन करना हर किसी के बूते का नहीं कोई ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर भी इसको ले नहीं दीखता जिससे आम लोग इसे अपना सकें । यद्यपि एन सी सी और सेना में इसका प्रशिक्षण दिया जाता है । इस दिशा में अभिनव बिंद्रा ने अपनी बडी जीत से इस खेल में पसरे सन्नाटे को तोडा और इसके द्वार खोले । अपने दम पर जीत हासिल कर सुनहरा इतिहास लिखा ।

रियो ओलंपिक में 10 मीटर राइफल फाइनल में चौथे स्थान पर रहने के बाद शूटिंग छोड दी थी इसका कारण बताया जाता है कि गंभीर पीठ की चोट ने उन्हें इतना अक्षम किया कि वह एक साल तक राइफल नहीं उठा सके । यह अकेली लडाई थी लेकिन इससे उबरने का रास्ता खोज लिया । असहनीय दर्द को झेला और उससे छुटकारा पाने का रास्ता अपनाया ।अपने से लडना बहुत कठिन होता है फिर भी इससे लडते रहे। सन 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों से कुछ दिन पहले तक अस्पताल में थे । अस्वस्थता से जूझ जूझ कर इन खेलों में गोल्ड मेडल जीता और रियो में चौथे स्थान पर रहे बताया कि इससे सीखा कि ज़िंदगी चुनौतियों से सामना करने की कक्षा भी है जिसके लिये विल पावर (इच्छा शक्ति) की ज़रूरत होती है जीने के लिये जीवन कौशल सीखने की ज़रूरत है क्यों कि एक एथलीट का जीवन सफलता से अधिक असफलताओं के बारे में अधिक है ।

सफलता के कई संगी साथी है लेकिन नाकामी अकेली होती है जिसमें इंप्रूवमेंट के कई पाठ होते हैं जो निखरने का मौका देते हैं । बीमारी से उबर बिंद्रा ने जिस कौशल का दृढ्ता से प्रदर्शन किया उससे दुनिया जीत लोगों के दिलों में जगह बनायी जिसे भुलाना असंभव है ।खेल जगत के प्रमुख जीनीयस खिलाडियों में आज उनकी मान्यता है ।

साधना ,संकल्प और संघर्ष की यह ज़बर्दस्त मिसाल है अपने 22 साल के कैरीयर में 150 से अधिक मेडल जीते ।सवाल है अधिकांश मोटीवेशनल लेक्चर देने वालों को परदेसी लोगों की कहानियां ,किस्से और करिश्मे तो खूब दिखायी देते हैं हमारे अपने इन साहसी लोगों की रियल लाइफ स्टोरीस क्यों नज़र नहीं आतीं ! ऐसे सबजेक्ट्स पर न कहानियां लिखी जातीं हैं और न वीडीयो बनते हैं जिससे युवा पीढी प्रेरित हो । इस पर मंथन होना चाहिये ।

अभिनव बिंद्रा का जन्म 28 सितंबर 1982 को देहरादून में हुआ शुरु से ही शूटिंग के प्रति बेमिसाल समर्पण और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया खेल के प्रति अटूट फोकस और अनुशासन सफलता की सीढियां चढने में मददगार हुआ ।शरीर को खेल के मुताबिक ढालना ,

मानसिक लचीलेपन में सुधार करना और आधुनिक प्रशिक्षण विधियों को अपनाना आदि उनमें शामिल है प्रतिदिन 9 घंटे अभ्यास करते जिनमें दो घंटे खिंचाव और जागिंग के और सात घंटे नियमित शूटिंग की प्रैक्टिस किया करते मेंन स्ट्रीम खेलों को बढावा दिया निशानेबाज़ी के स्तर को प्रोत्साहन दिया ।सन 2009 में खेल जगत में उनके ऐतिहासिक योगदान के लिये पद्मभूषण से सम्मानित किया गया ।18 साल की उम्र में वह राजीव गांधी खेल रत्न पाने वाले सबसे कम उम्र के एथलीट बने । खेल से अधिक युवा जुडें इसके लिये अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन की स्थापना की

सन 2017 में अपने रिटायरमेंट के निर्णय पर बताया कि " मैंने अपना खेल तब छोड दिया जब मुझे लगा कि मेरे पास देने के लिये कुछ और नहीं है और युवा पीढी को कमान सौंपने का समय आ गया है । उनकी खेल प्रतिभा ने खेल के परिदृश्य पर अमिट छाप छोडी ।बिंद्रा की ज़मीन से जुडे रहने ,विनम्र रहने ,और लगातार विकास की तलाश करने की क्षमता ने उनको खेलों की दुनिया में अद्वितीय मिसाल बनाया ।

उनकी गौरव शाली विरासत आने वाली पीढीयों के लिये इंस्पीरेशन का काम करेगी।

लक्ष्य को पाने के लिये सभी को कडे परिश्रम करने की ज़रूरत होती है फिर मंज़िल अपने आप मिलती है इस विचार को बिंद्रा ने साकार किया ।समाज को वापस लौटाने की प्रतिबद्धता उनको अन्य खिलाडियों से अलग पांत में खडा करती है ऐसे कितने लोग हैं जो अपने क्षेत्रों से पाया उसको समाज को लौटाने की सोच और कार्य को करते हैं लेकिन इसे निपुण अभिनव बिंद्रा कर रहे हैं। इसलिये कह सकते हैं वह निशाने बाज़ी के महायोद्धा हैं ।

काव्य कुंज

हरियाली तीज

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

रिमझिम फुहारें,घनघोर घटायें
पत्तियों को चूमती ये मस्त हवायें ,
चहुं ओर पुष्प खुशबू फैलायें
फूलों की डालिया ,शरमा के झुक जाएं,
गौरियां हाथो में मेंहेंदी लगाएं
हाथो में खन खन चूड़ी खनकायें ,
पैरों की पायल ,छम छम बजाएं
सुहागन तो दुल्हन सी सज जाएं,
झूला झूलें ,सखियाँ संग बालाएं,
झूम झूम के प्यारे गीत गाएं,
हरी हरी धरती पे तीज मनाएं,
मीठे घेवर का भोग लगाएं,
झूम झूम कर नाचे और गाएं
मिली खुशियों के पल न गवाएं,
आओ आओ हरियाली तीज मनाएं।
आओ आओ हरियाली तीज मनाएं।।

शिव का सावन

रेणुका अग्रवाल

आया सावन का महीना।
चलो शिवजी आये हैं ना।
कभी धूप कभी बारिश।
बम बम भोले शिव है ना।
आई शिव की सवारी।
पूजा करे नर नारी। बेलपत्र करो अर्पण।
पानी भरो जल धारी।
नहीं कुमकुम चढ़ाना।
न केतकी के फूल, पूजा हो विधि विधान से,
करो ना कोई भूल।
चलो आक धतूरा लेकर, शिवलिंग पे चढ़ाओ।
अबीर गुलाल लेकर, पंचामृत से नहलाओ।
शहद शक्कर गंगाजल हो,
दूध दही लोटा भर भर हो,
घी मिलाओ पंचामृत में,
झुका अपना सर।।

सच कहूँ...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

सच कहूँ तुम्हारी ख़ामोशी
भली सी लगती है
इज़हार है, इनकार इक़रार,
भली सी लगती है
लबों पर थरथराहट
वो पढ़कर भी नहीं पढ़ते
बुझी सी राख में जिंदा
जहाँ चिंगारियां होंगी
घरोंदे घास के जलने से बचकर नहीं बचते
तुझे पाकर भी तुम्हारी नज़रों से बहुत दूर हूँ मैं
सावन के झूले,हसीं स्मृतियां,नशे में चूर हूँ मैं
जियदा चाहता हूँ जिनको,मिलकर नहीं मिलते
बुझी सी राख में जिंदा जहाँ चिंगारियां होंगी
घरोंदे घास के जलने से बचकर भी नहीं बचते
उनके प्यार के ईशारे घंटों मुझे सताते रहे
होगी इस रात की सुबह कभी,आजमाते रहे
अश्कों के..अहसासात छुपकर भी नहीं छुपते
बुझी सी राख में जिंदा जहाँ चिंगारियां होंगी
घरोंदे घास के जलने से बचकर भी नहीं बचते
इक बात तुम्हारे दिल में..,इक बात हमारे में है
वाकिब नदियों की कशिश, क्योंकर बेबस में है
नादां है,मधुमास मोती चुनकर भी नहीं चुनते
बुझी सी राख में जिंदा जहाँ चिंगारियां होंगी
घरोंदे घास के जलने से बचकर भी नहीं बचते।।

मोहब्बत समझ बैठा...।

डॉ डी डी देसाई

दिल सख्त समझ या नरम समझ,
तुझसे जुडा मेरा धरम समझ।
शिद्दत है चाहत तो मिलेगी जरूर,
मेरा करम समझ या भरम समझ।
तूने छुआ भरम, मै इसे करम समझ बैठा।
न आस न प्यास तुझे सब बेगरज,
मैं गरज इसे मोहब्बत समझ बैठा।
हाल समझ या हालात समझ,
बिघड़ी घड़ी या वारदात समझ।
खुदको ही नहीं पहचान पाया मैं,
जान समझ या अंजान समझ।
तूने चुना अंजान मैं इसे जान समझ बैठा।
दिन गुजरा टली रात भी बचा बस ख्वाब,
हक़ीक़त इसे मैं मोहब्बत समझ बैठा।
हार समझ मेरी या जीत समझ,
तुझसे जुडी अनमोल प्रीत समझ।
पलकों मे छिपाए है मैंने ज़माने से,
इश्क समझ मेरा या अश्क समझ।
तूने चुना अश्क मैं इसे इश्क समझ बैठा।
तुझसे मोह बात तुझसे आम की मगर,
मैं खास इसे मोहब्बत समझ बैठा।

तकली और चरखे की टंकार

कुमुद बाला,
हैदराबाद

राजनीति और बदहाली पर अब ,
सिसक रहा है चरखा
धीरे - धीरे सूत कातने में ,
लगा हुआ है चरखा
तीनों बंदर इक वृक्ष पे बैठे ,
देख रहे हैं तमाशा
है छाती खून से लथपथ ,
लेकिन रोक रहे हैं रस्ता
मत दोहराओ उन्नीस सौ बासठ फिर से , रूक जाओ
मानवता बिलख रही है चीन , उसी जगह रूक जाओ
अपनी ताकत दिखा जगत में , क्या हासिल कर पाओगे
सब छोड़ हो ताबूत में कैद , मिट्टी में मिल जाओगे
मूढ़ , ताकतवर तो है ईश्वर , उसको आँख दिखाओगे
कैसे मूरख प्राणी जमीन में , दफ़न तुम हो जाओगे
अब छोड़ो गलवान को , राफेल है आया रूक जाओ
मानवता बिलख रही है चीन , उसी जगह रूक जाओ
पुण्य धरा के सीने पर झूठ के , खंजर से वार करते
पहन के सर पे नेपाली टोपी , पूरे जोकर लगते
अंडरवियर के मास्क बनाकर तुमने , पाक को खूब छला
है नीति छल-कपट की जब,प्रेम की कैसे उम्मीद हो रखते
टुकड़े तुम्हारे कहर उठेंगे , अब वहीं तुम रूक जाओ
मानवता बिलख रही है चीन , उसी जगह रूक जाओ
शांति वार्ता पसंद नहीं लो , चरखा है ललकार रहा
तकली के हर सूत का रेशा , तुमको है धिक्कार रहा
नक्कारी से लोगों के तुम , इस दिल को जीत न पाओगे
आधी धोती और लाठी का , हर टक्कर है टंकार रहा
युद्ध करोगे , हारोगे तुम , जहाँ खड़े हो रूक जाओ
मानवता बिलख रही है चीन , उसी जगह रूक जाओ

मेघ गीत

डॉ टी महादेव राव

बूंदों में समाहित प्रेम तुम्हारा
मेघा अंजुरी भर पा लिया
तृषित कंठों हेतु हे मन
अमृत गागर पा लिया
वियोग शब्द का विस्तार
और अधिक न बढ़ने दो
मन मयूर इच्छा चातक क
अनंत प्रतीक्षा न करने दो
आज तो होने दो संयोग
वियोग संदर्भ निभा लिया
सांगीतिक स्वरों में संभाषण
करते तृण और बूंदिकाएं
पाकर पिया पावस प्यारा
लहलहाती हैं लता लतिकाएं
व्याकुल मन उत्तप्त तन संग
प्रसन्नता कोष ज्यों पा लिया
इतना न बरसो कि पिय को
देखने तरस जाए मन
इतना बरसों के अंकुरित हो
यह पतझार सा जीवन
स्वाति मोतियों से तुमने
सारे नभ को सजा लिया।।

मेहनत

टी तारासिंह
हैदराबाद

पल भर में क्या पढ लिख लेतें
दिन भर में क्या सुनते सुनाते
वही कही सुनी सुनाई कहानियाँ
किस्से है सबके सब बहुत पुराने
गुजरा हुआ कल भूला नहीं देना
सिख लेना उसकी भी करना मर्यादा
अच्छा होता जी लेते अतित में
सपने सब बहारें ए गुलशन दिखते
आंखों में सपने होते तो आंख गुलाबी होते
होठों पे मुस्कान दिल में प्यार होता
सदियों का प्यार पलों में मिल जाता
सपनों में जो देखा वो सच हो जाता तो
तस्वीर में जो देखा वो दिल में उतर जाता तो
मुश्किल नहीं है कुछ भी दुनिया में पाना
बस मेहनत लगन लक्ष हो सच्ची तो
कामयाबी तुम्हारे हमारे कदम चुमेगी ।।

जो पत्थर तेरे पैरों के नीचे आ जायें

संजीव ठाकुर,
रायपुर

जो पत्थर तेरे पैरों के नीचे आ जायें,
वो सचमुच नायाब हीरा बन जाये।
चार दिन जो तेरी सोहबत में आ जाये।
वो सच मुच राधा और मीरा हो जाये।
जो तेरी भक्ति में चरणों में आ जाये,
वो सचमुच बैकुण्ड को पा जाये।।
कई जन्मों से प्यासे है दरस को तेरे
तुझे देख समझो चारों धाम पा जाये।
तेरी भक्ति में लीन जो हो जाये,
वो राधा -कृष्ण में खो जाए।
जो तेरे चरणों की धूल पा जाये,
वो मीरा सी दीवानी हो जाये।
जिस पानी से चरण कमल धुल जाये,
वो नीर समझो अमृत हो जाये।
अपने चरणों धूलि से तर बतर कर दो,
हमारे सातों जनम सफल हो जाये।

शून्य का अस्तित्व

पूजा महेश
(हापुड)हैदराबाद

विद्वानो की एक सभा थी बड़ी
समस्या एक जटिल थी खड़ी
आज बैठे सोचे विचारे
संख्या के अस्तित्व पर
प्रकाश कुछ डाले
एक से नौ तक संख्या हमारी
ताज पहनने की किसकी आज बारी?
एक एक करके सभी आज बोले
अपने वजूद को सभीआज तोले
सभा में अचानक हलचल मच गई
खामोशी वहां सारी भंग हो गई
सभी ने अपनी औकात बतायीं
अंत मे बारी नौ की आयी
उसको अपने पर गुरुर था भारी
शांत हो गई सख्याये सारी
तभी पीछे से आवाज एक आयी
सभी ने अपनी नजरे घुमायीं
शांत पर साहस से शून्य वहां खड़ा था
विश्वास और आत्मबल उसमें बड़ा था
मुंह जब उसने अपना खोला
सर सबके झुक गये जब वह बोला
मेरी अपनी औकात कुछ नहीं है
आपके बिना वजूद भी नही है
पर आगे आ जाऊं तो
शिखर पर पहुंचा दूं
पीछे रहूं तो धरा पर लिटा दूं
ताली की गड़गड़ाहट से
सभा गूंज रहीं थीं
जब ताजपोशी शून्य की हो रही थी।

गुजरा हुआ पल

लवली आनंद,
बिहार

मैं ताउम्र संगमरमर बन रहना चाहूँगी,
लिपट ताज की दीवारों पे
सजी रह कर ता-उम्र चमकना चाहूँगी,
मुझे रेत की दीवार नहीं बनना
जो ज़रा सी आंधियों की खौफ़ से
ता-उम्र भय में न जीना चाहूँगी,
यूँ छुई मुई सी ज़िंदगी में
दो पल ही सही सुकून से
जीना मैं चाहूँगी अब
क्यों कोई आरजू जगे जहन में
क्यों कोई तम्मना उठे जिगर में
किसी के खयालो की सुर्खियां
बन फिर एक दिन उसके भी
जहन से मिटाना तो कभी न चाहूँगी,
आज भी किसी अपनो के
दिए ज़ख्म चुभते है मुझे
अब फिर से उस रास्तों से
मैं तो गुजरना न कभी चाहूँगी।।

राखी

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

मोह ममता के नग़में ग
ाए राखी का त्यौहार।
शुद्ध आचरण के बिम्ब
बनाए राखी का त्यौहार।
सावन की पूर्णिमा
पवित्र संस्कारित वाले दिन।
कुदरत ने जन्नत जैसे,
गोदी में संभाले दिन।
संकल्प का संदेश सुनाए
राखी का त्यौहार।
मोह ममता के नग़मे गाए राखी का त्यौहार।
भाई बहन के प्यार मुहोब्बत के रिश्ते का बंधन।
जैसे अर्चन पूजा वाली थाली में हो चंदन।
दृष्टि परिवर्तन समझाए राखी का त्यौहार।
मोह ममता के नगमें गाए राखी का त्यौहार।
बहने शुभ आशीषें देती युग युग जीए भाई।
सारी दुनियां में फिर गूंजे शोहरत की शहनाई।
तृतीय नेत्र और बढ़ाए राखी का त्यौहार।
मोह ममता के नगमें गाए राखी का त्यौहार।
ऋषि लोक तपस्या करते थे इस दिन की प्रतिष्ठा।
मंजिल पैरों बीच खड़ी हो दिल में हो गर निष्ठा।
कृषि एवं व्यापार बढ़ाए राखी का त्यौहार।
मोह ममता के नगमें गाए राखी का त्यौहार।
जैसे कृष्ण भगवान बचाई द्रौपदी की लाज।
ब्रहमार्पण के भीतर बन कर एक दिव्य आवाज़।
मुश्किल का निष्कर्ष सुलझाए राखी का त्यौहार।
मोह ममता के नगमें गाए राखी का त्यौहार।
भारत मां की निश्लता के सुन्दर गुलशन अन्दर।
बालम जैसे खुश्बू आए पूजा वाले मन्दिर।
प्रबलता के फूल खिलाए राखी का त्यौहार।
मोह ममता के नगमें गाए राखी का त्यौहार।

इतिहास लेखन

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

कभी कोई संबंध नहीं रहा उनका
आजादी की लड़ाई से
किधर को लामबंद थे वे
दर्ज है इतिहास में।
लेकिन होड़ लगी है
राष्ट्रवादी बनने की
तो इतिहास बदलने
के लिए हैं उतारूं वे
इनमें कई ऐसे हैं
जो अपने बाप दादा को
कूदा देते हैं उनकी
कच्ची उम्र में ही
आजादी की लड़ाई में।
सोचने की बात है कि
क्या कोई सात साल में भारत छोड़ो में होगा शामिल?
झूठ का पुलिंदा यह कि
पुलिस की लाठी से सात साल का बालक
हो गया लहूलुहान
वाह रे ज्ञान!
भर देना चाहते हैं ऐसी फर्जी बातों से
अब इतिहास के सारे पन्ने
क्योंकि जिनका कोई इतिहास नहीं होता
वे झूठ को ऐसे परोसते हैं जैसे
इतिहास का यह सच्चा हिस्सा छूट गया हो।
आने वाली पीढ़ी को यह पढ़ाई जायेगी
झूठ की शर्बत पिलाई जाएगी
वंचित होगा युवा अपने असली इतिहास से
जबकि जरूरत थी इतिहास में
वंचितों की कुर्बानी जोड़ने की
लेकिन चल रही है अब कवायत
क्या नहीं है यह साजिश तोड़ने की?

प्यार का शहर

वह शहर जिसके नाम से कभी
धड़क उठता था मेरा दिल
जैसे किसी ने पुकारा हो
धीमे से तुम्हारा नाम और
अवरक्त हो जाते थे मेरे कपोल
पर, आज
बड़ी खामोशियाँ-सी है
मेरे प्यार के शहर में।
गाहे-बगाहे मन गोते खाने लगता है
अतीत की गलियों में
लगता है जैसे कल हीं की बात हो
मेरा तुम्हें दिल से याद करना और
तुम्हारा प्रत्यक्षतः मेरे सामने आ जाना
वो गंगा के किनारे बैठ
घंटों तुमसे गुफ़्तगू करना
हर बेमानी बातों पर यूँ
बेवजह हीं मुस्कुराना
कितना सुहाना लगता था
तेरे संग वक़्त बिताना।
और आज
एक ही शहर में रहते हुए भी
हो गए हैं हम अजनबी
आ गई है हमारे बीच मीलों की दूरियां
सोचती हूँ तुम्हें पुकारूँ
पर आवाज़ जैसे मेरे गले में हीं
रह जाती है घुट कर
चाहती हूँ इस उन्मुक्त गगन में
फिर से तेरे संग विचरु
बीन लाऊं फिर से
वो अपना बेफिक्र अंदाज़ पर,
रिवाज-ओ-रस्म की बेड़ियों में
जकड़ी हुई मैं कुछ सपने और
कुछ ख्वाहिशों को दिल में दफ़न किए
बस, खामोश रह जाती हूँ।

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

जोश

आजादी के जोश को,
कभी कम ना होने देंगे
सीख लिया उन शहीदों से,
बंदिशों को तोड़ देंगे
गरीबी को मिटायेंगे,
भ्रष्टाचार भगाएंगे
दहेज, जाति जैसी कुरीतियों को,
जड़ से उखाड़ देंगे
जज्बा अब ये दिल में है,
हमे भी कुछ कर दिखाना है
मेरा तेरा छोड़कर,
देश को बढ़ाना है
शहीदों की कुर्बानी को,
व्यर्थ ना जाने देंगे
गलत सही को परख कर ही,
अगला कदम बढ़ाएंगे
आजादी पर फक्र होगा,
जब कदम से कदम मिलाएंगे
आओ शपथ ले आज हम,
अहिंसा एवं सहनशीलता अपनाएंगे
मानव कल्याण को सर्वोपरि मानकर,
देश को दुनिया में जगमगाएंगे ।

हेमंत सुराना

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

अफगानिस्तान में सभी 70 पॉलिटिकल पार्टियां बैन

'मुस्लिमों के लिए बना शरिया कानून ही उनके जीवन का आधार होता है। इस कानून में पॉलिटिकल पार्टीज का कोई वजूद नहीं है। इसलिए अफगानिस्तान में राजनीतिक दलों के संचालन के लिए शरिया आधार नहीं हो सकता है।' 16 अगस्त को अफगानिस्तान के मिनिस्टर ऑफ जस्टिस अब्दुल हकीम शरेई ने ये बयान दिया। तालिबान के मुताबिक राजनीतिक दलों की वजह से विभाजन की भावना बढ़ती है, जो किसी देश के विकास के लिए सही नहीं है। 15 अगस्त को अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के 2 साल पूरे हो गए हैं। इसके एक दिन बाद ही तालिबान ने वहां के 70 राजनीतिक दलों को बैन कर दिया है। इस्लामिक कानून शरिया क्या है, इस्लाम में राजनीति को लेकर कब और क्या कहा गया है और बड़े मुस्लिम देशों की राजनीति कैसे चल रही है? कुरान, हदीस, इस्लामिक स्कॉलर्स और समुदाय की आम राय के आधार पर शरिया चलता है। हदीस का संकलन अलग-अलग सूमहों ने किया है। इस्लामिक स्कॉलर्स के नजरिए में भी फर्क हो सकता है, इसलिए किसी देश में शरिया कानून कहीं बेहद सख्त और कहीं कुछ नरम होते हैं। इस्लाम में प्रमुख रूप से चार स्कूल ऑफ थॉट्स होते हैं, जिसे मसलक कहते हैं...। इस्लाम धर्म में राजनीति के जिक्र को लेकर अलग-अलग तरह की बातें कही जाती हैं। 2 अलग-अलग रिसर्च के हवाले से जानते हैं कि इस्लाम में राजनीति का जिक्र कब हुआ...? यूएन के पूर्व अधिकारी एडवर्ड मोर्टिमर की किताब 'फेथ एंड द पावर पॉलिटिक्स ऑफ इस्लाम' में दावाः किताब के पेज 37 में बताया गया है कि मोहम्मद के बनाए या चुने गए उत्तराधिकारियों के समय से ही इस्लाम में राजनीति की शुरुआत हुई है। सुन्नी इस्लाम में खलीफा और शिया

तालिबान बोला- ये शरिया के खिलाफ, क्या इस्लाम में राजनीति करने की मनाही है

इस्लाम में इमाम जैसे दो पद इसके उदाहरण हैं।
डेनमार्क यूनिवर्सिटी के रिसर्च पेपर में जर्मन स्कॉलर फ्रिट्ज स्टेपट का दावाः इस्लाम में राजनीति की शुरुआत 622 ईस्वी में माना जाती है। जब पैगंबर मक्का से मदीना पहुंचे थे। मदीना पहुंचने के बाद पैगंबर ने कई आदिवासी समूहों के बीच हो रही लड़ाई को खत्म कराकर सुलह कराई। मदीना की राजव्यवस्था को नए और संगठित तरीके से शुरू किया। इसमें इस्लामिक देशों के लिए धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था और उसके नए पैमाने तय किए गए। इसका उल्लेख कुरान के सूरा में और 'मदीना के कानून' में किया गया है। ऐसा माना जाता है कि इस्लाम में राजनीति की शुरुआत इसी समय से हुई है। हनफी मसलक के शरिया में राजनीतिक दलों और राजनीति को धर्म के खिलाफ बताने जैसी चीज हमारे रिसर्च में नहीं मिली। हालांकि, तालिबान हनबली मसलक मानते हैं। अब इस्लामी कानून राजनीतिक दलों का विरोध करता है या नहीं, ये जानने के लिए समझते हैं इस्लाम में राजनीति को लेकर क्या कहा गया है? यूके संसद की वेबसाइट पर 'पॉलिटिकल इस्लाम का गवाह' नाम से पब्लिश एक रिसर्च पेपर के मुताबिक राजनीतिक पार्टी और लोकतंत्र के मुद्दे पर इस्लाम विद्वानों के दो तरह के विचार हैं।
पहला- कुछ इस्लामिक स्कॉलर का मानना है कि लोकतंत्र एक अलग धर्म के समान है और इसलिए यह इस्लाम में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। दूसराः कुछ

शरिया का सोर्स

- अरबी में शरिया का मतलब रास्ता होता है। शरिया कोई लिखित नियमों की किताब नहीं है जिसके आधार पर कोर्ट में निर्णय किया जा सके
- ये नैतिक सिद्धांत हैं जो मुस्लिमों को अल्लाह की मर्जी के अनुसार जीने की राह दिखाते हैं। इसमें रोजमर्रा की जिंदगी, पारिवारिक, धार्मिक और पैसे से जुड़े दिशा-निर्देश होते हैं

स्कॉलर का मानना है कि इस्लाम में लोकतंत्र से विरोध नहीं है, जब तक इस्लामिक कानून और इस्लाम धर्म की भावना का उल्लंघन न हो।
शरिया कानून वाले ज्यादातर देशों में पॉलिटिकल सिस्टम तीन तरह से लागू होते हैं।
1. डुअल लीगल सिस्टमः सरकार पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष रहती है, लेकिन मुस्लिमों को अपने पारिवारिक और फाइनेंशियल मामले शरिया अदालतों में ले जाने का सिस्टम होता है। इन देशों में कई राजनीतिक दल होते हैं और सरकार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी जाती है। जैसे- नाइजीरिया, केन्या।
2. अल्लाह के अधीन सरकारः इन देशों का ऑफिशियल धर्म इस्लाम होता है। सभी कानूनों का सोर्स शरिया होता है। इस तरह के ज्यादातर देशों में राजशाही है। सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, यमन और यूएई जैसे देश इसके उदाहरण हैं।
3. पूरी तरह से धर्मनिरपेक्षः मुस्लिम देश होने के बावजूद यहां की सरकार और कानून सेकुलर होते हैं। ऐसे देशों में सरकार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी जाती है। अजरबैजान, तजाकिस्तान, सोमालिया और सेनेगल जैसे देश इसके उदाहरण हैं।
अब शरिया कानून वाले दो बड़े देश जहां राजनीतिक पार्टी और लोकतंत्र हैं... । दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया ने खुद को 1945 में डचों से आजादी की घोषणा कर दी। पूरी तरह से आजादी पाने के लिए उन्हें अगले पांच साल तक संघर्ष करना पड़ा। इंडोनेशियन नेशनल पार्टी ने आजादी की लड़ाई लड़ी। 1927 में सुकार्नो नाम के शख्स ने इस पार्टी की नींव रखी थी। सुकार्नो 1945 में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति बने। आजादी के बाद से ही यहां न्याय व्यवस्था में शरिया कानून लागू हैं। इसके बावजूद यहां करीब 50 राजनीतिक दल हैं जो लोकतांत्रिक तरीके से चुने जाने के बाद सरकार बनाते हैं।
1928 में मिस्र के एक स्कूली शिक्षक हसन अल- बन्ना ने मुस्लिम ब्रदरहुड नाम से एक राजनीतिक पार्टी की स्थापना की थी। इन्होंने बताया था कि उनकी पार्टी का मुख्य मकसद इस्लामी शरिया कानून के जरिए सरकार की स्थापना और दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान करना है। मिस्र से लेकर दुनियाभर में मुस्लिम ब्रदरहुड को न सिर्फ सफल राजनीतिक पार्टी बल्कि एक सफल इस्लामिक ग्रुप के तौर पर भी जाना जाता है। इससे साफ होता है कि मिस्र में शरिया कानून लागू है और वहां राजनीतिक दल भी एक्टिव हैं।
हर देश में शरिया अलग-अलग क्यों है?
इस्लाम में 4 अलग-अलग स्कूल ऑफ थॉट हैं। ये चारों अपने-अपने हिसाब से कुरान और सुन्नतों की अलग-अलग व्याख्या करते हैं। इसी वजह से दुनिया के अलग-अलग देशों में शरिया कानून भी अलग-अलग है। शरिया कानून में भी अलग-अलग नियमों की वजह स्थानीय रीति-रिवाज हैं। इनके आधार पर भी शरिया कानून में सजा और अन्य अपराध तय होते हैं। शरिया में पीनल कोड भी है। यह तभी लागू हो सकता है, जब पूरा सिस्टम ही इस्लामिक हो। इसका एक उदाहरण ईरान है। जिन देशों में लोकतंत्र है, वहां शरिया निजी मामलों में ही लागू होता है, जैसे- भारत में।

नौकरी पेशा इनकम टैक्स का बोझ कब तक उठाएंगे

देश में आयकर की माया ग़ज़ब है। 140 करोड़ के देश में मात्र सवा दो करोड़ लोग टैक्स के रूप में सरकार को कोई रक़म चुका रहे हैं। एसबीआई रिसर्च की ताज़ा रिपोर्ट में कहने को इन्कम टैक्स रिटर्न भरने वाले 7.40 करोड़ लोग हैं, लेकिन इनमें से 5.16 करोड़ लोगों का कोई टैक्स ही नहीं बना। अजीब माया है- 2019-20 में करदाताओं की संख्या 3.57 करोड़ थी। 2022-23 में 1.33 करोड़ करदाता घट गए, लेकिन टैक्स कलेक्शन 3.39 लाख करोड़ से बढ़कर 11.35 करोड़ रु. हो गया!
सीधा- सा मतलब ये है कि अमीर और अमीर होता जा रहा है और गरीब आगे बढ़ नहीं पा रहा है। यही वजह है कि तीन साल पहले ज़्यादा लोग कम टैक्स दे रहे थे और अब कम लोग ज़्यादा टैक्स दे रहे हैं। रिटर्न भरने वाले लोग ज़्यादा होने का कारण यह है कि बैंक लोन और ऐसी ही अन्य सुविधाएँ पाने के लिए वे लोग भी अब रिटर्न भरने लगे हैं जो टैक्स दायरे में नहीं आते। कुछ लोग नई टैक्स प्रणाली के कारण भी टैक्स चुकाने से बच निकले हैं।
ख़ासकर, नई नौकरी पाने वाले। मजाल की बात ये है कि कॉर्पोरेट टैक्स पहले की बजाय कम हो गया है। हो सकता है ये सरकार द्वारा दी गई छूट के कारण हुआ होगा। छूट अगर किसी को नहीं मिल पाती है तो वो है नौकरी पेशा मध्यम वर्ग। उसके बारे में कोई सरकार कभी गंभीरता से नहीं सोचती। एक नौकरी पेशा व्यक्ति ही है जिसके पास ईमानदारी से टैक्स चुकाने के सिवाय कोई रास्ता नहीं है। क्योंकि टैक्स कटकर ही वेतन मिल पाता है। जो मिलता है वो सीधा बैंक में जाता है। वहाँ टीडीएस की मार अलग से पड़ती है। फिर अपना ही पैसा निकालने पर भी टैक्स! सालभर में बीस लाख रुपए से ज़्यादा नक़द पैसा निकाला तो टैक्स की मार पड़ जाती है। बाज़ार में निकलता है तो जीएसटी, पेट्रोल-डीज़ल पर टैक्स, जिस घर में रहता है उस पर प्रॉपर्टी टैक्स, जो पानी पीता है, उस पर भी टैक्स! आख़िर कहाँ जाए?
फुटकर व्यापारी नक़दी के नाम पर टैक्स से बच जाते हैं। थोक व्यापारी उल्टी- सीधी बिल्टी बनाकर अपने हिस्से का टैक्स कम कर लेते हैं। एक नौकरी पेशा ही है जो टैक्स बचाने की बात सोच भी नहीं सकता। ऊपर से ईडी, आईटी वालों का ख़ौफ़! सरकार का भी सिर्फ़ उसी बेचारे पर ज़ोर चलता है। क्योंकि यही एक मात्र प्राणी है जिसका सब कुछ लिया-दिया रिकॉर्ड पर होता है। बाक़ी सब मज़े में हैं। कहीं न कहीं से, किसी न किसी तरह टैक्स बचा ही लेते हैं।
वित्तमंत्री द्वारा भी हर बजट में इस नौकरीपेशा व्यक्ति का ही कण्ठ कसा जाता है। इंक्रीमेंट के लिए हर साल टकटकी लगाए रहने वाले इस प्राणी को इंक्रीमेंट के बाद में पता चलता है कि जितना पैसा बढ़ा था, उसका अधिकांश पैसा टैक्स में चला गया। कैश इन हैंड बढ़ने की बजाय घट गया! इस टैक्स प्रणाली में सुधार होना चाहिए।

चाचा भतीजे से गठबंधन में बेचैनी

शरद पवार को आजकल हर कोई सियासी अजूबा मान रहा है। वे किस पल कौन सी चाल चलेंगे, कोई नहीं जानता। कभी सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस छोड़ अपनी अलग पार्टी राकांपा बनाई थी। बाद में सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के साथ मिलकर ही न केवल महाराष्ट्र में साझा सरकार चलाई बल्कि खुद भी सोनिया गांधी की अगुआई वाले यूपीए की केंद्र सरकार में मंत्री बने। यूपीए में तो रहे ही, अब कांग्रेस की अगुआई वाले नए बने गठबंधन 'इंडिया' में भी शामिल हैं। लेकिन भतीजा अजित पवार भाजपा की अगुआई वाली महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री बने हैं।
हालांकि अभी तक स्पष्ट नहीं है कि राकांपा के कितने विधायक और सांसद अजित पवार के साथ हैं और कितने शरद पवार के साथ। चुनाव आयोग में जरूर चाचा भतीजे एक-दूसरे से उलझे हैं। पर इसे भी सियासत के जानकार दोनों की नूरा कुश्ती ही बता रहे हैं। विवाद और तेज तो पिछले शनिवार को हुआ जब पुणे में एक उद्योगपति के घर पर चाचा भतीजे के बीच गोपनीय मुलाकात हुई। शुरू में एनसीपी के सूबेदार जयंत पाटिल भी मौजूद थे पर कुछ देर रुककर वे चले गए। चाचा भतीजे के बीच क्या खिचड़ी पकी, कोई नहीं जानता। शरद पवार की सफाई कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह ठहरे पर खून का रिश्ता तो रहेगा ही, पर किसी को यकीन नहीं हुआ।
किसी ने कहा कि भाजपा की तरफ से भतीजा चाचा के लिए केंद्रीय मंत्री पद का प्रस्ताव लेकर आया था तो किसी ने कहा कि पवार की बेटी सुप्रिया सुले जल्द मोदी सरकार में मंत्री बनेंगी। नुक्ताचीनी उद्धव ठाकरे की शिवसेना और महाराष्ट्र की कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी की। अटकलें तो यहां तक लगाई जा रही हैं कि महाराष्ट्र विकास अघाड़ी में अब कांग्रेस और उद्धव की शिवसेना ही रहेंगे और दोनों दलों ने सभी 48 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की रणनीति भी बना ली है। हालांकि मराठा छत्रप कहे जाने वाले शरद पवार अभी भी यही सफाई दे रहे हैं कि वे भाजपा के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। कहा तो यह भी जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की गिरफ्त से बचने के लिए अजित पवार अपने समर्थकों सहित भाजपा के साथ गए और इसमें मूक सहमति उनके चाचा की भी होगी।
विपक्षी दलों के नए बने गठबंधन 'इंडिया' में मतभेदों को लेकर खबरें सामने आ रही हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की तरफ से ममता बनर्जी का नाम प्रधानमंत्री के लिए उछाला जाना कांग्रेस और वामदलों को अखरा होगा तो दिल्ली में कांग्रेस की तरफ से सभी सात सीटों की तैयारी की जानकारी से आम आदमी पार्टी नाराज हुई। मतभेद और अनबन राजग के दलों में भी कम नहीं दिख रहे। मसलन बिहार में चाचा-भतीजे दोनों राजग में आ तो जरूर गए पर आपसी मतभेद बरकरार हैं। संदर्भ रामविलास पासवान के भाई और बेटे का है। पार्टी तोड़कर पांच सांसदों के साथ भाई पशुपति कुमार पारस केंद्र सरकार में मंत्री बन गए थे। बेटा चिराग पासवान अकेला ही रह गया। अब दोनों की अदावत हाजीपुर सीट को लेकर है। चिराग चाहते हैं कि हाजीपुर उनके पिता की सीट होने के नाते उन्हें मिले। अभी चिराग जमुई से सांसद हैं। लेकिन पशुपति कुमार पारस ने कह दिया कि पासवान का असली उत्तराधिकारी मैं हूं। किसकी औकात है जो मुझे हाजीपुर से लड़ने से रोक देगा। हाजीपुर से सांसद हूं और हाजीपुर से ही लड़ूंगा। ऐसे तो बारह करोड़ की आबादी वाले बिहार से हर कोई कहेगा कि हाजीपुर से लड़ूंगा पर मैंने 1977 से की है हाजीपुर की सेवा। उत्तर प्रदेश में सुभासपा के नेता ओमप्रकाश राजभर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभी तक नाराज हैं। तभी तो विधानसभा सत्र के पहले दिन डिजिटल कारीडोर के उद्घाटन के लिए पहुंचे राजभर को एक अदद कुर्सी तक मयस्सर नहीं हुई। जबकि कांग्रेस की आराधना मिश्रा तक को सम्मान से बिठाया सरकार के इंतजाम बहादुरों ने। राजभर के छह विधायक हैं और कांग्रेस के सिर्फ दो तो क्या फर्क पड़ता है?
भाजपा आलाकमान ने राजस्थान में नया नेतृत्व उभारने की रणनीति अपनाई है। गुजरात और उत्तराखंड की तर्ज पर। गुजरात में तो तमाम कद्दावर नेताओं के टिकट ही काट दिए थे भाजपा ने। राजस्थान में भाजपा ने अपनी चुनावी तैयारी तेज कर दी है। पर दो बार सूबे की मुख्यमंत्री रह चुकी और पार्टी की राजस्थान के नजरिए से सबसे कद्दावर नेता कही जाने वाली वसुंधरा राजे पटल से नदारद हैं। यह घोषणा तो खैर पार्टी ने पहले ही कर दी थी कि किसी को भी पहले से मुख्यमंत्री पद का चेहरा बताकर तीन महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में नहीं उतरेगी। नेतृत्व सामूहिक होगा और चेहरा होंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व पार्टी अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा। सूबे के प्रभारी महासचिव अरुण सिंह ने चुनाव के नजरिए से दो अहम समितियों का एलान किया तो वसुंधरा का नाम गायब दिखा। चुनाव प्रबंधन समिति की कमान उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया को दे दी तो संकल्प पत्र समिति का मुखिया केंद्रीय मंत्री और दलित नेता अर्जुनराम मेघवाल को बना दिया। कांग्रेसी भी मानते हैं कि अशोक गहलोत को टक्कर राजे ही दे सकती हैं। मगर भाजपा आलाकमान अपनी रणनीति तय कर चुका है।

जोशीमठ के बाद शिमला, तो फिर उसके बाद कौन?

पहाड़ों पर ये कैसी आपदा

कभी जम्मू-कश्मीर तो कभी हिमाचल प्रदेश और कभी उत्तराखण्ड में दैवी आपदाओं की होड़ लगी है। ये आपदाएं प्रकृति की नाराजगी के स्पष्ट संकेत हैं जिन्हें हम पढ़ नहीं पा रहे हैं। यहां तक कि अपने ही वैज्ञानिकों और पार्यवरणविदों की चेतावनियों की अनदेखी की जा रही है, जिसका दुष्परिणाम हम जोशीमठ और शिमला में देख रहे हैं। इससे पहले प्रकृति का रौद्र रूप हम 2013 में केदारनाथ में देख चुके हैं। अमरनाथ में भी 1996 और 2012 में देख चुके हैं। नैनीताल में सन् 1880 में आए भूस्खलन में 151 लोगों के कानग्रस्त होने का इतिहास हम नहीं भूले हैं। अब वहां बनियानाला लोगों को बेचैन कर रहा है। भूस्खलन की जो भयावह तस्वीर शिमला की नजर आई वैसी ही आशंका पहाड़ों की रानी मसूरी में भी नजर आ रही है। सन् 1864 में जब अंग्रेजों ने जाखू पर्वत पर अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाई थी तो उसकी आबादी मात्र कुछ सैकड़ों में थी। आजादी के बाद हुई जनगणना में वहां की आबादी 46,150 दर्ज हुई जो कि हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्य घोषित होने पर 1971 में 56,032 हो गई। अब तक की नवीनतम 2011 की जनगणना में वहां की जनसंख्या 1,69,578 हो गई। सन् 2011 में मात्र 36 वर्ग किमी में फैले शिमला शहर का जनसंख्या घनत्व 4,800 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो चुका था।
शिमला नगर निगम के रिकार्ड के अनुसार इस छोटे से क्षेत्रफल में 32 वार्ड और 46,306 घर हैं। फिलहाल देश में नई जनगणना तो नहीं हुई मगर शिमला की वर्तमान जनसंख्या 2.32 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि एक छोटा सा शिमला इतने अधिक लोगों और उनकी असीमित जरूरतों के बोझ को कब तक ढो सकेगा? आबादी बढ़ने के साथ ही नगर का विस्तार हो रहा है, जिसके लिए हरियाली और खास कर वृक्षों का पातन और उनकी जगह इमारतों के जंगल उग रहे हैं। नतीजतन अत्यधिक बोझ के बारण जमीन मकानों समेत खिसक रही है।
संकट केवल शिमला का नहीं है। हिमालय के लगभग सभी शहरों की स्थिति शिमला जैसी ही है। जोशीमठ हमारे सामने शिमला से भी ज्वलंत उदाहरण बन कर सामने आ गया था। इसरो और रिमोट सेंसिंग ऐजेंसी द्वारा इसी साल फरवरी में भूस्खलन की दृष्टि से भारत के जिन 147 जिलों का एटलस जारी किया है उनमें 108 जिले केवल हिमालयी राज्यों के हैं जिनमें सभी 13 जिले उत्तराखण्ड के तथा हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 जिले हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के भी 8 जिले संवेदनशील जिलों की सूची में इसरो ने शामिल किए हैं। संवेदनशीलता की दृष्टि से शिमला जिला 61 वें नम्बर पर है। जबकि उससे कहीं अधिक संवेदनशील मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर, चम्बा और किन्नोर जिले हैं। जब ये स्थिति हम शिमला की देख रहे हैं तो उसी हिमाचल के बाकी संवेदनशील जिलों पर मंडराते खतरे की कल्पना की जा सकती है।
इसरो और रिमोट सेंसिंग के नवीनतम भूस्खलन संवेदनशीलता एटलस पर गौर करें तो उत्तराखण्ड की स्थिति बेहद चिन्ताजनक नजर आती है। भूस्खलन की दृष्टि से देश के सर्वाधिक संवेदनशील जिलों में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टिहरी जिले हैं, जिन्हें नम्बर एक और दो पर रखा गया है। सन् 1998 में केदारघाटी के मनसूना और गौंडार क्षेत्र में कई गांव खिसक गए थे। उसी साल 18 अगस्त को पिथौरागढ़ के मालपा में हुए भूस्खलन में प्रोतिमा बेदी समेत लगभग 200 मानसरोवर यात्री और अन्य लोग मारे गए थे।
शिमला और जोशीमठ भविष्य के लिए प्रकृति की गंभीर चेतावनी है। इन दो नगरों की ही जैसी बाकी पहाड़ी नगरों की कहानी है। आर्थिक गतिविधियों के कारण पर्यटन, तीर्थाटन के महत्व के छोट से कस्बों में आस पास के गावों की जनसंख्या आकर्षित होने लगी और ये कस्बे धीरे-धीरे नगरों में बदलने लगे। प्रशासनिक दृष्टि से ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालयों में जन सुविधाओं और आर्थिक कारणों से जनसंख्या बढ़ने लगी तो ये छोट कस्बे भी नगर और महानगर बनने लगे। लेकिन इस तेजी से हो रहे नगरीकरण पर शासन-प्रशासन आंखें मूंदता गया और नगरों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान या नगर नियोजन की जरूरत नहीं समझी गई। ये जितने भी पहाड़ी नगर हैं वे पहाड़ से आए भूस्खलनों पर बसे हुए हैं, जिनकी धारक क्षमता सीमित हैं।

नौकरशाहों पर कानून का फंदा

क्या आपको पता है कि केंद्र सरकार के कोयला घोटाले जैसे करप्शन में सख्त एक्शन से नौकरशाही में हड़कंप मचा है। कोयला घोटाले समेत कई मामलों में नौकरशाह जेल तक जा चुके हैं। करप्शन करने वाले बड़े-बड़े आईएएस और आईपीएस अधिकारियों पर भी सरकार का शिकंजा लगातार कस रहा है। जिन राज्यों में भी नौकरशाही में भ्रष्टाचार की जड़ें पसरी हैं, वहां सरकारी एजेंसियां ताबड़तोड़ एक्शन ले रही हैं। संदेश सीधा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, और मामला छोटा हो या बड़ा, भ्रष्टाचारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। भले ही भ्रष्ट नौकरशाहों के खिलाफ सरकार का एक्शन बहुत ज्यादा सुर्खियां न बटोर रहा हो, लेकिन कोशिश हर हाल में देश को खोखला करने वालों से सरकारी तंत्र को मुक्त करने की है। कुछ बड़े मामले देखें। सीबीआई ने कोयला घोटाले की पड़ताल की और दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता समेत तीन नौकरशाहों को तीन साल की सजा सुनाई। सजा पाने वाले दो अन्य नौकरशाह कोयला मंत्रालय के तत्कालीन संयुक्त सचिव केएस क्रोफा और तत्कालीन निदेशक केसी सामरिया भी हैं। तीनों नौकरशाहों पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगा।
अदालत ने अन्य दोषियों, विकास मेटल्स एंड पावर लिमिटेड (वीएमपीएल) के एमडी विकास पाटनी और इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता आनंद मलिक को 4 साल की सजा सुनाई। सीबीआई ने यूपीए-1 और यूपीए -2 के शासनकाल में कोयला ब्लॉक आवंटन के 40 मामलों में आरोपपत्र दायर किया था।
मोदी सरकार को अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी कोयला माफिया के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली थी। 22 मई 2017 को यूपीए सरकार के समय मध्य प्रदेश के थेसागोड़ा-बी रुद्रपुरी कोयला ब्लॉक के आवंटन घोटाले के आरोपियों को सजा मिली।
बीती 22 जुलाई को ईडी ने छत्तीसगढ़ में आईएएस अधिकारी रानू साहू को मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार किया। इस मामले में गिरफ्तार होने वाली रानू साहू राज्य की दूसरी आईएएस अधिकारी हैं। साहू को कथित कोयला लेवी मामले में गिरफ्तार किया गया है।
इसी साल 12 मई को छत्तीसगढ़ के ही एक सीआईएसएफ अधिकारी और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के पूर्व निदेशक (तकनीकी) को सीबीआई ने धर दबोचा। यह घोटाला करीब 1,358 करोड़ रुपयों का बताया जा रहा है। पिछले साल 11 अगस्त को भी ऐसी ही एक कार्रवाई के तहत प्रवर्तन निदेशालय ने कोयला तस्करी के मामले में पश्चिम बंगाल के 8 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया। भारतीय पुलिस सेवा के इन अधिकारियों में ज्ञानवंत सिंह, कोटेश्वर राव, एस. सेल्वामुरुगन, श्याम सिंह, राजीव मिश्रा, सुकेश कुमार जैन और तथागत बासु भी शामिल हैं।
21 फरवरी को 2017 को छत्तीसगढ़ सरकार के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बीएल अग्रवाल को सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

सावन मास की अंतिम गणेश चतुर्थी

इन मंत्रों का जाप

ॐ गं गणपतये सर्व कार्य सिद्धि कुरु कुरु स्वाहा
महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात
गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात
ॐ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा

गणेश चतुर्थी हर मास की चतुर्थी तिथि को मनाई जाती है। शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। श्रावण मास की विनायक चतुर्थी को व्रत रखा जाता है और गणेशजी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से उपासक को विद्या और बुद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और गणेशजी घर को धन धान्य से भर देते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन कई शुभ संयोग

ज्योतिषाचार्य डॉक्टर अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के मुताबिक, इस बार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 19 अगस्त की रात 10:19 बजे से शुरू हो चुकी है और 21 अगस्त की रात 12:21 पर इसका समापन हो जाएगा। रविवार 20 अगस्त 2023 को विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा। यह दिन इसलिए भी विशेष है, क्योंकि इसी तिथि पर 'साध्य' और 'शुभ' अत्यंत शुभ योग का निर्माण भी हो रहा है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग भी बन रहा है । इस वजह से इस दिन व्रत रखने का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

विनायक चतुर्थी का महत्व

सावन की विनायक चतुर्थी के दिन व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। प्रथम पूज्य देवता भगवान गणेश अपने भक्तों का संकट दूर करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हर माह की चतुर्थी तिथि गजानन को समर्पित है। इस दिन व्रत रखने से भगवान लंबोदर सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। भगवान गणेश व्रत रखने वालों को धन-धान्य और बुद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि विनायक चतुर्थी का व्रत रखने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं । साधक को आशीर्वाद देते हैं। इससे पारिवारिक जीवन सुखमय बनता है और संपन्नता आती है। इस व्रत को करने से छात्रों को बल, बुद्धि और विद्या का आशीर्वाद मिलता है। इस व्रत के प्रभाव से जीवन की कई समस्याएं समाप्त हो जाती हैं।

विनायक चतुर्थी का पूजा विधि

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस दिन सुबह जल्दी स्नान करें और व्रत संकल्प लें । उसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा को चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर विराजित करें। फिर भगवान गणेश को रोली, मौली, जनेऊ, चंदन, पंचमेवा, पंचामृत, चालव, फूल, दूर्वा चढ़ाएं। भगवान विघ्नहर्ता गणेश को मोतीचूर के लड्डू, मोदक अर्पित करें। बाद में भगवान गणेशजी के मंत्र का जाप करें और उनकी आरती करें। साथ ही पूजा संपन्न होने के बाद भोग को प्रसाद के रूप में सभी को बांट दें।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं?

सोमवार को नागों की पूजा का पर्व, नाग प्रतिमा पर हल्दी, चावल और फूल चढ़ाकर करें पूजन

सोमवार, 21 अगस्त को सावन के शुक्ल पक्ष की पंचमी (नाग पंचमी) है, ये नाग देव की पूजा का पर्व है। इस दिन शिव जी के साथ ही नाग देव की विशेष पूजा करनी चाहिए। हर साल नाग पंचमी पर उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के ऊपरी तल पर विराजित नागचंद्रेश्वर भगवान का मंदिर खोला जाता है। साल में सिर्फ एक दिन नाग पंचमी पर नागचंद्रेश्वर के दर्शन किए जा सकते हैं।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं। मनीष शर्मा के मुताबिक, सांप एक जहरीला जीव है, फिर भी शिव जी ने नाग देव को अपने गले में धारण किया है। इसका संदेश ये है कि हमें सभी जीवों का सम्मान करना चाहिए। सभी जीवों का सृष्टि के संचालन में योगदान रहता है। सांप भी आहार श्रृंखला का मुख्य जीव है। ये चूहों को खा जाता है। नागों की वजह से ही चूहों की संख्या नियंत्रित रहती है। अगर सांप नहीं होंगे तो चूहे बढ़ जाएंगे। चूहे ज्यादा हो जाएंगे तो हमारा सारा अनाज खा जाएंगे। इस नजरिए से सांप का होना भी हमारे जीवन के लिए जरूरी है।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं?

नाग पंचमी मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है। कथा के मुताबिक, महाभारत युद्ध के बाद पांडवों ने अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित को राजा बना दिया और खुद स्वर्ग की यात्रा पर निकल गए थे। पांडवों के बाद धरती पर कलियुग का आगमन हो गया था। राजा परीक्षित की मृत्यु नाग देव के डंसने से हुई थी। परीक्षित का पुत्र जनमेजय बड़ा हुआ तो उसने अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए पृथ्वी के सभी नागों को मारने के लिए नाग दाह यज्ञ किया। इस यज्ञ में पूरी पृथ्वी के नाग आकर जलने लगे। जब ये बात आस्तिक मुनि को मालूम हुई तो वे तुरंत राजा जनमेजय के पास पहुंचे।

आस्तिक मुनि ने राजा जनमेजय को समाझाया और ये यज्ञ रुकवाया। जिस दिन ये घटना घटी, उस दिन सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी थी। उस दिन आस्तिक मुनि के लिए नागों की रक्षा हो गई। इसके बाद से नाग पंचमी पर्व मनाने की शुरूआत हुई।

यज्ञ की आग को ठंडा करने के लिए आस्तिक मुनि ने उसमें दूध डाल दिया था। इस मान्यता की वजह से नाग पंचमी पर नाग देव को दूध चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई है।

ऐसे कर सकते हैं नाग देव की पूजा

नाग पंचमी पर नाग अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबल, शंखपाल, कालिया, तक्षक का ध्यान करते हुए नाग प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। अगर नागदेव की प्रतिमा न हो तो शिवलिंग पर स्थापित नागदेव की पूजा कर सकते हैं। नागदेव को जल, दूध चढ़ाने के बाद हल्दी, रोली, चावल और फूल चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर पूजा करें। मिठाई का भोग लगाएं। नाग देवता की कथा पढ़ें-सुनें। इस दिन शिव जी की भी पूजा जरूर करें।

नाग पंचमी पर कालसर्प दोष निवारण के लिए करें ये उपाय

सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता की खास पूजा होती है। इस पूजा में नाग देवता को दुध अर्पित किया जाता है। इस विशेष दिन पर महिलाएं अपने भाइयों तथा परिवार की सुरक्षा के लिये नाग देवता से प्रार्थना करती हैं। वही सी मान्यता है कि नागपंचमी के दिन नाग देव की पूजा से जीवन में धन, संपत्ति, सुख का आगमन होता है।

नाग पंचमी के दिन क्या करें क्या नहीं जानें:-

*** नाग पंचमी के दिन भूमि की खुदाई नहीं करनी चाहिए।**
*** नाग पूजा के लिए नाग देवता की मूर्ति या फिर मिट्टी या धातू से बनी मूर्ति की पूजा की जाती है।**
*** दूध, धान, खीर और दूब चढ़ावे के रूप मे अर्पित की जाती है।**
*** सपेरों से किसी नाग को खरीदकर उन्हें मुक्त भी कराया जाता है।**
*** जीवित सर्प को दूध पिलाकर भी नागदेवता को प्रसन्न किया जाता है।**

कालसर्प दोष निवारण के उपाय:-

नाग पंचमी के दिन कुछ लोग काल सर्प दोष निवारण पूजा भी करवाते हैं। नाग पंचमी पर शेष नाग, तक्षक नाग एवं वासुकी नाग की पूजा की जाती है। वासुकी नाग को भगवान भोलेशंकर अपने गले में धारण करते हैं। मान्यता है कि नागों की पूजा करने से भगवान महादेव प्रसन्न होते हैं।

1। राहु तथा केतु स्तोत्र एवं मंत्रों का जाप करें।
2 ।सर्प मंत्र या सर्प गायत्री एवं नाग स्तोत्र का पाठ करें ।
3। मनसा देवी के मन्त्र एवं स्तोत्र का पाठ करें
4। महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
5। प्रदोष व्रत और रुद्राभिषेक करें।

यूपी के किंतूर गांव में है स्वर्ग से टपका पारिजात पेड़

रात में खिले फूल भी झड़ जाते हैं सुबह, क्या है रहस्य

उत्तरप्रदेश के किंतूर गांव में लोग स्वर्ग के पेड़ यानी पारिजात के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कहते हैं कि इस पेड़ को देवराज इंद्र का श्राप मिला है, इसलिए इसके फूल रात में खिलते हैं और सुबह होते ही झड़ जाते हैं।

हमारे मन में अक्सर एक सवाल होता है कि स्वर्ग कैसा होता है। हम कल्पना करते हैं कि यह जगह बहुत ही सुंदर होगी । यहां रहने वाले सभी लोग बहुत खुश रहते हैं और यह जगह पापों से परे हैं। अगर आप वास्तव में स्वर्ग की किसी चीज को देखना चाहते हैं, तो उत्तर प्रदेश चले जाएं। यहां आपको एक ऐसा पेड़ मिलेगा, जिसे स्वर्ग से उठाकर लाया गया था। कहने को भारत में कई तरह के पेड़ हैं, लेकिन इस पेड़ की खासियत आपको भी हैरान कर देगी। तो चलिए जानते हैं कौन सा है ये पेड़ और कौन लेकर आया था इसे।

आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस पेड़ का नाम क्या है। स्वर्ग से धरती पर उतरे इस पेड़ को पारिजात, हरश्रृंगार, शेफाली, प्राजक्ता और शिउली नाम से जाना जाता है। यह फूल पश्चिम बंगाल का राजकीय फूल है। इसके फूल सफेद, छोटे और बहुत सुंदर होते हैं। ये फूल बस रात में खिलते हैं और सुबह अपने आप ही झड़ जाते हैं।

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से करीब 38 किमी दूर पूर्व में किंतूर गांव स्थित है। गांव का नाम पांडवों की मां कुंती के नाम पर रखा गया था। जब धृतराष्ट्र द्वारा पांडव पुत्रों को अज्ञातवास दिया गया, तो वे इसी गांव में रूके थे। पांडवों ने अपनी मां के पूजन के लिए यहां शिव मंदिर बनवाया, जिसे आज कंतुकेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। कहते हैं पांडव अर्जुन खुद इसे स्वर्ग से लेकर आए थे। बताते हैं कि माता कुंती इस पेड़ के फूलों से भगवान शिव का अभिषेक किया करती थीं। यह यूनिसेक्स पुरुष पेड़ है। ऐसा पेड़ भारत में कहीं और देखने को नहीं मिलता। इसके फूल हल्के सफेद रंग के होते हैं, जो धीरे-धीरे रंग बदलते हैं।

एक बात जो कोई नहीं जानता कि इस पेड़ को देवराज इंद्र का श्राप हासिल है। इसलिए यह धरती पर दिन में नहीं बल्कि रात में ही गुलजार होता है। देवताओं से लेकर दानव तक इसे पाने के लिए आतुर रहते थे। देवराज इंद्र ने इस पेड़ को श्राप दिया था कि इसके फूल दिन में कभी नहीं खिलेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी श्राप दिया था कि इस पर कभी फल भी नहीं आएंगे।

इसी श्राप की वजह से पारिजात के फूल रात में ही खिलते हैं।

कैसे हुई पेड़ की उत्पत्ति -

शास्त्र बताते हैं कि जब देव और दानवों के बीच हुए समुद्र मंथन हुआ था, तो 14 रत्न बाहर निकले थे। इनमें से पारिजात का पेड़ भी एक था। स्वर्ग के राजा माने जाने वाले देवराज इंद्र इस पेड़ को अपने साथ स्वर्ग लोक ले गए और वहीं इसे स्थापित कर दिया।

सत्यभामा ने की थी फूल को पाने की जिद्द-

कहा तो यह भी जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण पत्नी सत्यभामा की जिद के बाद इस पेड़ को स्वर्ग से धरती पर लेकर आए थे। सत्यभामा को इस फूल की सुगंध बहुत पसंद थी, वह इसे पाने के लिए इस तरह जिद पर अड़ गई, कि भगवान कृष्ण को बल के जोर पर स्वर्ग से यह पेड़ धरती पर लाना ही पड़ा। उन्होंने इसे सत्यभामा को उपहार के तौर पर दिया। जिसे गुजरात के द्वारका में लगाया था।

रूकमणी ने बालों में लगाया था ये फूल-

श्री कृष्ण लीला में इस बात का भी वर्णन मिलता है कि श्री कृष्ण की पत्नी रुक्मिणी को अपने व्रत का उद्यापन करना था। इसके लिए वह श्रीकृष्ण के साथ रैवतक पर्वत पर पहुंची। उस समय देवऋषि नारद वहां से गुजर रहे थे। उनके हाथ में पारिजात का फूल था, जिसे उन्होंने रुक्मिणी को दे दिया। रुक्मिणी ने इस फूल को अपने बालों में लगा लिया था।

पारिजात का द्वारका से किंतूर तक का सफर-

इसका कारण भी बड़ा दिलचस्प है। जिस पेड़ को श्रीकृष्ण ने द्वारका में स्थापित किया था, उसे पांडु पुत्र अर्जुन किंतूर ले आए। हुआ यूं कि कुंती ने अपने पुत्र अर्जुन से शिवपूजन के दौरान शिवजी पर पारिजात के पुष्प अर्पित करने की इच्छा जाहिर की। उनकी इच्छा को मानते हुए वे द्वारका से पूरा का पूरा पारिजात वृक्ष ही उठा लाए और उसे किंतूर गांव में स्थापित कर दिया। तब से यह पेड़ किंतूर गांव में ही लगा है।

कृष्ण की निशानी है ये पेड़-

इस स्वर्ग के पेड़ के दर्शन करने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। हालांकि, इसके संरक्षण को लेकर काम चल रहा है। यह धरती पर कान्हा की आखिरी निशानी है, जिसे देखना अपने आप में अद्भुत है।

'डॉन 3' से कटा कियारा आडवाणी का पत्ता? रणवीर सिंह संग रोमांस फरमाएगी यह हसीना

कृति सेनन

'डॉन 3' की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस का बज हाई है। वहीं, जबसे पता चला है कि रणवीर सिंह इस मूवी में लीड रोल में नजर आएंगे, तबसे नेटिजन्स के बीच खलबली मची हुई है। जहां एक वर्ग इस मल्टी टैलेंटेड स्टार को 'डॉन' के रूप में देखने के लिए उत्साहित है। तो वहीं, दूसरा वर्ग इस संदेह में है कि क्या एक्टर, अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की इस विरासत को आगे ले जा पाएंगे। वहीं, बीते दिन 'डॉन 3' को लेकर जानकारी आई कि इसमें एक्ट्रेस कियारा आडवाणी लीड रोल में होंगी, लेकिन अब इस पर आया नया अपडेट कियारा के फैंस का दिल तोड़ सकता है।

'डॉन 3' से जुड़ा कृति सेनन का नाम

'डॉन 3' को लेकर आए नए अपडेट में यह दावा किया गया है कि कियारा आडवाणी इस मूवी में नहीं होंगी। अब सवाल उठता है कि कियारा नहीं तो कौन सी एक्ट्रेस इस बिग बजट फिल्म का हिस्सा बनेगी। तो रिपोर्ट में एक्ट्रेस के नाम को लेकर भी जानकारी दी गई है। खबरों के अनुसार, 'डॉन 3' में रणवीर सिंह के अपोजिट एक्ट्रेस कृति सेनन होंगी। कथित तौर पर, फिल्म के मेकर्स ने लीड रोल निभाने के लिए कृति सेनन से संपर्क किया है।

रणवीर सिंह संग जमेगी कृति सेनन की जोड़ी!

रिपोर्ट के अनुसार, कृति सेनन को फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपनी कार की ओर जाने से पहले पैपराजी के कैमरों के लिए पोज भी दिए। इसी के बाद से कयास लगाया जा रहा है कि 'डॉन 3' में कियारा आडवाणी के बजाए कृति सेनन लीड रोल में होंगी। जानकारी के सामने आते ही नेटिजन्स इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक यूजर ने 'डॉन 3' से कृति सेनन के जुड़ने की अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए लिखा है, 'ऐसा लग रहा है कि लड़कियां इस भूमिका के लिए पैरवी कर रही हैं।' दूसरे ने लिखा है, 'कियारा और कृति दोनों फिल्म में हो सकती हैं, आखिरकार यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है।' वहीं एक अन्य लिखते हैं, 'एक्शन सीन के लिए कृति, कियारा से बेहतर होंगी।' बताते चलें कि 'डॉन 3' पर जनवरी 2025 में काम शुरू होगा, और उसी साल इसे रिलीज करने की भी योजना बनाई जा रही है।

कटरीना कैफ ने 'मेड इन हेवन 2' को बताया मस्ट वॉच

साल 2019 में रिलीज हुई वेब सीरीज 'मेड इन हेवन' ने दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी थी। इस वेब सीरीज के कंटेंट को भी लोगों ने खूब सराहा था। यह सीजन न सिर्फ सुपरहिट रहा था बल्कि इसे एम्मी अवॉर्ड में नॉमिनेशन भी मिल चुका है। तब से फैंस इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे और उनका इंतजार भी सफल हुआ है। इस सीरीज को हर तरफ से प्रशंसा मिल रही है। ऐसे में हाल ही में, कटरीना कैफ ने इस शो की तारीफ करते हुए इसे मस्ट वॉच कह दिया है। 'मेड इन हेवन सीजन 2' का प्रीमियर 10 अगस्त को हुआ और इसे दर्शकों से सकारात्मक समीक्षा मिल रही है। जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा निर्मित यह शो दो वेडिंग प्लानरों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो व्यक्तिगत संघर्षों का सामना करते हुए भव्य शादियों के आयोजन की चुनौतियों से भी निपटते हैं। मेड इन हेवन 2 में शोभिता धूलिपाला, अर्जुन माथुर, जिम सर्भ, कल्कि कोचलिन और अन्य सितारे मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं।

कटरीना ने की शो की तारीफ

एक तरफ तो यह शो लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। वहीं, कटरीना कैफ और जीनत अमान ने भी साझा किया कि उन्होंने शो देखा और उन्हें यह बेहद पसंद आया है। कटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बताया कि उन्हें मेड इन हेवन 2 देखना कितना पसंद है। अभिनेत्री ने लिखा, 'वाह! क्या शो है। पूरे सीरीज के दौरान ऐसा समय याद नहीं आता जब मुझे पूरा सीजन एक ही बार में खत्म करना होता था। सभी किरदार आपको बांधे रखते थे।'

जीनत अमान ने भी की थी सीरीज की तारीफ

इस बीच, जीनत अमान ने भी शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'मेड इन हेवन 2' की टीम को बधाई दी। अभिनेत्री ने लिखा, 'मेड इन हेवन के पूरे कलाकारों और क्रू को दूसरे सीजन के लिए बधाई! मैंने कल रात ही इसे देखना समाप्त किया।'

संजय लीला भंसाली की मुरीद हुईं कंगना रणौत

अभिनेत्री कंगना रणौत अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। पंगा गर्ल आए दिन किसी न किसी पर टिप्पणी करती नजर आती हैं। इस बार उन्होंने मशहूर फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली पर कुछ कहा है। हालांकि, एक्ट्रेस ने भंसाली को लेकर तारीफ की है। कंगना का कहना है कि संजय लीला भंसाली काफी शानदार शख्स हैं, जो बॉलीवुड के दिखावों से दूर रहना पसंद करते हैं।

कंगना रणौत ने हाल ही में कहा, 'बतौर कलाकार मैं संजय लीला भंसाली को बेहद पसंद करती हूं। वह कभी भी अपनी अपार सफलता या और नाम का दिखावा नहीं करते हैं। वह इस समय फिल्म इंडस्ट्री में रहने वाले सबसे सच्चे कलाकार हैं। उनके अलावा सिनेमा से इस कदर प्यार करने वाले कलाकार को मैं नहीं जानती। उनके अंदर जुनून है'।

कंगना रणौत ने भंसाली की तारीफ करते हुए आगे कहा कि, 'वह अपने काम, रचनात्मकता के प्रति बेहद ईमानदारी रखते हैं। वह एक शानदार उदाहरण हैं, इसलिए मैं उन्हें पसंद करती हूं'। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वर्षों से कुछ गाने और किरदार संज लीला भंसाली प्रोडक्शंस से मुझे ऑफर होते रहे हैं, लेकिन कुछ वजहों के चलते मैं उन्हें नहीं कर पाई। कंगना ने आगे बताया, 'आज भी जब मैं उनसे मिलती हूं या मिलने के लिए उनके घर जाती हूं तो वह किसी भगवान की तरह मेरे सामने बैठते हैं और मुस्कुराते हैं। उदारता और विनम्रता उनकी आंखों में नजर आती है।' एक तरफ जहां कंगना रणौत हाल ही में भंसाली की तारीफ करती नजर आईं, वहीं सोमी अली ने कंगना रणौत की प्रशंसा की है। सोमी का कहना है कि कंगना इंडस्ट्री की सच्चाइयों पर बेबाक होकर बोलती हैं, उनकी यह खूब अच्छी लगती है। कंगना के वर्क फ्रंट की बात करें तो जल्द ही वह 'चंद्रमुखी 2' में नजर आएंगी।

अक्षय बिश्नोई को मिली सलमान को टारगेट करने की जिम्मेदारी, लॉरेंस से है खास कनेक्शन

भले ही बिग बॉस ओटीटी खत्म हो गया हो, लेकिन सलमान खान इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह बात तो सभी जानते हैं कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकी दे चुका है। बिश्नोई गैंग ने खुलेआम नेशनल टीवी चैनल पर भी इस बात को कबूल किया है। लेकिन अब दिल्ली पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि लॉरेंस बिश्नोई ने इस काम की जिम्मेदारी गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को दे दी है। विदेश में बैठा अनमोल बिश्नोई लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई है, जिसने इस काम की जिम्मेदारी अपने गुर्गे अक्षय बिश्नोई को दे दी है।

लॉरेंस गैंग अब टर्की मेड जिगाना पिस्टल की बजाय जर्मनी मेड पीएस 30 पिस्टल का इस्तेमाल कर रहा है। खबर है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग इस पिस्टल की डिलीवरी विदेश से करवा रहा है। हथियारों की खरीद अमेरिका में मौजूद पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर और इंटरनेशनल हथियार तस्कर रणजीत डुपला से की जा रही है। अनमोल बिश्नोई के जरिए लॉरेंस बिश्नोई के गैंग में एक नया चेहरा अक्षय बिश्नोई भी जुड़ गया है।

पहले भी सलमान को मिली थी धमकी

बता दें कि हाल ही में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की रिलीज के वक्त भी लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान को एक ईमेल लिखा था। जिसके बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सलमान ही नहीं उनके परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई थी। इस मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़ और रोहित गर्ग के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

तमन्ना भाटिया संग अपने रिश्ते को प्राइवेट रखना चाहते हैं विजय, बोले- असहज महसूस करता हूं जब..

एक्टर विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'कालकूट' को लेकर मीडिया की सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी यह सीरीज ओटीटी प्लेटफार्म जीओ सिनेमा पर रिलीज की गई है। इसके अलावा एक्टर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 में दिखाई दिए थे। उनकी इस सीरीज को काफी पसंद किया गया था। इसके साथ ही विजय अपनी लव लाइफ को लेकर भी काफी चर्चे में हैं।

विजय और तमन्ना को एकसाथ कई बार स्पॉट किया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरें सामने आने लगीं। इसके साथ ही फिल्म सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट को पढ़कर फैंस उनके अफेयर के बारे में बात करने लगे। आखिरकार दोनों ने इस मामले में वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरीज 2' के प्रमोशन के दौरान चुप्पी तोड़ी और अपने रिलेशनशिप पर मोहर लगाई।

एक मीडिया संस्थान के साथ बातचीत के दौरान विजय ने साझा किया कि वह अपने निजी जीवन में फैंस की रुचि में बदलाव के बारे में कैसा महसूस करते हैं और अब कैसे एक्टर इस चीज के आदी बन गए हैं। उन्होंने कहा, "सबसे पहले, यह मेरे लिए खबर है कि हम सबसे लोकप्रिय कपल में से एक हैं। यह बहुत अच्छा है, लेकिन जब यह पहली बार हुआ तो मैं इसका आदी नहीं था। मुझे अकेले घूमने की बहुत आदत थी। हम एक साथ बाहर जाते हैं और इस दौरान लोग हमारे ऊपर अधिक ध्यान देते हैं।"

फैंस से मिल रहे उनकी निजी जीवन में अटेंशन को लेकर भी विजय ने खुलकर बात की एक्टर ने आगे कहा, "लोगों से मिल रहे इस अटेंशन की वजह से मैं काफी असहज महसूस करता हूं, मगर अब मैं इसकी आदत डालने की कोशिश कर रहा हूं।" वर्कफ्रंट की बात करे तो अभिनेता करीना कपूर के साथ 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स', सारा अली खान के साथ होमी अदजानिया की फिल्म 'मर्डर मुबारक' और बहुप्रतीक्षित सीरीज 'मिर्जापुर 3' में नजर आने वाले हैं।

'दलपति 68' में डबल रोल में नजर आएंगे विजय?

तमिल सुपरस्टार विजय अपनी आगामी फिल्म दलपति 68 को लेकर पिछले काफी समय से सुर्खियों में हैं। कुछ महीनों पहले ही इस फिल्म की घोषणा की गई थी, जिसके बाद से ही फैंस में इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस बीच फिल्म पर एक नया अपडेट सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वेंकट प्रभु के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय डबल रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में वह जुड़वा भाइयों का किरदार निभाते हुए नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

इससे पहले, यह जानकारी सामने आई थी कि टीम ने 'दलपति 68' में मुख्य भूमिका के लिए ज्योतिका के नाम पर विचार किया है और अगर ऐसा होता है तो यह 'विजय के साथ अभिनेत्री की तीसरी फिल्म होगी। हालांकि, यह बात गौर करने वाली है कि ज्योतिका ने पहले विजय की 'मर्सल' का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

इस फिल्म का निर्देशन एटली ने किया था, बाद में नित्या मेनन ने इस किरदार को निभाया था। दलपति 68 की बात करें तो फिल्म में युवान शंकर राजा का संगीत सुनने को मिलेगा। दो दशक के बाद वह विजय की किसी फिल्म में संगीत देने जा रहे हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो विजय जल्द ही फिल्म लियो में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है। यह गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म 18 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की रिलीज डेट नजदीक होने की वजह से विजय अपना पूरा ध्यान लियो पर केंद्रित कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के बाद वह नवंबर महीने से थलापति 68 की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

प्रभास की 'राजा डीलक्स' में हुई निधि अग्रवाल की एंट्री, फिल्म निर्माता मारुति ने की पुष्टि

प्रभास पिछले काफी समय से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां कुछ दिनों पहले वह अपनी आखिरी रिलीज हुई फिल्म 'आदिपुरुष' के बुरे प्रदर्शन के कारण चर्चा में थे, वहीं उसके बाद उनकी आगामी फिल्म 'सालारः पार्ट सीजफायर' उन्हें सुर्खियों में ले आई थी। जब से 'सालार' का धमाकेदार टीजर रिलीज हुआ है, तब से किसी न किसी वजह से प्रभास लाइमलाइट में बने रहते हैं। लेकिन आज हम उनकी नई फिल्म 'राजा डीलक्स' के बारे में बात करने वाले हैं। दरअसल, प्रभास की इस अपकमिंग फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री के नाम पर मुहर लग गई है।

प्रभास इन दिनों लगातार फिल्म साइन कर रहे हैं। प्रशांत नील की 'सालारः पार्ट वन सीजफायर' के साथ ही अभिनेता के पास फिल्म 'राजा डीलक्स' भी है, जिसकी मुख्य अभिनेत्री के नाम का खुलासा हो गया है। इस फिल्म में प्रभास के साथ साउथ अभिनेत्री निधि अग्रवाल नजर आएंगी। इस बात की पुष्टि निर्देशक मारुति ने सोशल मीडिया के जरिए की है। 'राजा डीलक्स' के निर्देशक ने निधि अग्रवाल के नाम का एलान अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर किया।

दरअसल, मारुति ने पुष्टि की कि निधि प्रभास के साथ 'राजा डीलक्स' में मुख्य अभिनेत्री होंगी। फिल्म निर्माता मारुति ने ट्विटर पर उन्हें शुभकामनाएं दीं और लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो प्रिय निधि, भविष्य के लिए शुभकामनाएं और जल्द ही सेट पर मिलते हैं।'

दोहरी भूमिका निभाएंगे प्रभास

फिल्म के बारे में लगातार आ रही अफवाहों और लीक की धमकियों के बीच मारुति का ट्वीट फैंस के लिए एक सुखमय संदेश लेकर आया। निर्देशक के शब्दों ने प्रभास की फिल्म में निधि के होने की पुष्टि करते हुए संदेह की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी है।

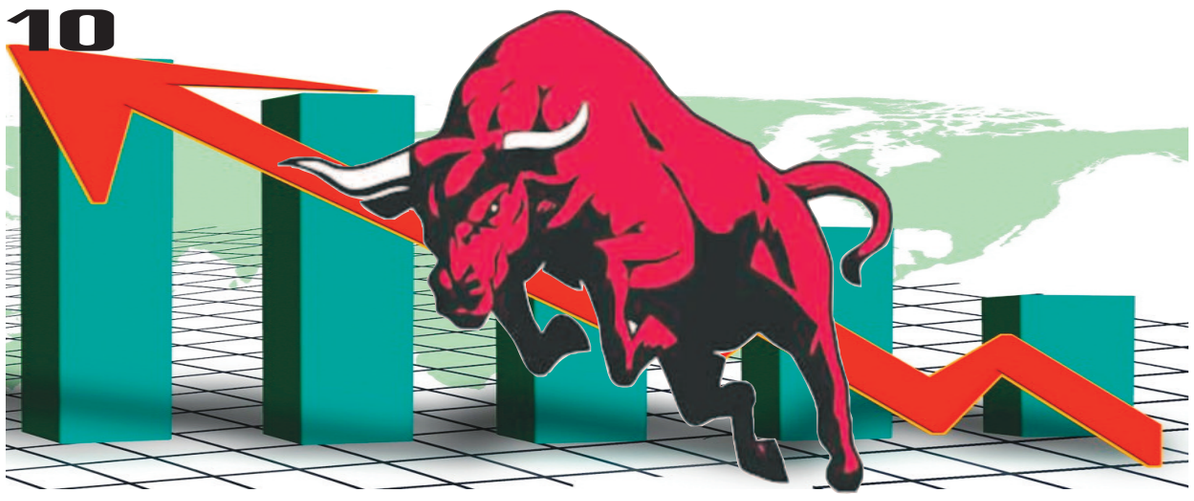

फसल बीमा का 70% क्लेम एमपी-राजस्थान और महाराष्ट्र ने लिया

किसानों को 3 साल में 41 हजार करोड़ रुपए मिले; यहीं सबसे ज्यादा फसलें बर्बाद हुईं

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। देश में मौसम की सबसे ज्यादा मार 3 राज्यों (मप्र, राजस्थान और महाराष्ट्र) पर पड़ रही है। 2019-20 से 2021-22 के बीच इन तीन राज्यों ने कुल 41,824 करोड़ रु. का फसल बीमा क्लेम लिया, जबकि इसी दौरान पूरे देश में 59,429 करोड़ का क्लेम दिया गया, यानी 70% हिस्सेदारी इन्हीं तीन राज्यों की रही।

केंद्र सरकार ने लोकसभा में ये आंकड़े सामने रखे हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरमेंट (सीएसई) का कहना है कि फसलें बर्बाद होने की सबसे बड़ी वजह है- एक्सट्रीम वेदर यानी प्रतिकूल मौसम। इस साल फरवरी महीना देश में 122 साल के इतिहास का सबसे गर्म रहा। एक साल पहले यानी 2022 की जनवरी 122 साल के इतिहास की सबसे ठंडी थी।

एमपी के किसानों ने लिया सबसे ज्यादा क्लेम

क्लेम लेने में मध्य प्रदेश के किसान (16,658 करोड़) पहले, राजस्थान (12,714 करोड़) दूसरे और महाराष्ट्र (12,452 करोड़) तीसरे नंबर पर हैं। 2021-22 में फसल बीमा के लिए सबसे ज्यादा क्लेम महाराष्ट्र (4,374 करोड़ रुपए) के किसानों को दिया गया। मगर 2019-20 में महाराष्ट्र के 1,320 करोड़ रुपए के मुकाबले मध्य प्रदेश को 7,781 करोड़ रु. का क्लेम दिया गया था।

राजस्थान में 2021 में 20 लाख हेक्टेयर फसल खराब हुई

मप्र में नवंबर तक 273 दिनों में 198 दिन प्रतिकूल मौसम रहा। राजस्थान की बात करें तो 2021 में सूखे और बाढ़ दोनों की ही स्थितियां बनीं। इससे 20 लाख हेक्टेयर में खड़ी फसलें खराब हुईं। 2022 में जून-सितंबर के बीच यानी पूरे बारिश के सीजन में महाराष्ट्र में 80 दिन प्रतिकूल मौसम रहा। महाराष्ट्र सरकार का मानना है कि 5 साल में राज्य में 7 हजार करोड़ रु. की 3.6 करोड़ हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो चुकी हैं।

एमपी में कंपनियों ने प्रीमियम से 57% ज्यादा तक क्लेम भरा

मध्यप्रदेश में 2019-20 के दौरान 78.92 लाख किसानों ने 1.12 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र का 32,030 करोड़ रु. का बीमा 3,758 करोड़ रु. के प्रीमियम में कराया। 6,195 करोड़ रु. क्लेम लिया। हालांकि, प्रीमियम के लिए किसानों ने सिर्फ 629 करोड़ दिए, बाकी सरकार ने भरे। 2019-20 में राजस्थान के 85 लाख किसानों ने 967 लाख हेक्टेयर जमीन के लिए 34,909 करोड़ रुपए का बीमा कराया। 5,060 करोड़ रुपए प्रीमियम भरा और 4,993 करोड़ क्लेम लिया। सीएसई की प्रोग्राम डायरेक्टर किरण पांडेय ने बताया कि गेहूं उत्पादन के लिहाज से मध्य भारत के इलाके अहम हैं। कुल गेहूं उत्पादन में मप्र की 21% हिस्सेदारी है। मगर, मध्य भारत में आने वाले क्षेत्र के वातावरण में काफी बदलाव आया है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण जर्नल में भी इस बारे में रिपोर्ट छपी है। यह रिपोर्ट 1950 से 2017 तक के वातावरण का अध्ययन करके तैयार की गई है। इसमें कहा गया है कि यहां का मौसम प्रतिकूल होता जा रहा है। बेमौसम बारिश, बाढ़ जैसी घटनाएं आम हैं। तापमान सामान्य से ज्यादा होता है। इससे फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा।

50 करोड़ जनधन अकाउंट में जमा हैं 2.03 लाख करोड़ रुपये

सरकार ने जारी किया ताजा आंकड़ा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट के 9 साल पूरे हो चुके हैं। साल 2014 में सरकार ने जनधन अकाउंट योजना शुरू की थी। जिसका मकसद गरीबों को को बैंकिंग सेवा से जोड़ना था। 9 साल पूरे होने पर सरकार ने जनधन अकाउंट होल्डर्स का आंकड़ा जारी किया है। सरकार के डाटा के मुताबिक पीएमजेडी होल्डर्स का आंकड़ा 50 करोड़ को पार कर गया है। गौर करने वाली बात है इनमें से 56 परसेंट अकाउंट्स महिलाओं के नाम पर है। वहीं, सरकार ने बताया कि 50 करोड़ के आंकड़े में से लगभग 67 फीसदी अकाउंट्स गांवों और छोटे कस्बों में खोले गए हैं। इन अकाउंट्स में टोटल 2.03 लाख करोड़ रुपये से अमाउंट जमा है, जबकि इन अकाउंट्स से लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड फ्री जारी किए गए हैं।प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट्स में एवरेज अमाउंट 4,076 रुपये है और इनमें से 5.5 करोड़ से ज्यादा अकाउंट होल्डर्स को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर का बेनिफिट हो रहा है।

मिलते हैं कई बेनिफिट

पीएमजेडी अकाउंट होल्डर्स को कई बेनिफिट मिलते है। इस अकाउंट में मिनिमम बैलेंस रखने की आपको जरुरत नहीं है। इसके अलावा मुफ्त रुपे डेबिट कार्ड, 2 लाख रुपये का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस और 10 हजार रुपये तक की ओवरड्रॉफ्ट फैसिलिटी भी इसमें शामिल हैं।

वित्त राज्य मंत्री ने कही ये बात

पिछले साल राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने एक लिखित जवाब में कहा था कि देश में लगभग 47.57 करोड़ जन धन अकाउंट 30 नवंबर तक खोले गए हैं, जिनमें से 38.19 करोड़ चालू हैं, जबकि 10.79 लाख डुप्लीकेट हैं। यानी लाखों की संख्या में खाते गलत तरीके से खोले गए हैं। जिन लोगों ने गलत तरीके से एक से ज्यादा अकाउंट खोला है उनपर कार्रवाई हो सकती है। ऐसे में समय रहते उन एकाउंट्स को बंद करा देना सही होगा।

इंडियन इकोनॉमी के आगे चीन की हालत पस्त

मूडीज ने भी ऐसे जताया भरोसा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे इस समय दुनिया की कई इकोनॉमी पानी भर रही हैं। कोरोना के बाद जहां भारतीय मूडीज ने भारत की 'बीएए3' रेटिंग को बरकरार रखा है। हालांकि साथ ही मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने भारत की अर्थव्यवस्था काफी तेज गति से आगे बढ़ने के बावजूद बीते से 7 से 10 साल में ग्रोथ के नीचे आने और बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर चिंता भी जताई है।

ग्रोथ के साथ कर्ज चिंता का विषय

मूडीज ने अपने बयान में कहा कि भारत की रेटिंग 'बीएए3 पर बरकरार है। साथ ही अर्थव्यवस्था को लेकर रुख भी स्टेबल बना हुआ है। देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे इनकम लेवल को बढ़ाने में मदद करेगी, जिसका ओवरऑल फायदा अर्थव्यवस्था में लचीलेपन के रूप में मिलेगा। इसका लाभ ये होगा कि धीरे-धीरे सरकार का राजस्व घाटा नीचे आएगा, और कर्ज के हालात स्थिर होंगे, जो अभी काफी ज्यादा है। अर्थव्यवस्था लगातार ग्रोथ कर रही है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ चीन की हालत पस्त है और अब मूडीज की इस रेटिंग ने इस बात को और पुख्ता कर दिया है। हालांकि मोदी सरकार

की इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर देने की नीति की मूडीज ने प्रशंसा की है। उसने कहा कि इससे भारत में कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ा है, जिसने भारत की लॉजिस्टिक परफार्मेंस बेहतर की है। इसने ट्रेड और ट्रांसपोर्ट से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर की क्वालिटी को बेहतर किया है।

भारत के आगे चीन की हालत पस्त

वहीं दूसरी तरफ मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में चीन की आर्थिक हालत को लेकर चिंता व्यक्त की है। मूडीज का कहना है कि कोरोना की मार के बाद चीन की अर्थव्यवस्था बहुत बुरे हालात में है। चीन में बेरोजगारी चरम पर है और हालात ये हैं कि उसने बेरोजगारी के आंकड़े भी जारी करने बंद कर दिए हैं। वहीं चीन से निवेशक धीरे-धीरे दूरी बना रहे हैं और चीन भारी कर्ज के बोझ में दबा है जो आने वाले समय में और बढ़ सकता है।

टाइगर रिजर्व की ऑनलाइन बुकिंग में 12 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

धनशोधन मामले में आरोपपत्र जारी

चंद्रपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के टाइगर रिजर्व के लिए ऑनलाइन बुकिंग करने में 12 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) की ऑनलाइन बुकिंग का ठेका पाने वाली कंपनी चलाने वाले दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अभिषेक विनोद कुमार ठाकुर और रोहित विनोद कुमार ठाकुर चंद्रपुर शहर के रहने वाले हैं और उनके खिलाफ शुक्रवार को रामनगर पुलिस थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि संभागीय वन अधिकारी सचिन शिंदे ने दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दोनों भाइयों की साझेदारी में चल रही चंद्रपुर वाइल्ड कनेक्टिविटी सॉल्यूशन को ऑनलाइन बुकिंग का काम दिया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने समझौते के नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया और राशि का गबन कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच जारी है। टीएटीआर को महाराष्ट्र का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व कहा जाता है। चंद्रपुर जिला राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित है।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को बताया कि उसने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी जांच के तहत गोवा की एक दुग्ध उत्पाद कंपनी के खिलाफ धन शोधन के आरोपों के तहत आरोपपत्र दायर किया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि गनिंदु मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (जीएमएमपीएल) और सिद्धार्थ समूह की कंपनियों की अन्य संबंधित इकाइयों सहित 27 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन शिकायत दायर की गई है।ईडी ने कहा कि मापुसा में धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत ने 17 अगस्त को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया।

महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम रतन टाटा के आवास पर पहुंचे

उद्योग रत्न अवार्ड से किया सम्मानित

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने उद्योगपति रतन टाटा के आवास पर पहुंचकर उन्हें उद्योग रत्न अवार्ड से सम्मानित किया। बता दें कि रतन टाटा अपने खराब स्वास्थ्य के कारण पुरस्कार समारोह में भाग नहीं लेंगे। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को उनके आवास पर उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश के लिए रतन टाटा और टाटा समूह का बहुत बड़ा योगदान है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से दिए गए इस पुरस्कार को स्वीकार करने के लिए मैं उन्हें (रतन टाटा) धन्यवाद देता हूं।

28 जुलाई को की गई थी रतन टाटा को उद्योग रत्न अवार्ड देने की घोषणा

महाराष्ट्र सरकार ने बीते 28 जुलाई को दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा को पहला 'उद्योग रत्न' अवार्ड देने की घोषणा की थी। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने यह जानकारी दी थी। सामंत ने गुरुवार को राज्य विधान परिषद में बताया कि युवा उद्यमी, महिला उद्यमी और मराठी उद्यमी के लिए भी अवार्ड दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार की तरह, जो विशिष्ट व्यक्तियों को दिया जाता है, राज्य सरकार ने रतन टाटा को उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और उद्योग मंत्री की एक समिति ने बैठक की थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

दिवाली पर फ्लाइट से घर जाना होगा और महंगा

हवाई किराये में 89 फीसदी तक की बढ़ोतरी !

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में कुछ ही दिनों में फेस्टिवल सीजन की शुरुआत हो जाएगी। दिवाली के समय लोग बड़ी संख्या में अपने घरों को जाते हैं। ऐसे में इस दौरान हवाई किराये में जबरदस्त इजाफा देखने को मिलता है। इस साल भी दिवाली के लिए अभी से ही एयर फेयर में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बिजनेस स्टैंडर्ड के रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली के समय 10 नवंबर से 16 नवंबर, 2023 के बीच हवाई किराये में 89 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। गो फर्स्ट संकट और स्पाइस जेट के ऑपरेशन में आ रही दिक्कतों के कारण किराये में कई गुना तक का इजाफा देखा जा रहा है।

इन रूट्स पर बढ़ा सबसे ज्यादा हवाई किराया

ट्रैवल वेबसाइट Ixigo के अनुसार, दिवाली वाले हफ्ते यानी 10 से 16 नवंबर, 2023 के बीच दिल्ली से अहमदाबाद के बीच 80 दिन से अधिक वक्त में औसत हवाई किराया 5,688 रुपये है, जो पिछले साल दिवाली के हफ्ते के मुकाबले 72 फीसदी ज्यादा है। ध्यान देने वाली बात ये है कि पिछले साल दिल्ली से अहमदाबाद के बीच दिवाली के समय एयरलाइंस द्वारा कुल 290 फ्लाइट्स का संचालन किया गया था। वहीं इस साल यह आंकड़ा 15 फीसदी तक कम हो सकता है। ऐसे में फ्लाइट्स की संख्या कम होने पर यात्रियों को ज्यादा परेशानी के साथ ही टिकट मिलने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं Ixigo के डेटा के अनुसार दिल्ली-श्रीनगर रूट पर हवाई किराये में 89.11 फीसदी, बेंगलुरु-हैदराबाद रूट में 63 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की जा रही है। हालांकि एयरलाइंस कंपनियों ने दिवाली के दौरान 41 फीसदी ज्यादा फ्लाइट्स के ऑपरेशन का प्लान बनाया है।

गो फर्स्ट संकट ने बढ़ा दी परेशानी

बिजनेस स्टैंडर्ड से बात करते हुए एयरलाइन एक्जीक्यूटिव ने बताया कि सस्ती हवाई सेवा प्रदान करने वाली कंपनी गो फर्स्ट की उड़ानें 3 मई, 2023 से बंद है। ध्यान देने वाली बात ये है कि दिल्ली से अहमदाबाद के बीच में गो फर्स्ट कंपनी कुल 42 विमानों का संचालन करती थी। इसके साथ ही स्पाइसजेट भी लंबे वक्त से अलग-अलग परेशानियों से घिरी हुई है। ऐसे में अब कंपनी ने अपनी फ्लाइट्स की संख्या में कटौती कर दी है। वहीं बाकी एयरलाइंस कंपनियों ने अभी तक इस रूट में अपने फ्लाइट्स की संख्या में बढ़ोतरी का कोई ऐलान नहीं किया है। ऐसे में आने वाले वक्त में इस रूट पर हवाई किराये में और ज्यादा बढ़ोतरी की संभावना है।

जून-जुलाई में हवाई किराये में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी

आर्थिक संकट में घिरी गो फर्स्ट के मई 2023 में फ्लाइट संचालन बंद होने के बाद से जून और जुलाई में देशभर के प्रमुख रूट्स पर हवाई किराये में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है।

इस हफ्ते सोने की कीमत में गिरावट

साढ़े 58 हजार के नीचे आया सोना, चांदी फिर 70 हजार के पार निकली

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 14 अगस्त को सोना 58,874 रुपए पर था, जो अब, यानी 19 अगस्त को 58,471 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 403 रुपए की गिरावट आई है। आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी की कीमत में बढ़त देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 69,937 रुपए पर थी, जो अब 70,447 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 510 रुपए बढ़ी है।2023 की पहली छमाही में

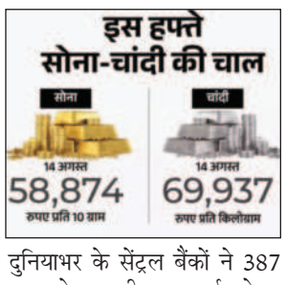

दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों ने 387 टन सोना खरीदा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, ये साल 2000 के बाद छह महीनों में आरबीआई जैसे सेंट्रल बैंकों की सबसे ज्यादा गोल्ड खरीद है। सेंट्रल बैंकों के बीच सोने के प्रति आकर्षण बीते साल भी देखा गया था। 2022 में इन्होंने 1,136 टन सोना खरीदा था, जो 55 साल की दूसरी सबसे बड़ी खरीदारी थी। 1967 में इन्होंने 1,404 टन सोना खरीदा था।

दो साल में 27% रिटर्न दे सकता है सोना

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27% से ज्यादा रिटर्न दे सकता है।वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

नियोक्ताओं से किराया मुक्त आवास का लाभ लेने वालों को होगा फायदा, मूल्यांकन के नए नियम अधिसूचित

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पर्याप्त वेतन के साथ अपने नियोक्ताओं की ओर से किराया मुक्त आवास का लाभ पाने वाले कर्मचारी अब अधिक बचत कर सकेंगे। उन्हें अब अधिक टेक-होम वेतन मिल सकेगा क्योंकि आयकर विभाग ने ऐसे मकानों के मूल्यांकन के नियमों में बदलाव किया है।केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियमों में संशोधनों को अधिसूचित कर दिया है। ये बदलाव एक सितंबर से लागू होंगे। अधिसूचना के अनुसार, जहां केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारियों के अलावा अन्य कर्मचारियों को असुसज्जित आवास प्रदान किया जाता है और ऐसा आवास नियोक्ता के स्वामित्व में है, तो निम्न आधार पर उसके वैल्युएशन का मूल्यांकन होगा। 2011 की जनगणना के अनुसार 40 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में वेतन का 10 प्रतिशत जो पहले 2001 की जनगणना

के अनुसार 15 प्रतिशत था। 2011 की जनगणना के अनुसार 40 लाख से कम आबादी वाले शहरों में वेतन का 7.5 प्रतिशत जो पहले 2001 की जनगणना के अनुसार 10 प्रतिशत था। एकेएम ग्लोबल टैक्स पार्टनर अमित माहेश्वरी ने कहा कि जो कर्मचारी पर्याप्त वेतन ले रहे हैं और नियोक्ता से आवास की सुविधा प्राप्त कर रहे हैं, वे अब अधिक बचत करने में सक्षम होंगे क्योंकि संशोधित दरों के साथ उनका कर योग्य आधार अब कम हो जाएगा। ऐसे में अब उन्हें अधिक टेक-होम वेतन के रूप में राहत मिलेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	05-52 बजे
चंद्र-	कन्या में	कन्या..	07-59 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	10-04 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	12-14 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	14-28 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	16-35 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	18-25 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	20-03 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-38 बजे
		वृष--	23-24 बजे
		मिथुन..	01-24 बजे
		कर्क...	02-37 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-03**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्य अस्त- **18-36**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - **00 -22** तक उपरान्त पंचमी
मास - द्वि.श्रावण शुक्ल पक्ष , रविवार **20 August**
नक्षत्र - हस्त - **04-21** तक उप- चित्रा
योग - साध्य - **21 - 57** - तक उप शुभ
करण- वणिज - **11 -23** - तक उप- विष्टि
विशेष:- वरद विनायक दूर्वा चतुर्थी व्रत,गणेश चौथ
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-**11-24** से **00- 23** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
17:03 से
18:38 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:03 - 07:36 अशुभ	शुभ	18:36 - 20:03 शुभ
चंचल	07:36 - 09:10 शुभ	अमृत	20:03 - 21:29 शुभ
लाभ	09:10 - 10:45 शुभ	चंचल	21:29 - 22:54 शुभ
अमृत	10:45 - 12:19 शुभ	रोग	22:54 - 00:20 अशुभ
काल.	12:19 - 13:54 अशुभ	काल	00:20 - 01:45 अशुभ
शुभ.	13:54 - 15:29 शुभ	लाभ	01:45 - 03:10 शुभ
रोग	15:29 - 17:03 अशुभ	उत्पात	03:10 - 04:36 अशुभ
उत्पात	17:03 - 18:36 अशुभ	शुभ	04:36 - 06:03 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है ।आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है , इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है , इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे । हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें क्योंकि उनमें से एक बहुत सुरक्षित रूप से आपको संगठन से बाहर का रास्ता खोजने में मदद कर सकता है!

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है । लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें ।आप आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गुरुग्राम में जहां मस्जिद जली, वो गांव मुस्लिमों से खाली

माइग्रेंट मुस्लिमों के आने से आबादी 6 गुना बढ़ी, लेकिन मस्जिदें घटीं

गुरुग्राम, 19 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हरियाणा के गुरुग्राम में तिगरा गांव से सटी एक झुग्गी बस्ती के ज्यादातर घरों पर ताले लटके हैं। इस बस्ती में अलग-अलग राज्यों से आए माइग्रेंट मजदूर रहते हैं, जो काम ढूंढते हुए यहां आए थे और फिर यहीं बस गए। 31 जुलाई, 2023 को हरियाणा के नूंह में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद इसी तिगरा गांव में बन रही एक मस्जिद में भीड़ ने आग लगा दी थी। इमाम मोहम्मद साद को पीट-पीटकर मार डाला था। घटना के बाद डरे हुए मुस्लिम परिवार रातोंरात घरों पर ताला लगाकर चले गए।

नूंह से 44 किमी दूर गुरुग्राम में ऐसा क्यों हुआ, इसकी पड़ताल करने हम तिगरा गांव पहुंचे। यहां हमें दो बातें पता चलीं। जिस मस्जिद को जलाया गया, उस पर पहले से विवाद है। ये मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया है।

गुरुग्राम में खुले में नमाज और मस्जिदों में भीड़ जुटने का विवाद काफी पुराना है, जो आबादी बढ़ने के साथ बढ़ता गया।

गुड़गांव में मुस्लिम आबादी 80 हजार, माइग्रेंट करीब 3.7 लाख

गुरुग्राम में दो तरह के मुस्लिम हैं, एक जो स्थानीय निवासी हैं और दूसरे माइग्रेट होकर आए हैं। गुड़गांव में 1970 में मारुति सुजुकी ने पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट खोला था। इसके बाद से गुरुग्राम में बाहर से लोग आना शुरू हुए। 2001 की जनगणना में गुरुग्राम (तब गुड़गांव) में मुस्लिम आबादी 6.17 लाख थी। 2005 में इससे अलग मेवात जिला बनाया गया।

2011 की जनगणना में गुरुग्राम की आबादी 15.14 लाख हो गई। इनमें मुस्लिमों की आबादी 70,842 थी। अभी इनकी अनुमानित संख्या 80,760 है।

इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राइट्स के प्रेसिडेंट मोहम्मद अदीब के मुताबिक, अभी गुरुग्राम में करीब 4.5 लाख मुस्लिम हैं, यानी करीब 3.7 लाख मुस्लिम माइग्रेंट आबादी है। 2011 की आबादी के मुकाबले ये 6 गुना ज्यादा हैं।

अदीब के मुताबिक, बाहर से आए लोगों ने भी गुरुग्राम में रहने के दौरान आधार और दूसरे डॉक्यूमेंट बनवा लिए हैं। 4.5 लाख मुस्लिमों में से भी सिर्फ 4 या 5% ही यहां के ओरिजिनल रेसिडेंट हैं, बाकी सब बाहर से ही आए हैं।

आबादी 4.5 लाख, लेकिन नमाज के लिए सिर्फ 13 मस्जिदें

इस पड़ताल में हमें पता चला कि गुरुग्राम में आबादी के मुकाबले काफी कम मस्जिदें हैं। अभी इनकी संख्या सिर्फ 22 है। इनमें 12 मस्जिद पुराने गुरुग्राम में हैं। 2007 में गुरुग्राम टाउनशिप प्लान तैयार करते वक्त धार्मिक स्थलों के लिए जगह दी गई थी। 19 मंदिर, 9 चर्च और 3 जैन मंदिर के लिए जगह मिली, लेकिन मस्जिद के लिए जमीन नहीं दी गई।

फिलहाल गुरुग्राम में ऐसी सिर्फ 13 मस्जिदें हैं जहां नमाज पढ़ी जा रही है। एक्सटेंशन न मिलने की वजह से यहां भी जगह की कमी है। 2018 में प्रशासन ने नमाज के लिए 34 ओपन स्पेस तय किए थे, 2019 में विवाद के बाद ये घटकर 4 रह गए हैं।

अब तिगरा गांव का विवाद समझिए

तिगरा गांव में जिस मस्जिद को जलाया गया, इसे हटाने का मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक भी गया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि मस्जिद न हटाई जाए, लेकिन इसमें बहुत भीड़ भी न जुटे। इमाम की हत्या के बाद मस्जिद को हटाने की मांग फिर से तेज हो गई है।

तिगरा गांव में हमारी मुलाकात पूर्व सरपंच अशराज से हुई। अशराज ने बताया, 'बाहर से आए मुस्लिमों के यहां रहने से हमें कोई दिक्कत नहीं। खाए-कमाएं इन्हें कौन रोकता है, लेकिन मस्जिद रहेगी, तो कभी भी कोई बवाल होगा। उंगली गांव पर उठेगी। इस बार इमाम की हत्या के बाद हमारे गांव के 4 लड़के उठा लिए, वे उसमें शामिल भी नहीं हैं।'

अशराज आगे कहते हैं, 'मस्जिद में नमाज के लिए बाहर से लोग आते हैं, 50-50 गाड़ियां भरकर लोग आते हैं। रास्ता जाम हो जाता है। बगल में स्कूल है। बच्चों को पहुंचने में देर हो जाती है। मां-बाप परेशान होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी केस खत्म करते वक्त मस्जिद के बाहर भीड़ न जुटने और पुलिस की तैनाती की हिदायत दी थी।'

गांव के लोग भले ही कहें कि यहां एक भी घर मुसलमान का नहीं है, लेकिन गांव और उससे लगी झुग्गी बस्ती में जाने के बाद अंदाजा हो जाता है कि यहां मुस्लिमों की अच्छी-खासी आबादी है। हालांकि, गांव के लोग कहते हैं कि वे सब किराएदार हैं।

जमीन अलॉट होने के बाद से विवाद, गांववाले बोले- मुस्लिम नहीं, तो मस्जिद क्यों

तिगरा गांव में मस्जिद बनाने के लिए जमीन अलॉट होने के बाद से इस पर विवाद है। नूंह दंगों में हुई हिंसा के बाद इसने फिर तूल पकड़ लिया। वक्फ बोर्ड और मुस्लिम संस्थाएं इस पर चुप हैं, क्योंकि दंगों का माहौल है।

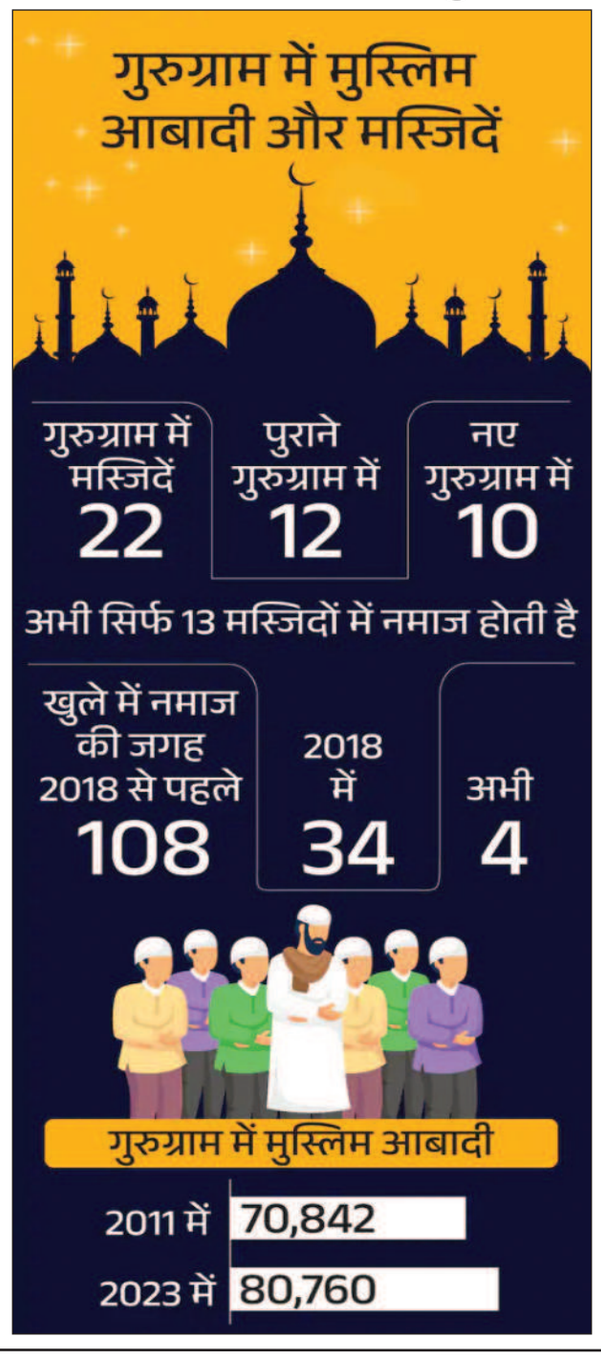

गांव के लोगों ने 2008 में हाईकोर्ट में केस लड़ा था। वहां से 2012 में हार मिली, तो सुप्रीम कोर्ट चले गए। मई, 2023 में वहां भी केस हार गए। अब वे फिर सरकार और प्रशासन से मस्जिद को हटाने की मांग कर रहे हैं। हम गांव में पहुंचे, तो ज्यादातर सैलून, वेल्डिंग की दुकानें और घरों पर ताले दिखे। ये दुकानें और घर मुस्लिमों के हैं। गांववालों से पूछा तो बोले, 'इन्हें किसी ने भगाया नहीं है। ये खुद गए हैं।'

मस्जिद बनी, तो मुस्लिमों की बस्ती बस गई

तिगरा गांव के सरपंच राजू कहते हैं, 'गांव के जिन लड़कों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, मौलवी की हत्या में उनका कोई हाथ नहीं था। ये मस्जिद ही झगड़े की जड़ है। ये नहीं हटी, तो हर घटना के बाद हमारे गांव पर ही उंगली उठेगी। इसे हटना ही चाहिए। हमने तो केस भी लड़ा, लेकिन हमारी सुनी नहीं गई।'

हमने पूछा कि अभी तो मुस्लिमों के कई परिवार रह रहे हैं? राजू कहते हैं, 'सब किराए पर रहते हैं। मस्जिद बनी तो आबादी भी आ गई, लेकिन जब बनी थी, तो मुस्लिमों का एक भी परिवार नहीं था। यहां कोई नहीं चाहता था कि मस्जिद बने।'

दंगों के बाद महापंचायत हुई, मस्जिद हटाने की मांग उठी

तिगरा गांव में 6 अगस्त को महापंचायत हुई थी। पूर्व सरपंच अशराज महापंचायत बुलाने वालों में शामिल थे। हमने उनसे पूछा कि महापंचायत की जरूरत क्यों पड़ी? जवाब मिला, 'गांव के लड़कों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, तो पहले हमने गांव में पंचायत की। इसमें तय हुआ कि 10-20 गांवों की पंचायत होनी चाहिए। मुद्दा हमारे लड़कों की नाजायज गिरफ्तारी का था।'

महापंचायत के बाद खबरें उड़ीं थीं कि गांव के मुसलमानों को घर खाली करने के लिए कहा गया है? अशराज कहते हैं, 'नहीं, ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया है। सब रह रहे हैं। जो लोग गए, वे मर्जी से, दंगों की दहशत से गए।'

'मस्जिद पर शुरू से विवाद है। हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी हुडा ने मस्जिद के लिए बिना किसी बातचीत के जमीन अलॉट कर दी थी। दंगों में मौलवी की हत्या कर कोई गया, भुगत हम रहे हैं। हमारे गांव में कभी कोई हत्या नहीं हुई।'

महापंचायत के बाद बनी कमेटी के मेंबर बोले- मस्जिद रही, तो विवाद बढ़ेगा

महापंचायत के बाद 101 लोगों की कमेटी बनी। इसमें आसपास के गांवों के लोग भी शामिल हैं। कमेटी के सदस्य संजय भारद्वाज कहते हैं, 'हमने प्रशासन से गिरफ्तार लड़कों को छोड़ने की मांग की है। हमारे बच्चे निर्दोष हैं। जो दोषी हैं, उन्हें सजा मिले। दूसरी बात, मस्जिद रहेगी तो आगे कोई भी बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। आज तो इनकी आबादी इतनी है, लेकिन कल को और बढ़ सकती है।'

आप कह रहे हैं कि मस्जिद के लिए जमीन अलॉट हुई, तब एक भी मुस्लिम परिवार नहीं था, अब 10 से 15 हजार लोग हैं, ये कैसे हुआ? जवाब मिला, 'तब एक भी नहीं था। 17-18 साल पहले गांव में किराएदारी का चलन नहीं था।'

'सरकार ने यहां की जमीन खरीदी, इससे लोगों को अच्छा-खासा पैसा मिला। उन्होंने घर बनाए और किराए पर चढ़ा दिए। धीरे-धीरे काम की तलाश में लोग आए और किराए पर रहने लगे, उनकी संख्या बढ़ती गई।'

क्या पहले भी इस मस्जिद पर विवाद हुआ है? जवाब मिला, 'नहीं, हमने तो केस किया था। एक बार पहले भी यहां के बच्चों ने सभा की थी कि ये मस्जिद हटाई जाए। फिर हमने समझाया, तो बात खत्म हो गई। अब मौलवी की हत्या के मामले में हमारे बच्चों की नामजद रिपोर्ट हुई है। दंगा होता है, तो भीड़ के नाम रिपोर्ट होती है, न कि किसी व्यक्ति के नाम। बस यही हम भी कह रहे, हमारे बच्चों के नाम हटाए जाएं।'

संजय भारद्वाज से मिलने के बाद हम गांव में बनी तीन मंजिला बिल्डिंग में गए। इस मकान में हर फ्लोर पर 3-3 बड़े कमरे हैं। एक कमरे में 10 से 12 लोग रहते हैं। इनमें ज्यादातर दूसरे गांवों से काम के लिए आए लोग हैं। ये सब पेंटर, वेल्डर, पंचर जोड़ने वाले, सैलून चलाने और फल बेचने वाले लोग हैं। अब ज्यादातर कमरों में ताले लगे हैं। एक कमरा खुला मिला, तो हम अंदर गए। सामने एक लड़का खाना बना रहा था। नाम सतीश, पेशा पेंटर। इस कमरे में रहने वाले लड़के कॉन्ट्रैक्टर जहीर के लिए काम करते हैं। हमने सतीश से पूछा कि इतने बड़े कमरे में सिर्फ आप रहते हैं? सतीश ने कहा, 'नहीं, हम 10-12 लोग हैं। एक-दो काम पर गए हैं, बाकी छुट्टी पर। हमारे साथ 4-5 लोग मुस्लिम हैं। मोहर्रम था, इसलिए चले गए।'

केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ को 10 गारंटी दी

कहा- बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य मुफ्त, बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 रुपए भत्ता देंगे

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल 19 अगस्त को एक दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। उन्होंने रायपुर में एक कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान राज्य के लोगों को 10 गारंटी दीं।

केजरीवाल ने सूबे में बिजली फ्री करने की बात कही है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का वादा किया। युवाओं को नौकरी न मिलने तक हर महीने 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। उनके मुताबिक, सरकार बनते ही सारे वादे पूरे किए जाएंगे।

केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ को ये 10 गारंटी दीं

बिजली की गारंटी

दिल्ली और पंजाब की तरह छत्तीसगढ़ में भी हर महीने हर घर को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। छत्तीसगढ़ में सभी गांव और शहरों में बिना कट लगे 24 घंटे बिजली दी जाएगी। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर सारे पुराने बकाया घरेलू बिजली बिल माफ किए जाएंगे।

रोजगार गारंटी

हर बेरोजगार को रोजगार मुहैया करवाया जाएगा। जब तक नौकरी नहीं मिली तब तक हर बेरोजगार को 3000 महीना बेरोजगारी भत्ता

दिया। लगभग 10 लाख बेरोजगारों सरकारी नौकरी में भर्ती किया जाएगा। नौकरियों की भर्ती में लिए और भ्रष्टाचार खत्म कर पारदर्शिता लाई जाएगी।

स्वास्थ्य गारंटी

दिल्ली की तरह हर गांव और वार्ड में मोहल्ला क्लीनिक खोला जाएगा। छत्तीसगढ़ के सभी मौजूदा सरकारी अस्पतालों को शानदार बनाया जाएगा और नए सरकारी अस्पताल खोले जाएंगे। दिल्ली की तरह सभी दवाइयां मुफ्त जाएंगी, टेस्ट और ऑपरेशन मुफ्त किए जाएंगे। सभी सड़क दुर्घटना प्रभावित लोगों का राज्य में मुफ्त इलाज किया जाएगा।

शिक्षा गारंटी

छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को अच्छी और फ्री शिक्षा दी जाएगी। दिल्ली की तरह सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बनाया जाएगा। दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ में भी प्राइवेट स्कूलों में नाजायज फीस को नहीं बढ़ने दिया जाएगा। सभी कच्चे शिक्षकों को पक्का किया जाएगा। शिक्षकों के सभी खाली पद भरे जाएंगे।

शिक्षकों को शिक्षण के अलावा और कोई भी अन्य कह ही दिया जाएगा।

महिलाओं के लिए गारंटी

18 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये स्त्री सम्मान राशि दी जाएगी।

भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़ की गारंटी

दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। किसी भी सरकारी दफ्तर में काम कराने के लिए आपको दफ्तर में नहीं जाना पड़ेगा। हम दिल्ली की तरह एक फोन नंबर जाने आप उस फोन पर कॉल करके अपना काम बताएंगे। सरकारी कर्मचारी पहुंचकर आपका काम करके जाएगा। आपको किसी को देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

शहीद सम्मान राशि की गारंटी

भारतीय तीरागढ़ पुलिस के जवान अगर सेवा के दौरान शहीद होते हैं तो उनके परिवार को 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी।

कर्मचारी वर्ग के लिए गारंटी

सभी विभागों के संविदा, प्लेसमेंट, ठेका व अनियमित कर्मचारियों को नियमित करेंगे। संविदा और ठेका प्रथा बंद करेंगे।

तीर्थ यात्रा गारंटी

दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ के सभी बुजुर्गों को उनके पसंद के किसी भी पवित्र तीर्थ स्थान पर मुफ्त यात्रा करवाई जाएगी।

वहां आना-जाना, रहना, खाना सब मुफ्त होगा

भगवंत मान ने अपने भाषण में कांग्रेस और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- हम वादा नहीं करते काम की गारंटी देते हैं। उन्होंने दिल्ली और पंजाब के विकास कामों का उदाहरण भी दिया। मान ने कहा छत्तीसगढ से कह रहा हूं हम जो कहते है वो करते हैं। हम जुमले नहीं बनाते, ये हमारा काम नहीं है। हमने पंजाब में कुछ गारंटी नहीं दी थी वो पूरी की। विधायकों को पेंशन बंद की, कई ऐसे थे जिनको हारने में फायदा था, विधायक को पेंशन लाखों मिलती थी। हमने मंत्रियों को पकड़ा, नेताओं को पकड़ा करोड़ों का घर, आलीशान बाथरूम रिश्वत के पैसे से बना था। एक ऐसी चीज मिली जो शहीदों की आत्मा को ठेस पहुंचाती है। वहां से नोट गिनने की मशीन मिली। इसका मतलब है कि लूट के पैसे गिन नहीं पाते थे मशीन लगती थी।

जूस दुकान मालिक की हत्या का खुलासा

जूस दुकान संचालक और स्टॉफ की हत्या करने वाले बिहार से गिरफ्तार, बढ़ता व्यापार हत्या की वजह

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। रांची में 11 अगस्त की रात जूस दुकान संचालक मुकेश कुमार साव और कर्मचारी रोहन कुमार की हत्या हो गयी थी। अब इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गये तीन लोगों में अशोक कुमार गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार गुप्ता और विजय उरांव हैं। इनकी गिरफ्तारी बिहार के औरंगाबाद जिले से की गयी है। हत्या को अंजाम देकर तीनों यहां से फरार हो गये थे।

बढ़ता कारोबार बना हत्या की वजह

धर्मेंद्र और अशोक रांची जूस सेंटर के मालिक हैं। मुकेश कुमार साव के जूस का कारोबार बड़ा हो रहा था। व्यापारिक रंजिश में इस हत्या को अंजाम दिया गया। मुकेश साव ने मोरहाबादी में तीन जूस सेंटर खोल रखा था और चौथा जूस सेंटर भी खोलना चाहता था। रांची जूस सेंटर के मालिक को इस पर आपत्ति थी। दोनों के बीच इसे लेकर विवाद भी हो रहा था। इसी बात को लेकर मुकेश कुमार साव और कर्मचारी रोहन कुमार की हत्या कर दी गयी। इस

हत्याकांड का खुलासा करते हुए रांची एसपी किशोर कौशल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जूस दुकान का बढ़ता व्यापार हत्या की वजह है। पुलिस ने एक लोडेड देशी पिस्तौल सात जिंदा गली और एक देसी कट्टा समेत बुलेट बाइक के साथ कुछ और सामान भी बरामद किया है।

लापरवाही के लिए पुलिस अधिकारी हुए हैं सस्पेंड

इस मामले में लालपुर थाना और मोरहाबादी टीओपी पुलिस की लापरवाही की वजह से लालपुर थाना प्रभारी ममता कुमारी और मोरहाबादी टीओपी प्रभारी सन्नी कुमार को सस्पेंड कर दिया गया।

थाने में की थी लिखित शिकायत मेरी जान को खतरा

मुकेश ने एक महीने पहले ही अरगोड़ा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी जान को खतरा है। कुछ लोग उसका पीछा कर रहे हैं और जान से मार सकते हैं। लिखित शिकायत में मुकेश ने बताया था कि दो तीन साल पहले भी उसे जान से मारने की धमकी मिली थी। अब उसका पीछा किया जा रहा है लोग मौके की तलाश में हैं। इस लिखित शिकायत के बाद भी इस मामले को पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया।

सीएम हेमंत सोरेन को ईडी ने फिर भेजा समन

24 अगस्त को जोनल ऑफिस में हाजिर होने को कहा पिछले समन में कानूनी सलाह लेने की कही थी बात

रांची, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएम हेमंत सोरेन को एक बार फिर नोटिस भेजा है। लैंड स्कैम मामले में यह दूसरा समन भेजा है। ईडी ने भेजे समन में हेमंत सोरेन को 24 अगस्त को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले आठ अगस्त को भी ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को समन भेजकर 14 अगस्त को उपस्थित होने को कहा था। पर वे ईडी ऑफिस नहीं गए थे। उन्होंने ईडी को चिट्ठी लिखकर कहा था कि समन वापस ले। मैं कानूनी सलाह ले रहा हूं। सीएम ने ईडी को लिखे पत्र में कहा था कि आपका इस मामले में किया गया समन गैर कानूनी है। वे कानूनी सलाह लेकर ही आगे बढ़ेंगे।

कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली लिस्ट सितंबर में आएगी

2 सितंबर को राहुल गांधी, 8 को खड़गे आएंगे छत्तीसगढ़, वेणुगोपाल बोले- 75 सीट जीतेंगे

रायपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट सितंबर के पहले सप्ताह में जारी कर सकती है। केसी वेणुगोपाल, अजय माकन ने पॉलिटिकल अफेयर कमेटी और लोकसभा पर्यवेक्षकों की बैठक में जानकारी दी है। 2 सितंबर को राहुल गांधी तो 8 को राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का दौरा है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि, हमारा एक ही लक्ष्य है 75 सीट। वेणुगोपाल ने बताया कि, छत्तीसगढ़ में हमारे इस टारगेट को लेकर हमने चिंतन किया प्लान किया, हम जीतेंगे। प्रभारी कुमारी सैलजा ने भी कहा कि, हर रिपोर्ट में हमें 75 प्लस सीटें मिल रही है। भले ही रिपोर्ट विपक्ष की हो और वह छिपा रहे हों।

ऐसे होगी टिकट वितरण की प्रक्रिया

31 अगस्त तक जिला कांग्रेस कमेटी नामों का पैनल पीसीसी को देगी। 3 सितंबर को प्रदेश इलेक्शन कमेटी की बैठक होगी, उसमें पहले लिस्ट निकालने के लिए एक्सरसाइज होगी। 4 सितंबर को स्क्रीनिंग कमेटी की मीटिंग होगी, यहां से रिकमेंडेशन सेंट्रल इलेक्शन कमेटी को भेज देंगे। सितंबर के पहले सप्ताह में 6 तारीख को पहली लिस्ट जारी की जाएगी। बैठक में कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, विजय जांगिड़ और चुनाव के लिये बनाये गये पर्यवेक्षकों के अलावा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य शामिल रहे। मीटिंग के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सैलजा बोलीं छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस की सरकार बन रही है। उनके मुताबिक कांग्रेस 75 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। पार्टी ने प्रदेश में काफी काम किए हैं जिससे यहां की जनता काफी खुश और उत्साहित हैं। बीजेपी के 21 उम्मीद्वारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद अब कांग्रेस की लिस्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा था कि कुछ नाम पहले जारी किए जा सकते हैं। इसलिए अब कांग्रेस की लिस्ट का इंतजार किया जा रहा है हालांकि आवेदन और प्रत्याशी चयन की जो प्रक्रिया है वो 31 अगस्त तक चलेगी। उम्मीद की जा रही कि सितम्बर के पहले सप्ताह तक ज्यादातर नाम जारी कर दिए जाएंगे। 17 अगस्त से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में दावेदारों के आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 22 अगस्त तक चलेगी। टिकट दावेदारों के आवेदन केवल ब्लॉक में ही लिए जा रहे हैं। किसी भी बड़े नेता या चुनाव समिति के सदस्यों की सीधी सिफारिश नहीं चल रही है। बताया जा रहा है कि 24 तारीख अगस्त तक सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में नामों को लेकर मीटिंग पूरी कर ली जाएगी। ब्लॉक कमेटी 1 से 5 नामों का पैनल बनाकर दे सकती है, हालांकि कमेटी के पास आए सारे आवेदन उन्हें डीसीसी यानी जिला कांग्रेस कमेटी को देने होंगे। 26 अगस्त तक ब्लॉक कमेटी के पाए आए आवेदन और उनके प्रस्ताव जिला कांग्रेस कमेटी को देने होंगे। 29 अगस्त तक हर हाल में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक होनी चाहिए। 31 अगस्त तक जिला कांग्रेस कमेटी 3 नामों का पैनल बनाकर पीसीसी यानी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पास सौंपेगी। जिसमें सारे आवेदन और प्रस्ताव दोनों ही शामिल होंगे।

भाजपा नेता राजेंद्र साहू हत्याकांड में आरोपी गिरफ्तार

लातेहार, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लातेहार जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता राजेंद्र साहू हत्याकांड का खुलासा हो गया। इस मामले में पुलिस ने दो शूटर समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में इन्होंने हत्या की वजह पैसे की लेनदेन बताई है।

लातेहार पुलिस को आज इस मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। राजेंद्र साहू की हत्या टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से पैसे की लेनदेन की वजह से की गई थी। टीएसपीसी के रीजनल कमेटी मेंबर आक्रमण गंझू के कहने पर राजेंद्र साहू की हत्या की गई है।

इस मामले में लातेहार पुलिस ने दो शूटर समेत चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें जितेंद्र विश्वकर्मा पिता बसंत विश्वकर्मा (बरडीहा, गढ़वा), शिवपूजन सिंह उर्फ मोटका पिता सुदामा सिंह (गनियारी खुर्द, धुरकी, गढ़वा), अश्विनी कुमार सिंह उर्फ बुच्चन पिता श्रीराज कुमार सिंह (बोदरा, मझियाआं, गढ़वा), कुलदीप गंझू पिता मंगर गंझू (सेमरसोत, बालूमाथ) के रहने वाले हैं।

गिरफ्तार चारों लोग टीएसपीसी उग्रवाद संगठन के स्लीपर सेल के रूप में कार्य करते है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त किया गया चार पिस्तौल, 30 जिंदा गोली, चार मैगजीन, चार मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल, एक राउटर, दो टी-शर्ट, एक ट्राउजर व एक गमछा बरामद किया है। इसकी जानकारी एसपी अंजनी अंजन ने प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि राजेंद्र साहू को मारने से पहले सभी उग्रवादियों ने एक सप्ताह पहले से रेकी कर रहे थे।

भारत-चीन के बीच मेजर जनरल लेवल की बैठक

चुशुल-देसपांग में विवाद सुलझाने पर डिटेल में चर्चा की, ब्रिक्स में मिल सकते हैं मोदी-जिनपिंग

बीजिंग, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच दौलत बेग ओल्डी और चुशुल में एलएसी पर मेजर जनरल लेवल की बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच जारी सीमा विवाद पर डिटेल में चर्चा की गई। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मेजर जनरल पीके मिश्रा और मेजर जनरल हरिहरन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

बैठक में देपसांग प्लेन और सीएनएन जंक्शन के मुद्दे का समाधान निकालने पर चर्चा हुई। ये बैठक भारत- चीन के बीच 14 अगस्त को हुई 19वीं कमांडर लेवल की बैठक के बाद की गई है, जिसमें दोनों देश विवादों को बातचीत और समझौतों के जरिए सुलझाने पर राजी हुए थे।

दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) देसपांग के पास है। जहां चीनी सैनिक लगातार भारतीय सैनिकों की पैट्रोलिंग में रुकावटें पैदा करते रहते हैं। वहीं चुशुल पैंगोंग सो झील के दक्षिणी किनारे पर है। जहां भारतीय सैनिकों ने 2020 में एक ऑपरेशन के तहत कई ऊंची जगहों पर कब्जा कर लिया था।

पैट्रोलिंग के नियम तय किए

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक मेजर जनरल लेवल की बैठक में दोनों देशों की सेनाओं के लिए पैट्रोलिंग से जुड़े ग्राउंड रूल्स बनाए गए हैं, ताकि आगे किसी भी तरह के संघर्ष से बचा जा सके। साथ ही दोनों देशों के सैनिकों के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मेजर जनरल लेवल की बैठक के बाद दोनों देशों के बीच ब्रिगेड कमांडर और कमांडिंग ऑफिसर लेवल की भी बैठक होगी।

तस्वीर 2021 की है, जब भारत-चीन की मिलिट्री के बीच 13वें दौर की बातचीत हुई थी

ब्रिक्स समिट में शामिल होंगे पीएम मोदी- शी जिनपिंग

साउथ अफ्रीका में 22 से 24 अगस्त को ब्रिक्स समिट होने वाला है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हो सकती है। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल बाली में जी20 समिट के दौरान मिले थे। पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। इसकी जानकारी पिछले महीने विदेश मंत्रालय ने दी थी। मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि डिनर के दौरान मोदी और जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने पर चर्चा की थी। दोनों के भारत-चीन के बॉर्डर विवाद को भी डिस्कस किया था।

गलवान झड़प के बाद बढ़ा तनाव

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर करीब 3 साल पहले 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 38 चीनी सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन इसे लगातार छिपाता रहा। गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था। चीन ने इस क्षेत्र में अवैध रूप से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शुरू कर दिया था। साथ ही, इस क्षेत्र में अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा था।

भारतीय मूल के लैब मालिक को 27 साल जेल की सजा

ह्यूस्टन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में एक भारतीय मूल के प्रयोगशाला मालिक को तीन साल से अधिक समय से मेडिकेयर को धोखा देने और 46.3 करोड़ डॉलर के आनुवंशिक परीक्षण घोटाले में शामिल होने के लिए 27 साल जेल की सजा सुनाई गई। लैबसॉल्यूशंस एलएलसी के मालिक मिनल पटेल को मेडिकेयर को धोखा देने की योजना में उनकी भूमिका के लिए शुक्रवार को 27 साल की जेल की सजा सुनाई गई। पटेल पर आरोप है कि आनुवांशिक और अन्य प्रयोगशाला परीक्षणों के जरिये, जिनकी मरीजों को आवश्यकता नहीं थी, दलाली और रिश्वत देकर 46.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि प्राप्त किया गया था। न्याय विभाग ने शुक्रवार को कहा कि 44-वर्षीय व्यक्ति ने टेलीमार्केटिंग कॉल के जरिए मेडिकेयर लाभार्थियों को निशाना बनाने के लिए मरीजों के दलालों, टेलीमेडिसिन कंपनियों और कॉल सेंटरों के साथ साजिश रची, जिसमें झूठा दावा किया गया कि उनके पैकेज में महंगे कैंसर आनुवंशिक परीक्षण शामिल हैं।

रूस और चीन के खुफिया हमले का डर

अमेरिका ने अंतरिक्ष उद्योग से जुड़ी अपनी कंपनियों को दी चेतावनी

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने स्पेस इंडस्ट्री (अंतरिक्ष उद्योग) से जुड़ी अपनी कंपनियों को चेतावनी जारी की है कि चीन और रूस उन पर सैटेलाइट हमले कर सकते हैं या फिर उनकी जासूसी कर सकते हैं। अमेरिका के नेशनल काउंटर इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी सेंटर, एफबीआई और यूएस एयर फोर्स ने एक संयुक्त एडवाइजरी या चेतावनी जारी की है। इसमें बताया गया है कि अमेरिका की अंतरिक्ष उद्योग से जुड़ी कंपनियों पर साइबर अटैक हो सकता है या फिर रणनीतिक निवेश के जरिए संवेदनशील तकनीक हासिल करने की कोशिश हो सकती है।

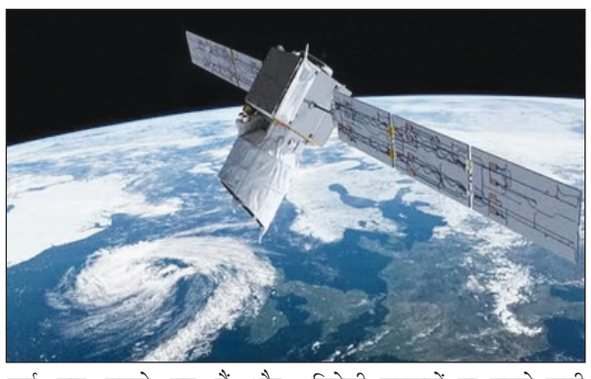

सैटेलाइट को निशाना बना सकते हैं चीन-रूस

चेतावनी में कहा गया है कि विदेशी खूफिया ताकतें कंपनी की गोपनीय सूचनाएं लीक कर सकती हैं, साथ ही अमेरिका के सैटेलाइट कम्युनिकेशन, रिमोट सेंसिग और इमेजिंग क्षमताओं को भी बाधित कर सकती हैं। अमेरिका की कई सैटेलाइट्स पर हाल के दिनों में कई बार हमले हुए हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा जिस तरह से अंतरिक्ष पर निर्भर करती है, उसे देखते हुए भी अमेरिकी खुफिया एजेंसी अलर्ट हो गई हैं।

कंपनियों को जारी की ये चेतावनी

खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी में कहा है कि अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनियां एक अंदरुनी चेतावनी कार्यक्रम बनाए, जिससे खुफिया सूचनाएं लीक होने पर रोक लगे, साथ ही विदेशी लोगों के आउटरीच कार्यक्रमों के तहत कंपनियों में आने की अपील को खारिज किया जाए। साथ ही विदेशी सरकारों या उनसे जुड़ी कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम ना बनाने की भी सलाह दी गई है।

हालांकि चीन ने अमेरिकी के आरोपों को खारिज किया है। अमेरिका में स्थित चीनी दूतावास ने बयान जारी कर कहा है कि उनका देश हमेशा मानवता की भलाई के लिए ही अंतरिक्ष खोज को सीमित रखना चाहता है। चीन ने हैकिंग के आरोपों से इनकार कर दिया। रूस की तरफ से इसे लेकर कोई बयान नहीं आया है। बता दें कि बीते दिनों में अमेरिका की कई अंतरिक्ष कंपनियों पर साइबर हमले या गोपनीय सूचनाएं लीक होने की घटनाएं हुई हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका

जॉर्जिया चुनाव नतीजे पलटने के मामले में करेंगे आत्मसमर्पण

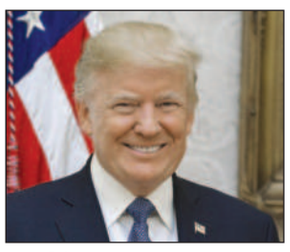

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव नतीजे पलटने के मामले में फुलटन काउंटी जेल में अगले हफ्ते आत्मसमर्पण कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप और 18 अन्य आरोपियों पर साल 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान जॉर्जिया के चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिश का आरोप है।

सोमवार को इस मामले में आरोप तय किए गए और 25 अगस्त तक ट्रंप समेत सभी आरोपियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है।

राष्ट्रपति चुनाव की पहली बहस से रह सकते हैं नदारद

डोनाल्ड ट्रंप अगले साल होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्रमुख उम्मीदवार हैं। बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव की पहली डिबेट होनी हैं। अब जॉर्जिया चुनाव नतीजों को पलटने के मामले में आत्मसमर्पण करने के चलते हो सकता है कि ट्रंप इस पहली डिबेट में शामिल ना हो सकें। ऐसी खबरें हैं कि ट्रंप डिबेट में शामिल होने के बजाय एक ऑनलाइन इंटरव्यू में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी तक कुछ भी तय नहीं है।

ट्रंप के खिलाफ चल रहे चार आपराधिक मामले

कई मामले दर्ज होने के चलते डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। बता दें कि ट्रंप चार आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और इन मामलों में उन पर कुल 91 आरोप लगे हैं। जॉर्जिया मामले में ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने जॉर्जिया के शीर्ष चुनाव अधिकारी को फोन करके चुनाव नतीजे पलटने के लिए पर्याप्त वोट ढूंढने का निर्देश दिया था लेकिन चुनाव अधिकारी ने ऐसा करने से मना कर दिया था। ट्रंप और उनके 18 सहयोगियों पर जॉर्जिया के रैकेटियरिंग इंफ्लुएंस्ड एंड करप्ट ऑर्गेनाइजेशन एक्ट (रिको) के कथित उल्लंघन का आरोपी बनाया गया है। इस मामले में ट्रंप और उनके सहयोगियों के दोषी पाए जाने पर अधिकतर 20 साल जेल की सजा हो सकती है।

बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप के अलावा रोन देसांतिस, डग बर्गमैन, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस, निक्की हेले और साउथ कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट, विवेक रामास्वामी और न्यूजर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी का नाम शामिल है।

तालिबान बोला- कुछ जगह औरतों का बेपर्दा होना पाप

काबुल, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद औरतों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। अब तालिबान के मंत्री ने कहा है कि पब्लिक में औरतों का चेहरा दिखने से उनकी अहमियत कम होती है। तालिबान के मंत्री मौलवी मोहम्मद सादिक आकिफ ने ये सारी बातें न्यूज एजेंसी एसोसिएट प्रेस को दिए इंटरव्यू में कही हैं। उन्होंने कहा है कि मुस्लिम धर्मगुरु भी इस बात से सहमति रखते हैं कि औरतें जब भी घर से बाहर जाएं तो उन्हें अपने चेहरे ढ़ककर रखने चाहिए। उन्होंने कहा- अगर औरतों के चेहरे सार्वजनिक जगहों पर दिखते हैं तो इससे पाप होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। कई बड़े शहरों में महिलाओं का बिना हिजाब दिखना बहुत बुरा है और हमारे विद्वान भी इस बात से सहमत हैं कि महिलाओं के चेहरे छिपे होने चाहिए। आकिफ ने कहा ऐसा नहीं है कि महिलाओं को चेहरे दिखने पर नुकसान पहुंचाया जाएगा।

इमरान की सुरक्षा को लेकर बुशरा बीबी चिंतित

कहा- उन्हें जेल में दिया जा सकता है जहर, लिखा पत्र

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने अपने पति की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि अटक जेल में उन्हें जहर दिया जा सकता है। पाक मीडिया ने यह जानकारी दी है। बुशरा बीबी ने पंजाब के गृह सचिव को पत्र भेजकर कहा कि अदालत ने संबंधित अधिकारियों को उनके पति को रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा, मेरे पति को बिना किसी कारण के अटक जेल में कैद कर दिया गया है। कानून के मुताबिक, मेरे पति को अदियाला जेल में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था, जब अदालत ने उन्हें अपने 2018-22 के कार्यकाल के दौरान विदेशी

गणमान्य व्यक्तियों से प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त सरकारी उपहारों की बिक्री से संबंधित तोशाखाना मामले में तीन साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके अलावा, खान को पांच साल के लिए राजनीति से भी प्रतिबंधित कर दिया गया था।

बुशरा बीबी ने अपने पत्र में मांग की है कि पीटीआई प्रमुख को उनकी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति के अनुसार जेल में बी श्रेणी की सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए क्योंकि वह ऑक्सफोर्ड स्नातक और राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान हैं। इस बीच, बुशरा बीबी ने यह भी कहा कि पहले भी खान की दो बार हत्या की कोशिश की जा चुकी है, लेकिन इसमें शामिल आरोपियों को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने पत्र में कहा, उनकी (इमरान खान) जान अब भी खतरे में है और डर है कि मेरे पति को अटक जेल में जहर दे दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री होने के नाते उनके पति को जेल में घर का बना खाना खाने की अनुमति दी जानी चाहिए। जेल मैनुअल का उल्लेख करते हुए बुशरा ने कहा कि खान को 48 घंटे के भीतर सभी सुविधाएं प्रदान की जानी थीं, लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें यह सुविधा प्रदान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, जेल नियमों के मुताबिक मेरे पति को एक निजी डॉक्टर से मेडिकल जांच कराने का अधिकार है।' उन्होंने पीटीआई प्रमुख को जेल मैनुअल के मुताबिक सुविधाएं मुहैया नहीं कराने की जांच की मांग की। इसके अलावा, पिछले हफ्ते पीटीआई कोर कमेटी ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की थी कि इमरान खान 'धीमे जहर' से पीड़ित हो सकते हैं और उन्हें घर का बना खाना और पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी।

मेक्सिको-कैलिफोर्निया की तरफ बढ़ रहा हिलेरी चक्रवात

अगले 2 दिन में 10 इंच बारिश की आशंका, कैलिफोर्निया में 84 साल पहले आया था ऐसा तूफान

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में अगले कुछ दिन के अंदर एक बड़ा उत्तरी चक्रवात आने वाला है। इसको हिलेरी नाम दिया गया है, जो फिलहाल मेक्सिको की तरफ बढ़ रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, हिलेरी कैटेगरी 4 चक्रवात है। अमेरिकी तट से टकराने के बाद आशंका है कि इसकी वजह से अमेरिका के 3 राज्य- कैलिफोर्निया, एरिजोना और नेवादा में एक दिन के अंदर एक साल जितनी बारिश हो सकती है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया में अगले 2 दिन में 10 इंच बारिश की चेतावनी दी गई है। इसकी वजह से मेक्सिको और कैलिफोर्निया में बाढ़ की भी आशंका जताई गई है। अमेरिका के नेशनल ओशेनिक एंड एट्मॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, ये तूफान पहले मेक्सिको से टकराएगा और फिर कैलिफोर्निया की तरफ बढ़ेगा।

हालांकि, ये तूफान लगातार नॉर्थ की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में अगर ये पहले कैलिफोर्निया से टकराया तो पिछले 84 साल का सबसे बड़ा उत्तरी तूफान होगा। सदर्न कैलिफोर्निया में पहली बार एक कैटेगरी 4 चक्रवाती तूफान के लिए चेतावनी जारी की गई है।

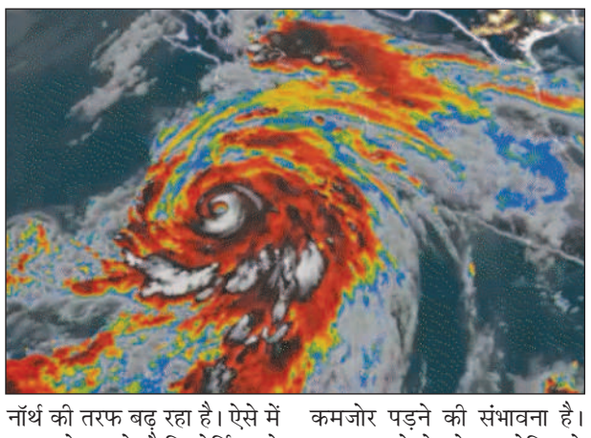

9 हजार लोगों के लिए 80 शेल्टर बनाए गए

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हिलेरी चक्रवात मेक्सिको समय के मुताबिक शुक्रवार देर रात या शनिवार की सुबह काबो सैन लूकस रिजॉर्ट सिटी से टकरा जाएगा, जिसके बाद इसके कमजोर पड़ने की संभावना है। चक्रवात को देखते हुए मेक्सिको के कुछ शहरों में गैर-जरूरी पब्लिक एक्टीविटीज और स्कूल सोमवार तक बंद कर दिए गए हैं।

तिजुआना के हाई रिस्क क्षेत्र में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने का आदेश दिया गया है। शुक्रवार को हिलेरी मेक्सिको से करीब 350 मील दूर था। चक्रवात को देखते हुए तट के पास रह रहे लोगों के लिए 80 शेल्टर बनाए गए हैं, जिसमें 9 हजार लोग रह सकेंगे। कैलिफोर्निया में इससे पहले 1939 में इतना बड़ा चक्रवात आया था। तब लॉस एंजिल्स में बाढ़ की वजह से 100 लोगों की मौत हो गई थी।

चक्रवात क्या होता है

चक्रवात एक गोलाकार तूफान (सर्कुलर स्टॉर्म) होते हैं, जो गर्म समुद्र के ऊपर बनते हैं। जब ये चक्रवात जमीन पर पहुंचते हैं, तो अपने साथ भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आते हैं। ये हवाएं उनके रास्ते में आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं।

स्ट्रॉर्म या तूफान वातावरण में एक तरह का डिस्टर्बेंस होता है, जो तेज हवाओं के जरिए सामने आता है और उसके साथ बारिश, बर्फ या ओले पड़ते हैं। जब ये धरती पर होते हैं तो आम तूफान कहलाते है, लेकिन समुद्र से उठने वाले स्टोर्म को साइक्लोन कहते हैं। साइक्लोन आम स्टोर्म से ज्यादा तीव्र और खतरनाक होते हैं। साइक्लोन, हरिकेन और टाइफून तीनों एक ही चीज होते हैं और इन्हें ट्रोपिकल साइक्लोन भी कहा जाता है।

अमेरिका ने एक दिन में 21 भारतीय छात्र वापस भेजे

वीजा में गड़बड़ी का आरोप, स्टूडेंट्स का दावा- अधिकारियों ने चेक किए मोबाइल, व्हॉट्सऐप

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका से एक दिन में 21 भारतीय छात्रों को वापस भेजने की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी वजह वीजा और डॉक्यूमेंट्स में गड़बड़ी बताई गई है। ये छात्र आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं। इन स्टूडेंट्स ने दावा किया है कि उनके सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे थे और ये कॉलेज में एडमिशन मिलने के बाद अमेरिका जा रहे थे।

इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, एटलांटा, शिकागो और सैन फ्रांसिस्को के एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन ऑफिसर ने छात्रों के डॉक्यूमेंट्स चेक किए। इसके बाद उन्हें कुछ देर के लिए हिरासत में भी लिया गया और फिर वापस जाने के लिए कहा गया। छात्रों ने बताया कि उन्हें वापसी की कोई वजह नहीं बताई गई। इस वजह से छात्रों को लगा कि उनके दस्तावेजों में कुछ कमी थी।

छात्रों को मिली कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

अमेरिका या भारत सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर कोई बयान जारी नहीं किया गय है। द हिन्दू

के मुताबिक, ये घटना 12 से 16 अगस्त के बीच की है। बिना किसी वजह की जानकारी के वापस भेजे गए छात्रों ने बताया कि अधिकारियों ने उनके मोबाइल फोन और व्हॉट्सऐप चैट्स भी चेक किए गए थे।

साथ ही उनके लैपटॉप और सोशल मीडिया अकाउंट्स की भी जांच की गई थी। इसके अलावा छात्रों को चुपचाप देश से वापस जाने और विरोध करने पर गंभीर कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई थी। जिन छात्रों को वापस भेजा गया है उनमें से ज्यादातर पढ़ाई के लिए मिसूरी और साउथ डकोटा की यूनिवर्सिटी में जाने वाले थे। एयरपोर्ट पर छात्रों से उनकी पढ़ाई, वीजा इंटरव्यू, लोन और एडमिशन के लिए जिन कंसल्टेंट्स से मदद ली गई उनसे जुड़े. सवाल पूछे गए थे। इसके बाद उन्हें अगले दिन दिल्ली की फ्लाइट से वापस भेजने तक हिरासत में रखा गया।

फिलहाल ये छात्र भारत लौट चुके हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि अमेरिका से तुरंत वापस भेजे जाने वाले विदेशी छात्रों पर अगले 5 साल का प्रतिबंध लगा दिया जाता है। ऐसे में इन स्टूडेंट्स को अपने भविष्य की चिंता हो रही है। एटलांटा से वापस भेजी गई एक छात्रा ने बताया कि इमिग्रेशन अधिकारी अजीब ढंग से व्यवहार कर रहे थे और कई बार सवालों का जवाब भी नहीं दे रहे थे। द हिन्दू के मुताबिक, छात्रा ने दावा किया कि ऐंबैसी और यूनिवर्सिटी की तरफ से सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे होने के बावजूद ये कार्रवाई की गई।

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पिछले हफ्तों हजारों छात्र विदेश में पढ़ाई करने के लिए रवाना हुए थे। एयरपोर्ट के अधिकारी और पुलिस ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर छात्रों की भीड़ की वजह से उनके साथ जाने वाले पैसेंजर्स को लेकर एक एडवाइजरी भी जारी की गई थी।

ताइवान को ड्रैगन की धमकी

सीमा के नजदीक चीनी वायुसेना और नौसेना ने शुरू किया संयुक्त युद्धाभ्यास

ताइवान, 19 अगस्त (एजेंसियां)। चीन की वायुसेना और नौसेना ने ताइवान की सीमा के नजदीक पेट्रोलिंग और संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवान की सीमा के नजदीक चीन के इस युद्धाभ्यास को धमकी माना जा रहा है।

बता दें कि चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब हाल ही में ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई ने पेराग्वे जाते हुए अमेरिका में भी कुछ देर के लिए रुके। इससे चीन नाराज बताया जा रहा है। चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी सेना की ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि ताइवान की सीमा के नजदीक पेट्रोलिंग और युद्धाभ्यास नौसेना और एयरफोर्स के बीच समन्वय को बेहतर करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

नर्स ने 7 नवजात बच्चों की हत्या की

लंदन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन की एक नर्स को सात नवजात बच्चों की हत्या करने और छह अन्य की हत्या करने की कोशिश करने का दोषी पाया गया है। क्राउन प्रोसिक्यूशन सर्विस ने शुक्रवार को कहा कि नर्स को सोमवार (21 अगस्त) को मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई जाएगी। दोषी पाई गई नर्स लूसी लेटबी 33 साल की है। उस पर पिछले अक्टूबर से मुकदमा चल रहा है। उस पर जिन बच्चों की

हत्या का जुर्म साबित हुआ, उनमें अधिकतर या तो बीमार थे या समय से पहले पैदा हुए थे। ये हत्याएं उसने जून 2015 से जून 2016 के बीच उत्तर पश्चिमी इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में की थी। इस मामले में नर्स को जुलाई 2018 से नवंबर 2020 के बीच तीन बार गिरफ्तार किया गया था। बीच में उसे दो बार छोड़ा गया। नवंबर 2020 में आरोप तय हुए। उत्तरी इंग्लैंड में मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट की जूरी 22 दिनों तक विचार-विमर्श करने के बाद फैसले पर पहुंची। प्रोसिक्यूशन ने बताया- लूसी लेटबी को कमजोर बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। उसने हत्या के ऐसे तरीकों का इस्तेमाल किया, जिनसे कोई खास सबूत नहीं छूटा। लूसी के साथ काम करने वालों ने कोर्ट में बताया कि बच्चों की मौत तब हुई, जब लुसी शिफ्ट में थी। कुछ नवजात बच्चों पर उसी समय हमला हुआ, जब उनके माता-पिता पालने में छोड़कर गए। प्रोसिक्यूटर निक जॉनसन ने कहा कि लुसी अपने सहयोगियों को यह विश्वास दिला देती थी कि मौतें प्राकृतिक वजहों से हो रही हैं।

जागने वाले हैं आर्कटिक में लाखों साल से सोए वायरस

वॉशिंगटन, 19 अगस्त (एजेंसियां)। पृथ्वी पर हजारों-लाखों साल से कई रोगाणु सोए हुए हैं। इनमें इतनी ताकत है कि अगर जिंदा हुए तो कोरोना से भी भीषण तबाही मचा सकते हैं। इस बीच वैज्ञानिकों ने भी इस दावे की पुष्टि करते हुए कहा है कि जैसे-जैसे जलवायु गर्म हो रही है, उससे आर्कटिक पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने का खतरा बढ़ रहा है। आर्कटिक पर्माफ्रॉस्ट में टाइम ट्रैवल करने वाले सैकड़ों रोगाणु मौजूद हैं, जो पारिस्थितिक तंत्र के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। पर्माफ्रॉस्ट ग्रीनलैंड, अलास्का, साइबेरिया, तिब्बती पठार और उत्तरी कनाडा जैसे उच्च अक्षांश या उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी, रेत और चट्टानों से बनी जमी हुई जमीन की एक कठोर परत है। यह बर्फीली परत उन रोगाणुओं को फँसाती है जो लंबे समय तक निष्क्रिय रहते हैं।

डीएलबी के नोटिस से नाराज हुए कांग्रेसी पार्षद

कहा- बीजेपी के साथ मिल रची गई साजिश, जिलाध्यक्ष बोले- नोटिस मिलना दुर्भाग्य की बात

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में विवाद दिनों दिन बढ़ते जा रहे हैं। मेयर मुनेश गुर्जर पर हुई निलंबन की कार्रवाई के बाद अब स्वायत्त शासन विभाग ने उपमहापौर समेत 10 पार्षदों को नोटिस जारी किया है। जिसका जवाब देकर पार्षदों ने अपनी ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए है। वहीं संगठन से जुड़े आला नेताओं से इसकी शिकायत भी की है।

कांग्रेस के सीनियर पार्षद उमरदराज ने कहा कि स्वायत्त शासन विभाग द्वारा राजेंद्र वर्मा विवाद पर हमें धारा 39 के तहत नोटिस जारी किया गया। जबकि उस पूरे मामले में पार्षदों की नहीं बल्कि राजेंद्र वर्मा की गलती थी। जिसकी पुलिस जांच अब तक भी पूरी नहीं हुई है। बावजूद इसके पार्षदों पर दबाव बनाने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

जो पूरी तरह गलत है। हमने नोटिस का जवाब तो दे दिया है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से जयपुर कांग्रेस कमजोर हो रही है। जिसका नुकसान हमें आने वाले विधानसभा चुनाव में उठाना पड़

सकता है। इस मामले की शिकायत जयपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आर.आर. तिवाड़ी और जयपुर कांग्रेस की प्रभारी मोना तिवाड़ी से भी की है। जिन्होंने हमें आश्वासन दिया है वह मुख्यमंत्री तक हमारी बात को पहुंचाएंगे। इसके साथ ही इस षड्यंत्र को रचने वाली लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

नगर निगम के डिप्टी मेयर असलम फारूकी ने कहा कि हम पर लगे आरोपों की पुलिस जांच फिलहाल जारी है। बावजूद इसके स्वायत्त शासन विभाग ने जांच पूरी कर हमें नोटिस जारी किए। जिससे जाहिर होता है कि किसी के दबाव में यह पूरी कार्रवाई की जा रही है। बीजेपी के लोग हमारे कुछ नेताओं के साथ में मिलकर कांग्रेस को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। लेकिन हम उनसे डरने वाले नहीं है।

जयपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आर.आर. तिवाड़ी ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार होने के बावजूद कांग्रेसी पार्षदों को नोटिस मिलना और मुकदमे लगना दुर्भाग्य की बात है। संगठन पूरी तरीके से कांग्रेसी पार्षदों के साथ है। पार्षदों के साथ मैंने उनकी समस्या को जयपुर की प्रभारी मोना तिवाड़ी तक पहुंचाया है। हमें पूरी उम्मीद है, पार्टी आलाकमान इस पूरे मामले पर संज्ञान लेते हुए सही फैसला करेगी।

तिवाड़ी ने कहा कि इस तरह के विवाद से हमारे नेताओं को भी बचना चाहिए। उन्हें मीडिया में आकर बेवजह बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। इसका गलत मैसेज जाता है। अगर किसी पार्षद को कोई समस्या है, तो उन्हें PCC आना चाहिए ना की किसी विधायक के घर जाकर बैठक करनी चाहिए।

इस पूरे विवाद पर जयपुर शहर बीजेपी अध्यक्ष राघव शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार बिना मेयर के नगर निगम चल रहा है। जिससे शहर की हालात बद से बदत्तर हो चुकी है। लेकिन कांग्रेसी पार्षद आपस में ही लड़ने में मशगूल है। उन्हें जनता की परेशानियों और शहर के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

इन पार्षदों को जारी हुए नोटिस

राजेंद्र वर्मा की शिकायत के आधार पर निलंबित मेयर हेरिटेज मुनेश गुर्जर, उप महापौर असलम फारूकी, पार्षद उमर दराज, नीरज अग्रवाल, श. कुरैशी, सुनिता मावर, राविया, अंजलि, आयशा सिद्दीकी, फरीद कुरैशी को नोटिस जारी हुए थे। जिसको लेकर अब कोंग्रेसी पार्षदों के साथ जयपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ने भी अपनी ही सरकार की करवाई पर सवाल खड़े कर दिए है।

यूडीए में शामिल पंचायतों का विरोध बढ़ा

आदिवासियों ने पहले निकाली रैली फिर किया प्रदर्शन

जनप्रतिनिधि बोले हमारी मुसीबतें नहीं बढ़ानी है

उदयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) में आने वाले गांवों को लेकर विरोध के स्वर बढ़ने लगा है। दूसरे दिन भी यूडीए में शामिल ग्रामीण इलाके और ग्राम पंचायतों को लेकर लोगों ने विरोध किया। बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग भी इसमें शामिल हुए।

भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शन किया गया। कलेक्ट्री के बाहर प्रदर्शन के बाद वहां मोर्चा के पदाधिकारियों ने संबोधित भी किया।

आदिवासी नेताओं का कहना है कि यूडीए में शामिल होने के बाद समाज के लोगों की परेशानियां बढ़ जाएगी। उन्हें अपने हर छोटे काम कर लिए उदयपुर में सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ेंगे। अपनी मांग को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा।

इससे पहले सुबह 11 बजे मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक मांगीलाल निनामा, जिला संयोजक अमित खराड़ी, सरपंच कांतिलाल, बबीता कश्यप मसार, किशन पारगी, वीरमल खराड़ी, उंदरी खुर्द सरपंच अनिल पारगी व अलसीगढ़ सरपंच पुष्कर कलासुआ के नेतृत्व में सभी तहसीलों के बसों से टाउन हॉल पहुंचे।

इससे पहले सभी उदयापोल, सूरजपोल, देहलीगेट होते हुए रैली के रूप में कलेक्ट्री पहुंचे। वहां सड़क पर बैठकर मांगों को डटे रहे।

इससे एक दिन पहले ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के पंचायतीराज के जनप्रतिनिधि व ग्रामीण कांग्रेस नेता विवेक कटारा के साथ एडीएम से मिले और 24 गांवों को यूडीए में नहीं शामिल करने की मांग की।

जयपुर में बारिश-बूंदाबांदी; करौली, सवाई माधोपुर में 2 इंच तक बरसात; 16 जिलों में तीन दिन अलर्ट

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सुस्त पड़ा मानसून एक बार फिर एक्टिव होने लगा है। जयपुर में शनिवार सुबह से रुक-रुककर बारिश-बूंदाबांदी हुई। बादल भी छाए हुए हैं। इसी तरह करौली, सवाई माधोपुर, भरतपुर में 1 से लेकर 2 इंच तक पानी बरसा।

बंगाल की खाड़ी में बने नए सिस्टम के चलते मौसम में यह बदलाव देखने को मिला है। इससे किसानों को राहत मिली है। अगस्त में अब तक बहुत कम बरसात हुई है और खरीफ की फसलों के खराब होने का खतरा पैदा हो गया था।

पिछले 24 घंटे के दौरान भरतपुर, दौसा, चूरू, धौलपुर, जयपुर, गंगानगर, करौली समेत कई जिलों में हल्की बारिश हुई। जयपुर में देर रात सांगानेर, शिवदासपुरा, सीतापुरा एरिया में हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि तूंगा, बस्सी, विराटनगर एरिया में एक इंच तक पानी बरसा। दौसा के महुवा, मंडावर एरिया में 10 मि.मी तक पानी बरसा। भरतपुर के बयाना, नदबई, डीग एरिया में एक इंच तक और धौलपुर के बसेड़ी, गंगानगर के हिंदूमलकोट समेत कई जगहों पर हल्की बारिश हुई।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून की ट्रफ लाइन वर्तमान में उत्तरी दिशा में हिमालय की तलहटी के पास ही है। ये लाइन अभी औरैया, सतना, अम्बिकापुर होकर गुजर रही है। एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन जैसलमेर, बाड़मेर एरिया पर बना हुआ है, जबकि एक लो-प्रेशर एरिया बंगाल की खाड़ी पर बन गया है। यह धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। इस सिस्टम के वेल मार्क लो-प्रेशर एरिया बनने की संभावना जताई जा रही है।

जयपुर शहर और ग्रामीण इलाकों में एक इंच तक बरसात हुई। जयपुर के प्रतापनगर, सांगानेर के अलावा गोपालपुरा, जगतपुरा, मालवीय नगर के अलावा आमेर, परकोटा एरिया में भी कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। बारिश के बाद उमस-गर्मी बढ़ गई। सबसे ज्यादा बरसात जयपुर के विराटनगर एरिया में 35 मि.मी हुई। इसके अलावा तूंगा, फागी, कोटखावदा, शाहपुरा, मौजमाबाद समेत कई ग्रामीण इलाकों में देर रात और आज सुबह तक 2 से लेकर 15 मि.मीतक बरसात दर्ज हुई। लंबे समय बाद पूर्वी राजस्थान के जिलों में अच्छी बरसात देखने को मिली। करौली में 44 मि.मी (करीब 2 इंच) बारिश हुई। करौली के ही सपोटरा में 41, बालघाट में 25, श्रीमहावीरजी में 22, हिंडौन में 42 मि.मी बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा सवाई माधोपुर के खंडार, गंगापुरसिटी, बामनवास एरिया में भी एक इंच तक पानी बरसा।

राजस्थान में मानसून की अब तक की रिपोर्ट देखें तो सामान्य से 25 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राज्य में 1 जून से 18 अगस्त तक सामान्य बारिश 317.1 मि.मीहोती है, लेकिन इस सीजन में अब तक औसत बरसात 396.5 मि.मी तक हो चुकी है। हालांकि पूर्वी राजस्थान के कई जिले बारां, बांसवाड़ा, अलवर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर, झालावाड़, प्रतापगढ़ समेत अन्य जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। जयपुर मौसम केंद्र से जारी शॉर्ट रेंज फोरकास्ट के मुताबिक आज जयपुर, दौसा, झुंझुनूं, नागौर, सीकर, अजमेर, भीलवाड़ा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले में कहीं-कहीं हल्की या मध्यम बारिश अगले 24 घंटे के दौरान हो सकती है।

इसी तरह 19-20 अगस्त को कोटा, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर व अजमेर संभाग के कुछ भागों में गरज-चमक के साथ हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां 21 अगस्त को भरतपुर और जयपुर संभाग के कुछ भागों में जारी रहने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों को छोड़कर जोधपुर, बीकानेर संभाग में कल छुटपुट स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

'अब घोषणाओं की जगह आगे की गारंटी दूंगा': सीएम ने कहा- सरकार

बनने पर अब दी हुई गारंटी पूरी करेंगे, आज से कार्ड बांटेंगे

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि मैंने घोषणाएं करने में कमी नहीं रखी है। मैंने कहा था आप मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते-देते नहीं थकूंगा। अब चुनाव आने वाले हैं। चुनाव में घोषणाएं तो कर नहीं सकेंगे। इसलिए सोच रहा हूं, अब मैं घोषणाएं करने की जगह आगे के लिए गारंटी देना शुरू कर दूं। सरकार बनते ही आपको दी हुई गारंटी को पूरा करूंगा। गहलोत जयपुर में राजीविका सखी सम्मेलन में बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा- हम एक करोड़ महिलाओं को आगे फ्री स्मार्टफोन देने के लिए गारंटी कार्ड देने जा रहे हैं। 20 अगस्त से गारंटी कार्ड बांटने की शुरुआत करने जा रहे हैं। गारंटी कार्ड लेने वाली महिलाओं को आगे फ्री स्मार्टफोन मिलेंगे। महंगाई राहत कैंपों के जरिए भी 10 तरह की गारंटी दी गई है। आगे भी हम गारंटी देंगे। सरकार ने फैसले करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। राजस्थान का विकास हो रहा है। महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक स्कीम दे रहे हैं। महिलाएं भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। जिस प्रकार से हमारे प्रदेश की महिलाओं ने आगे आकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। वह मिसाल है।

मीटिंग में आने वाली महिलाओं का घूंघट अपने आप ऊपर हो जाता है

गहलोत ने कहा- राजीविका में महिलाओं ने अच्छा काम किया है। मुझे बताया गया है कि महिलाएं मीटिंग में आती हैं। धीरे-धीरे घूंघट अपने आप ऊपर हो जाता है, होना भी चाहिए। जब पहली बार पंचायत चुनाव हुए, महिलाएं गांव में सरपंच बनीं तो सरपंच बनने के बाद उनके पति सारा काम संभालते थे।

पहले सरपंच पति, प्रधान पति और प्रमुख पति का अधोषित पद बन गया था

गहलोत ने कहा- पहली बार जब सरपंचों के चुनाव हुए तो महिला सरंपच के पति साथ आते थे। मीटिंग में बैठते थे। सरपंच बनी पत्नी तो घूंघट में है। नीचे बैठी थी और सरपंच पति हमारे साथ ऊपर आकर बैठते थे। कई बार मीटिंग में पूछते थे कि आप सरपंच नहीं हो, आपकी पत्नी सरपंच है।

आप ऊपर जाकर कैसे बैठ गए तो कहते थे कि मैं सरपंच पति हूं। मैं कहता था कि सरपंच पति, प्रधान पति, प्रमुख पति नई पोस्ट क्रिएट कर दी आप लोगों ने। अब हालात बदल गए हैं। धीरे-धीरे महिलाओं में जागरूकता आई और सरपंच, प्रधान, प्रमुख बनी महिलाओं ने पति से कहना शुरू कर दिया कि हम काम संभाल लेंगी। आप घर जाकर बैठिए। इतना अंतर आया है।

हमारे संस्कार अच्छे हैं, महिला पुरुष से पूछे बिना काम नहीं करती

गहलोत ने कहा- हमारे समाज में पुरुषों का वर्चस्व रहा है। हमारे संस्कार अच्छे हैं कि बिना पुरुष को पूछे हुए महिला काम नहीं करती। अब धीरे-धीरे महिलाएं अपने अधिकारों को समझ गई हैं। महिलाओं को संविधान में अधिकार दिया है। महिलाएं अब अपने संवैधानिक अधिकारों को उपयोग में ले रही हैं।

2030 तक विकसित राजस्थान बनाने में सुझाव दें महिलाएं

गहलोत ने कहा- हम 2030 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए विजन-2030 के तहत जनता से सुझाव ले रहे हैं। महिलाएं भी विजन 2030 में अपने सुझाव दें। 2030 तक क्या करना चाहिए, प्रदेश को किस तरह विकसित करना है, उस पर अपने सुझाव दीजिए।

मंत्री-विधायक को धमकाने वाले डकैत की पुलिस से मुठभेड़

भाई और साथी के पैरों में लगी गोली, गर्लफ्रेंड के साथ खेतों में भागा

धौलपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। धौलपुर में ईनामी डकैत ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी आरोपियों पर फायरिंग की। मुठभेड़ में दो डकैतों के पैरों में गोली लगी।

वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर डकैत लुक्का गुर्जर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ फरार हो गया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

लुक्का गुर्जर इलाके के सबसे कुख्यात डकैतों में शामिल है और इस पर मंत्री रमेश मीणा और विधायक गिर्राज मलिंगा को भी धमकी देने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार मुठभेड़ आंगई बांध के पास हुई। सूत्रों के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि लुक्का गुर्जर अपनी गर्लफ्रेंड, भाई और छह साथियों के साथ आंगई बांध के आसपास है।

सर्च के दौरान पुलिस ने जब एक बोलेरो को रुकवाया तो डकैत और उसके साथियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में डकैत लुक्का का भाई रवि गुर्जर और उसका साथी अशोक गुर्जर घायल हो गया।

धौलपुर एसपी मनोज कुमार के निर्देश पर कार्रवाई करने पहुंचे सीओ सिटी सुरेश सांखला ने बताया कि पुलिस को डकैत गिरोह के गढ़ी बाजना से आने की सूचना मिली थी। इस पर सीओ सिटी के साथ आंगई थाना पुलिस, क्यूआरटी और डीएसटी के साथ साइबर की टीम ने आंगई बांध के किनारे नाकाबंदी शुरू कर दी।

पुलिस की टीम का नेतृत्व कर रहे सीओ सिटी सुरेश सांखला ने बताया कि डकैतों की बोलेरो में आंगई बांध के पास पहुंचते ही पुलिस की गाड़ियों को देखकर फायरिंग शुरू कर दी। सीओ ने बताया कि बोलेरो गाड़ी में डकैत लुक्का और उसकी प्रेमिका के साथ 7 लोग सवार थे, जिनमें से 2 लोग पुलिस हिरासत में है।

25 और 15 हजार के इनामी है दोनों भाई

डकैत लुक्का गुर्जर गिरोह पर एसपी द्वारा इनाम घोषित है। रात को हुई मुठभेड़ में घायल लुक्का के भाई रवि गुर्जर पर एसपी द्वारा 15 हजार रुपए का इनाम घोषित है। वहीं, डकैत धर्मेंद्र उर्फ लुक्का गुर्जर पर पुलिस की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस मुठभेड़ में 15 हजार रुपए का इनामी डकैत रवि गुर्जर पकड़ा गया है।

भाई की हत्या का बदला लेने के लिए बना डकैत

साल 2009 में जमीनी विवाद को लेकर धर्मेंद्र के बड़े भाई की हत्या हुई थी। हत्या उसी के साले ने की थी। इसके बाद कुछ महीने बाद ही भाई का बदला लेने के लिए धर्मेंद्र ने बंदूक उठा ली और भाई के साले को सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी।

यहीं से धर्मेंद्र को अपराध की दुनिया ने लुक्का के नाम से नहीं पहचान दी, जिसके बाद उसने अपराध जगत में कदम रखते हुए लूट, फिरौती और अपहरण जैसी वारदातों को अंजाम दिया।

डकैत धर्मेंद्र उर्फ लुक्का गुर्जर के गिरफ्तार हो जाने के बाद वह पैरोल पर फरार हो गया। वर्ष 2017 में पैरोल पर फरार हो जाने के बाद उसने वर्ष 2020 में मंत्री रमेश मीणा और विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को धमकी देने के बाद चर्चा में आया था।

जैसलमेर में पाकिस्तानी सिम के इस्तेमाल पर रोक

बॉर्डर के अंदर तक पाकिस्तानी मोबाइल का नेटवर्क आने पर कलेक्टर ने लगाया 4 महीने के लिए बैन

जैसलमेर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जैसलमेर कलेक्टर आशीष गुप्ता ने भारतीय सीमा के अंदर पाकिस्तानी लोकल सिम के इस्तेमाल करने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया हैं। ये आदेश अगले 12 दिसंबर 2023 तक प्रभावी रहेगा। दरअसल जैसलमेर जिले से लगने वाली पाकिस्तानी सीमा वाले इलाके में पाकिस्तानी मोबाइल टावरों का नेटवर्क भारतीय सीमा के अंदर 3-4 किमी तक आता है। इस कारण पाकिस्तानी लोकल सिम से पाकिस्तानी नेटवर्क के जरिए आसानी से कनेक्ट किया जा सकता है। इस तरह से राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा पैदा हो सकता है। इसको ध्यान में रखते हुए पाकिस्तानी लोकल सिम के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।

कलेक्टर आशीष गुप्ता ने आदेश जारी कर पाकिस्तानी लोकल सिम के इस्तेमाल पर तत्काल प्रभाव से बैन लगा दिया है। मजिस्ट्रेट की ओर से जारी किए गए आदेश के अनुसार सरहदी जैसलमेर जिले में किसी भी इलाके में जहां से कि पाकिस्तानी लोकल सिम से पाकिस्तानी नेटवर्क के जरिए कनेक्ट किया जा सकता है, वहां से कोई भी व्यक्ति पाकिस्तानी लोकल सिम का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा और न ही इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाएगी। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर में श्रद्धालुओं के जत्थे को प्राइवेट बस ने रौंदा

3 महिलाओं की मौके पर ही मौत हादसे में 4 भक्त घायल

जोधपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर में शनिवार सुबह एक प्राइवेट स्लीपर बस ने रामदेवरा (जैसलमेर) जा रहे जातरुओं (श्रद्धालुओं) के जत्थे को रौंद दिया। हादसे में तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 4 अन्य जातरू घायल भी हुए हैं। मृतक महिलाएं बूंदी व टोंक जिले की हैं। हादसे जिले के बिलाड़ा थाना क्षेत्र में खारिया-मीठापुर के करीब सुबह 4.30 बजे हुआ।

जैसलमेर के रामदेवरा में भाद्रपद महीने में मेला भरता है। जिसमें शामिल होने के लिए जातरू पैदल रामदेवरा पहुंच रहे हैं। जोधपुर-जैसलमेर हाईवे पर बिलाड़ा के पास सड़क पर शनिवार सुबह पैदल चल रहे इन्हीं जातरुओं के जत्थे को स्लीपर कोच प्राइवेट बस ने रौंद दिया।

हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया और पुलिस को सूचना दी गई।

बिलाड़ा एसएचओ घेवर सिंह ने बताया कि हादसा सुबह 4.35 बजे हुआ। नेशनल हाईवे बाइपास पर रामदेवरा यात्री पैदल जा रहे थे। इस दौरान जयपुर से आई स्लीपर बस ने पैदल जा रहे हैं यात्रियों को पीछे से टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार लाल रंग की स्लीपर कोच ने सड़क किनारे चल रहे जातरूओं के जत्थे को टक्कर मारी। इसके बाद ड्राइवर बस लेकर फरार हो गया। पीछे आ रही जाखड़ ट्रैवल्स की बस के एक यात्री ने घटना की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि घायलों का इलाज बिलाड़ा हॉस्पिटल में चल रहा है। मरने वालों में आशा (40) पत्नी भोमाजी निवासी नैनवां (बूंदी), बादाम देवी (35) पत्नी राजेश, निवासी राजनगर देवली (टोंक), प्रेम देवी (50) पत्नी रमेश निवासी देवली (टोंक) की मौत हो गई।

इसके अलावा मनभर देवी निवासी हिंडोली बूंदी, हेमराज निवासी सीतापुरा टोंक, मीना निवासी नयाबास गोठड़ा टोंक और नेराजी देवी निवासी नैनवां बूंदी घायल हैं, जिनका बिलाड़ा हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

हादसे की जानकारी होने के साथ ही उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार, विकास अधिकारी पन्नू सा एवं शिक्षा विभाग के कानाराम हिमार बिलाड़ा पीएचसी के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती घायलों का हाल जानने पहुंचे। वहां उन्होंने उपचार एवं इलाज की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मृतकों एवं घायलों की पहचान होने के बाद उनके साथ चल रहे अन्य श्रद्धालुओं से जानकारी जुटाकर परिजनों को सूचित किया गया।

कांग्रेस के सर्वे बढ़ा रहे उम्मीदवारों की चिंता

120 सीटों पर बदलाव की जरूरत, 5 मंत्री और 10 दिग्गजों की स्थिति खराब

जयपुर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के तीन सर्वे बड़े बदलाव के संकेत दे रहे हैं। तीनों सर्वे के नतीजे बताते हैं कि 200 सीटों में से 120 पर प्रत्याशी बदलने की जरूरत है।

इनमें 45 तो विधायक और 75 हारे हुए प्रत्याशी हैं। सर्वे ने जिन विधायकों के टिकट बदलने की बात कही गई है, उनमें 5 मंत्री और 10 से अधिक दिग्गज नेता भी शामिल हैं। इनमें दो मंत्रियों की स्थिति दो सर्वे में खराब, लेकिन तीसरे सर्वे में ठीक बताई गई है। ऐसे में उन्हें पार्टी ने मार्जिनल सीट कहा गया है।

ऐसी मार्जिनल सीटों की संख्या 22 से 25 है। कुछ सीटों पर भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही मजबूत बताया गया है। कुछ प्रत्याशी शुरू के दो सर्वे में कमजोर और तीसरे सर्वे में मजबूत बताए गए। सात दिग्गजों को बहुत मजबूत बताया गया। इनमें सीएम अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री राजकुमार शर्मा, दिव्या मदेरणा, मदन प्रजापत, सुखराम विश्नोई शामिल हैं।

तीनों सर्वे में जिन मंत्रियों की स्थिति ठीक बताई गई है, उनमें प्रतापसिंह खाचरियावास, शकुंतला रावत, ममता भूपेश, मुरारीलाल मीणा, खिलाड़ीलाल बैरवा, टीकाराम जूली, विश्वेंद्र सिंह, महेंद्रजीत सिंह मालवीया, राजेंद्र यादव, रामलाल जाट, अशोक चांदना और भजनलाल जाटव शामिल हैं। मंत्री शांति धारीवाल या परिवार में से किसी को टिकट दिए जाने पर सर्वे पक्ष में दिखा।

सोते ड्राइवर का मर्डर कर ट्रक लूटा था, अब 3 गिरफ्तार

अलवर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर के रामगढ़ थाना क्षेत्र के ललावंडी में लावारिश मिले ट्रक में ड्राइवर का शव मिलने की मर्डर मिस्ट्री का खुलासा करते हुए पुलिस ने 3 को गिरफ्तार किया है। दो अन्य की तलाश जारी है। जिन्होंने मिलकर जयपुर-दिल्ली के बीच में बिलासपुर होटल के बाहर रोड किनारे गाड़ी खड़ी कर आराम कर रहे ड्राइवर पर हमला कर उसकी हत्या कर ट्रक व माल लूट ले गए थे। शव को ट्रक में पीछे रखे सामान में छिपाकर ले गए। लेकिन रामगढ़ के पास ललावंडी के निकट रोड पर ट्रक बंद हो गया था। बाद में आरोपी उसे छोड़ गए थे। जीपीएस के आधार पर ट्रक मालिक दूसरे ड्राइवर को लेकर ट्रक लेकर चला गया। लेकिन रास्ते में ट्रक के पीछे से खून निकला देखा था। तब पता लगा कि ड्राइवर का शव ट्रक में है।

एचसीयू एनएसएस सेल द्वारा सफाई अभियान अयोजित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सेल, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने शनिवार को बागवानी विभाग के समन्वय से स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज में एक सफाई अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने परिसर में और इमारत की छत पर सूखी पत्तियों को साफ किया, झाड़ियों और पेड़ों की शाखाओं को काटा, जो इमारत की दीवारों और छत को नुकसान पहुंचा रहे थे। लगातार बारिश के बावजूद स्वयंसेवकों ने सुबह 6 बजे से 10:30 बजे तक लगभग 4 घंटे 30 मिनट तक काम किया। डॉ. बी. कृष्णैया, एनएसएस समन्वयक और डॉ. भीम सिंह, कार्यक्रम अधिकारी ने गतिविधि में भाग लेते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में उद्यान विभाग से प्रियंका प्रियदर्शिनी, सुप्रभा महतो, मोहम्मद जुनैद, महेंद्र, अजय प्रकाश, सन्नी कुमार, सोनू वर्मा, योगेन्द्र प्रताप सिंह, संदीप सिंह, पोनागंती अभिलाष, के वेंकटदास और प्रकाश एवं उनकी टीम ने भाग लिया।

लेह में बड़ा हादसा : सेना का वाहन फिसलकर गहरी खाई में गिरा

नौ जवान शहीद, कई घायल

लेह, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लद्दाख के लेह जिले में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा। एक अधिकारी ने बताया कि घटना में नौ सैनिक शहीद हो गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना शनिवार शाम दक्षिणी लद्दाख के न्योमा के केरी में हुई है। फिलहाल मौके पर बचाव दल पहुंच गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा है। हादसे में मरने वाले सैनिकों में आठ जवान और एक जेसीओ शामिल हैं। इसके अलावा एक जवान के घायल होने की जानकारी सामने आ रही है। सैनिक कारू गैरीसन से लेह के पास क्यारी की ओर बढ़ रहे थे। दुर्घटना में कई सैनिकों को चोटें भी आई हैं।

मुख्य सचिव ने गांव का दौरा किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 26 अगस्त को स्वतंत्रता भारत वज्रोत्सव समारोह के समापन समारोह के दौरान रंगारेड्डी जिले के मंचिरेवुला वन रेक पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। सीएस ने आज मंचीरेवुला गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लिए हरितहारम कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 26 अगस्त को राज्य भर में एक करोड़ पौधे लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सीएस ने वन विभाग के अधिकारियों को पौधारोपण के लिए चयनित क्षेत्र में गड्ढा खोदने और उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को मुख्यमंत्री के दौरे से संबंधित व्यवस्थाएं पूरी करने की भी सलाह दी गयी।

इस यात्रा में सीएमओ ओएसडी प्रियंका वर्गीस, रंगारेड्डी जिला कलेक्टर हरीश, साइबराबाद अतिरिक्त सीपी अविनाश और जिला वन अधिकारी सुधाकर रेड्डी ने भाग लिया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आज स्वीप जागरूकता कार्यक्रम के तहत जीएचएमसी विभाग सर्कल-9 चारमीनार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए बीआरएस पार्टी चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी एमडी सलाउद्दीन लोधी, जीएचएमसी के डिप्टी कमिश्नर डीडी नाइक सर्कल-9 (ईआरओ), चामुंडेश्वरी एएमसी, (एईआरओ) वाई. रामकृष्ण अधीक्षक, डी के साथ सर्कल-9 व अन्य।

हिंदी के प्रचार-प्रसार में मॉरीशस की भूमिका पर चर्चा व कवि गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की मासिक गोष्ठी नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न हुई। वरिष्ठ कवयित्री रत्नकला मिश्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की गतिविधियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस गोष्ठी में हिंदी और संस्कृत की विद्वान साहित्यकार व कहानीकार डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में मॉरीशस की भूमिका विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया और कहा कि मॉरीशस मे महात्मा गाँधी हिंदी संस्थान हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय है। वहाँ हिंदी पुस्तकों का एक बड़ा पुस्तकालय भी है। कवि गोष्ठी में नगरद्वय के हिंदी और उर्दू कवियों द्वारा कविताएँ प्रस्तुत की गयी। कवियों ने अपने नये गीत, ग़ज़ल और कविताएँ प्रस्तुत कर ख़ूब वाहवाही लूटी और एक समाँ बाँध दिया। कविता पाठ करने वाले कवियों में नगरद्वय के जाने-माने कवियों के साथ युवा कवियों ने भी भाग लिया, जिनमें सदानंद लाल गोगीकार, पत्रकार सबील, डॉ. मुमताज सुल्ताना, प्रो. नसीम जैदी, रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, डॉ. फरीदुदीन सादिक़, अंजनी कुमार गोयल, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अनिल कुमार गुप्ता, ललित कुमार अग्रवाल आदि के नाम शामिल हैं।

सत्य ही संसार में ईश्वर है : भानु प्रताप दुबे

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री बालाजी मठ मंदिर लोकन्यास, ग्वालियर के चेयरमैन व गौरक्षा, गौ माता फाउन्डेशन के राष्ट्रीय मंत्री पंडित भानुप्रताप दुबे ने कहा कि धर्म ही सत्य, सत्य ही शिव चित्त को सत्य चिंतन में लगाकर मनुष्य जीवन की श्रेष्ठता है और परमात्मा का सक्षात्कार है। भू-लक्ष्मी मंदिर, बेगमबाजार छत्री में प्रवचन करते हुए श्री दुबे ने कहा कि धर्म से ही धन, सुख तथा सब कुछ प्राप्त होता है। इस संसार में धर्म ही सार वस्तु है। उन्होंने कहा कि 'सत्यमेवेश्वरो लोके सत्ये धर्म, सदाश्रितः सत्य मूलनि सर्वाणि सत्यान्नस्ति परं पदम्।। अर्थात सत्य ही संसार में ईश्वर हैं, धर्म भी सत्य के ही आश्रित है, सत्य ही समस्त भव-विभव का मूल है। श्री दुबे ने कहा कि उत्साह बड़ा बलवान होता है। उत्साह से बढ़कर कोई बल नहीं, उत्साही पुरुष के लिये संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। परहित से बडा कोई धर्म नहीं है, गुरु मंत्र से बडा कोई रास्ता परमात्मा के साक्षात्कार के लिए नही है। इस अवसर पर प्रमुख बल्लभदास मूंदड, नवल किशोर जाजू, नवनीत दास आदि उपस्थित रहे।

अभयंजनेय स्वामी मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए हुई भूमि पूजा

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट बोर्ड के छठे वार्ड नंदमुरी नगर अभयंजनेय स्वामी मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए भूमि पूजा की गई। कार्यक्रम में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने मंदिर में आयोजित विशेष पूजा कार्यक्रमों में भाग लिया। इस मौके पर जम्पना प्रताप ने कहा कि तीस साल पहले उन्होंने हनुमान मंदिर को नंदमुरी नगर के झुग्गीवासियों के लिए सुलभ बनाने के लिए विशेष प्रयास किया था। मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य शुरू होना खुशी की बात है। इन पूजा आयोजनों में बोर्ड के पूर्व सदस्य के. पांडु यादव, विद्यावती दंपत्ति, श्रीनिवास यादव, श्याम गौड़ परिवार के स्थानीय सदस्यों ने भाग लिया।

जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पुलिस में एवी रंगनाथ के पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के तुरंत बाद भूमि कब्जा करने वालों पर कार्रवाई शुरू की थी। भूमि कब्जा के मामलों की जांच करने के अपने प्रयासों को जारी रख रही है। इसके हिस्से के रूप में, उन्होंने एक और कदम आगे बढ़ाया है और भूमि हड़पने वालों के खिलाफ निवारक निरोध अधिनियम का पंजीकरण शुरू किया है। रंगनाथ ने अब एक भूमि हड़पने वाले के खिलाफ पीडी अधिनियम लागू करने के आदेश जारी किए हैं, जिसने न केवल जमीन हड़पी बल्कि झूठे दस्तावेजों के साथ बैंक ऋण भी प्राप्त किया। आदेश की प्रति केयूसी इंस्पेक्टर अब्बैया ने चेरलापल्ली जेल में आरोपी को सौंपी थी। विवरण में जाने पर, गोपालपुर इलाके के वलाबोजू केदारेश्वर (38), एक सिविल इंजीनियर, ने अपने कंप्यूटर ज्ञान का उपयोग जरूरतमंदों को बैंक ऋण के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार करने और प्रदान करने के लिए किया। साथ ही, उन्होंने विदेश में रहने वाले लोगों से संबंधित भूखंडों, स्थलों के लिए जीपीए दस्तावेज़ तैयार किए।

ट्रांसजेंडर बने 19 पुरुष गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की उत्तरी क्षेत्र पुलिस ने ट्रांसजेंडर बनकर लोगों को ठगने वाले 19 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर बस यात्रियों, दुकानदारों और भोले-भाले लोगों को ट्रैफिक सिग्नल पर गलत तरीके से रोककर उनसे पैसे वसूलने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक बीते 18 अगस्त को गश्ती दल के कर्मचारियों ने अपने गश्ती कर्तव्यों का पालन करते हुए पाया कि कुछ लोग संदिग्ध तरीके से जुबली बस के पास, पैराडाइज चौराहे, स्वीकार उपकार जंक्शन जैसे भीड़ भरे ट्रैफिक सिग्नलों पर यात्रियों, पैदल यात्रियों, यात्रियों और दुकानदारों से जबरन पैसे वसूल रहे थे। महानकाली, रामगोपालपेट, मेरेडपल्ली और गोपालपुरम पुलिस स्टेशनों की सीमा के अंतर्गत स्टैंड और संगीत चौराहा और उन्हें हिरासत में ले लिया और पुलिस स्टेशनों में ले आए। चारों मामलों में 19 अपराधियों को थाने लाया गया. पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया और कहा कि वे मूल रूप से पुरुष हैं और ट्रांसजेंडर का रूप धारण करने के लिए उन्होंने महिलाओं की तरह कपड़े पहने थे। सभी अपराधियों से संपत्ति जब्त कर ली गई।

26 फरवरी, 2024 से आयोजित होगा बायोएशिया : मंत्री

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने शनिवार को कहा कि राज्य का प्रमुख कार्यक्रम, बायोएशिया 2024, अगले साल 26 से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। थीम "डेटा और एआई: संभावनाओं को फिर से परिभाषित करना", बायोएशिया 2024 स्वास्थ्य देखभाल, फार्मास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाएगा। बायोएशिया का 21वां संस्करण एक असाधारण मंच होने का वादा करता है जहां डेटा और एआई जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने के लिए एकत्रित होते हैं। कार्यक्रम की घोषणा के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि बायोएशिया हमेशा परिवर्तनकारी विचारों और साझेदारी के लिए उत्प्रेरक रहा है। डेटा और एआई का विषय हैदराबाद की प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान के अद्वितीय अभिसरण को दर्शाता है, जो स्वास्थ्य देखभाल नवाचार के एक नए युग को आकार देता है। ईवाई के साथ साझेदारी में आयोजित बायोएशिया 2024 इस बात पर गहराई से प्रकाश डालेगा कि कैसे डेटा विज्ञान और जीवन विज्ञान का संलयन परिवर्तनकारी सफलताओं की शुरूआत कर सकता है, जिससे एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। मंत्री ने आयोजन के लिए वेबसाइट www.bioasia.in/2024 का भी अनावरण किया।

श्रृंग ऋषि भवन में सर्व सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा लद्दाख में हुए शहीद हुए सिखवाल गौरव लादूलाल व्यास को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसमें भाग लेते हुए समाज के रामदेव नागला व अन्य। गौरतलब है कि वीरों की भूमि चित्तौड़गढ़ जिला राशमी उपखंड के रुद गाँव निवासी श्री एवं श्रीमती प्रभुलालजी डालीदेवी के पुत्र थे।

मनीकोंडा स्थित शिवालयम में सावन मास हरियाली तीज के पावन अवसर पर पूनम ग्रूप महिलाओं द्वारा आयोजित पूजा-अर्चना व सत्संग कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्षा सुशीला देवडा व महिलाएं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हुई फाइव-के दौड़

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में महेश्वरम, राजेंद्रनगर, इब्राहिमपटनम, शादनगर, चेवेल्ला, शेरलिंगमपल्ली एलबी नगर, कलवाकुर्ती विधान क्षेत्र निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए 5 के दौड़ उत्साहपूर्वक हुई। हर जगह बड़ी संख्या में विभिन्न समुदायों के लोगों ने 5 किमी की दौड़ में भाग लिया। दौड़ में आशा कार्यकर्ता, आंगनबाडी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, एएनएम, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ड्वाक्रा संघ के सदस्य, युवा संघ के प्रतिनिधि, छात्र, स्थानीय निकायों के जन प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्वाचन आयोग जिला कलक्टर हरीश के निर्देशानुसार 5 के दौड़ में निर्वाचन क्षेत्रों कलेक्टर के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी और निर्वाचन विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए।

रंबल स्ट्रिप की चिंताओं पर कार्रवाई का वादा

सीपी सीवी आनंद ने ट्वीट का दिया जवाब

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य पर रंबल स्ट्रिप्स के प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करने वाले एक ट्वीट का जवाब दिया है। ट्वीट ने रंबल स्ट्रिप्स के संभावित नकारात्मक प्रभावों के बारे में चर्चा शुरू की, जिसमें बताया गया कि कुछ स्ट्रिप्स इतनी मोटी हैं कि वे पूरे शरीर में कंपन पैदा करती हैं। आयुक्त सीवी आनंद ने ट्वीट में उठाई गई चिंताओं को स्वीकार किया और नागरिकों को आश्वासन दिया कि वह ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आयुक्त के साथ इस मुद्दे को संबोधित करेंगे। उन्होंने इन रंबल स्ट्रिप्स की स्थापना के पीछे के तर्क को समझने और अधिक जानकारी प्रदान करने का इरादा व्यक्त किया। ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया में, आयुक्त आनंद ने कहा, "चूंकि आप में से बहुत से लोग रंबल स्ट्रिप्स पर घृणा व्यक्त कर रहे हैं, मैं जीएचएमसी आयुक्त के साथ इन्हें लगाने के पीछे के तर्क पर चर्चा करूंगा और आपसे संपर्क करूंगा।"उन्होंने लापरवाह ड्राइविंग व्यवहार पर अंकुश लगाने के महत्व पर प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि हैदराबाद में ऐसे सवार और रेसर हैं जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि कुछ लोगों को ये उपाय असुविधाजनक लग सकते हैं, लेकिन इन्हें जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करने और ड्राइवरों और पैदल चलने वालों दोनों की सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विश्वविश्वानी इंस्टीट्यूट ने किया 18वें पीजीडीएम कार्यक्रम का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट (वीवीआईएसएम) ने अपने 18वें पीजीडीएम कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके अंतर्गत छात्रों के उज्ज्वल भविष्य हेतु 5 एमओयू का आदान प्रदान हुवा। इस संदर्भ में, वीवी इंस्टीट्यूशंस ग्रुप अध्यक्ष जीएसएस वेंकटेश्वर राव ने इस 18वें पीजीडीएम कार्यक्रम उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की, जिन्होंने नूतन रूप से शामिल वीवीआईएसएम परिवार का स्वागत किया। वीवीआईएसएम के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट (वीवीआईएसएम) तब एक महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी बना जब इसने विशिष्ट अतिथियों, अध्यापकों एवं छात्र- छात्राओं की एक खास सभा के बीच अपने 18वें पीजीडीएम कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जिसमें एक समृद्ध शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत को चिह्नित किया गया, जो सम्मानित अतिथियों की अंतर्दृष्टि और समग्र शिक्षा के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता से प्रेरित रही। इस मामले में वीवी इंस्टीट्यूशंस ग्रुप अध्यक्ष जीएसएस वेंकटेश्वर राव ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करने के बाद नूतन रूप से शामिल वीवीआईएसएम परिवारों का गर्मजोशी से हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में वीवीआईएसएम निदेशक डॉ. वाई. लक्ष्मण कुमार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मजबूत पाठ्यक्रम और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और उद्योग की मांगों के बीच अंतर को पाटने में संस्थान की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

मोंडा मार्केट, सिकंदराबाद स्थित कार्यालय में सिकंदराबाद-बोइनपल्ली व्यापारी संघ की बैठक में भाग लेते हुए अध्यक्ष ए. गौतम जैन, संयुक्त सचिव आनंद बंग, कोषाध्यक्ष मधु बाबू, कार्यकारिणी सदस्य सी. रविचन्द्रा, राकेश पुनेरिया, राजाराम चौधरी, जे. बालाजी व अन्य।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यू-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में अंतिम ने गोल्ड जीता

लगातार दो बार गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर

फाइनल में मारिया को 4-0 से हराया

अम्मान, 19 अगस्त (एजेंसियां)। अंतिम पंघल ने अंडर 20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीत कर इतिहास रच दिया। अंतिम लगातार दो बार अंडर 20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई। उन्होंने यहां 53 किग्रा में खिताब अपने नाम किया।

अंतिम ने यूक्रेन की मारिया येफ्रेमोवा को 4-0 से हराया। पिछले साल वो अंडर 20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। अंतिम अब सीनियर स्तर पर भी खेलती हैं।

सविता ने 62 किग्रा में गोल्ड जीता

चैंपियनशिप के एक अन्य मुकाबले में सविता ने 62 किग्रा में खिताब जीता। प्रिया मलिक ने 76 किलोवर्ग में खिताब जीता था। 62 किग्रा के फाइनल में सविता ने वेनेजुएला की ए पाओला को हराया। अंडर 20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप 2023 जॉर्डन के अम्मान इंटरनेशनल स्टेडियम में 14 से 20 अगस्त तक खेली जा रही है।

एशियन गेम्स 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी अंतिम

एशियन गेम्स 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी अंतिम अंतिम सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स में 53 किग्रा की कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। दरअसल, चोटिल विनेश फोगाट के नाम वापस लेने से उन्हें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका मिला है। दरअसल, विनेश रोहतक में ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गई हैं। चीन के होंगजोऊ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक एशियन गेम्स होना हैं।

विनेश का किया था विरोध

इंडियन ओलिंपिक कमेटी की ओर से गठित एडहॉक कमेटी ने विमेंस के 53 किलो वेट में विनेश फोगाट को और मेंस के 65 किलो वेट में बजरंग पूनिया को डायरेक्ट एशियन गेम्स में भेजने का फैसला लिया है।

ओलिंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स-2022 में डायरेक्ट एंट्री के विरोध में अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल ने दिल्ली हाई कोर्ट में अपील की थी। हालांकि हाईकोर्ट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था।

इसके बाद विनेश और बजरंग के एशियन गेम्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया था। लेकिन, विनेश चोटिल हो गईं और अब अंतिम एशियन गेम्स के 53 किग्रा वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ट्रायल में अंतिम रही थी टॉप पर

एडहॉक कमेटी की ओर से 22 और 23 अगस्त को दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एशियन गेम्स के लिए ट्रायल हुए थे। इसमें 53 किलो वेट कैटेगरी में अंतिम टॉप पर रही थीं।

आईपीएल 2022 से बीसीसीआई ने 2400 करोड़ कमाए

पांच साल की रिपोर्ट जारी, 2017-2022 तक 22 हजार करोड़ से ज्यादा कमाई की

कमाता है बीसीसीआई

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के आयोजन से लगभग 2400 करोड़ रुपए की कमाई की है।

बीसीसीआई की वेबसाइट पर 2021-22 तक के पांच सालों की एनुअल रिपोर्ट जारी हुई। इसमें पता चला कि बोर्ड ने साल 2017 से अप्रैल 2022 तक 2.7 बिलियन डॉलर (22 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा कमाए हैं।

आईपीएल 2022 से बीसीसीआई को 2,400 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। बोर्ड को आईपीएल 2022 से 6 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई हुई थी, जिसमें से लगभग 3900 करोड़ रुपए टूर्नामेंट में खर्च हो गए।

आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई थी। इसके बाद से ही इस क्रिकेट लीग ने मीडिया राइट्स और ब्रांडिंग से अरबों रुपए की कमाई की है। इसके चलते दुनियाभर में क्रिकेट लीग का ट्रेंड बढ़ गया है।

ऐसे आईपीएल से पैसा कमाता है बीसीसीआई

मीडिया राइट्सः मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, यानी आईपीएल के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलिकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है जिसके पास मीडिया राइट्स हों। इससे ही बीसीसीआई को सबसे ज्यादा रेवेन्यू मिलता है।

टाइटल स्पॉन्सरशिपः साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे। वहीं 2023 में ये आंकड़ा सालाना 300 करोड़ से ज्यादा हो गया। टाटा और बीसीसीआई के बीच दो साल की डील हुई है, इसके लिए कुल 600 करोड़ दिए गए।

फ्रें चाइजी फीसः कोई भी नई टीम जब आईपीएल का हिस्सा बनती है, इसके लिए फ्रें चाइजी फीस देनी होती है। ये पूरा प्रोसेस बोली लगाकर होता है, जिसमें अलग-अलग कंपनियां या ग्रुप टीम खरीदने के लिए बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा बनते हैं। साल 2022 में जब गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स लीग का हिस्सा बनीं, तो बीसीसीआई के खाते में 12500 करोड़ जुड़ गए।

48390 करोड़ रुपए में बिके थे आईपीएल मीडिया राइट्स

करीब एक साल पहले बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 से 2027 तक के मीडिया राइट्स 48,390.52 करोड़ रुपए में बेचे थे। डिज्नी स्टार ने भारतीय महाद्वीप के टीवी राइट्स को 23575 करोड़ रुपए में खरीदा। वायकॉम 18 ने भारतीय महाद्वीप के डिजिटल राइट्स को 20500 करोड़ रुपए में और चुनिंदा 98 मैचों के नॉन एक्सक्लूसिव डिजिटल राइट्स को 3,258 करोड़ रुपए में खरीद लिया था। पढ़ें पूरी खबर

टीम इंडिया के मैचों के मीडिया राइट्स भी बेचेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई को टीम इंडिया के भारत में होने वाले मैचों की मीडिया राइट्स की नीलामी से बड़ी राशि मिलने की उम्मीद है। एशिया कप से पहले होने वाली इस नीलामी से भारतीय बोर्ड को एक बिलियन डॉलर (करीब 8200 करोड़ रुपए) मिल सकते हैं। बोर्ड 2028 तक के 88 होम मैचों के मीडिया राइट्स नीलाम करेगा। इनमें किसी आईसीसी टूर्नामेंट के तहत होने वाले मुकाबले शामिल नहीं हैं। इनमें सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज के तहत भारत में होने वाले मुकाबले ही शामिल हैं।

हॉकीः भारत ने स्पेन को 6-2 से हराया, रोहित और सुदीप ने किए दो गोल

डसेलडोर्फ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन ने पहले मिनट में ही गोल कर भारत के ऊपर दबाव बना दिया। अल्वारेज ने मैदानी गोल किया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया, लेकिन स्पेन ने इसका अच्छा बचाव करते पहले पहले क्वार्टर में बढ़त अपने पास रखी।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम - फोटो : सोशल मीडिया

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेन को 6-2 से शिकस्त देकर चार देशों के टूर्नामेंट में अपना विजयी आगाज शुरू किया।

रोहित ने 28वें और 45वें मिनट में और सुदीप चिरमाको ने 35वें व 58वें मिनट में दो-दो गोल किए जबकि अमनदीप लकड़ा ने 25वें मिनट और बॉबी सिंह धामी न53वें मिनट में भारत के लिए एक-एक करने में सफल हुए। वहीं, निकोलस अल्वारेज ने पहले और कोरोमिनास ने 23वें मिनट में स्पेन के लिए एक-एक गोल किए।

स्पेन ने पहले मिनट में ही गोल कर भारत के ऊपर दबाव बना दिया। अल्वारेज ने मैदानी गोल किया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया, लेकिन स्पेन ने इसका अच्छा बचाव करते पहले पहले क्वार्टर में बढ़त अपने पास रखी।

दूसरे क्वार्टर में भी स्पेन के कोरोमिनास ने गोल कर स्पेनिश टीम की बढ़त 2-0 की। लेकिन इसके दो मिनट बाद ही अमनदीप ने गोल करके भारत की वापसी कराई। फिर भारत ने गोल करने का सिलसिला जारी खा और 28वें मिनट में रोहित ने गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में रोहित ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। फिर भारतीय टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आक्रामक प्रहार करते हुए गोल किए और इसका जवाब स्पेनिश टीम के पास नहीं था। भारत का शनिवार को मुकाबला मेजबान जर्मनी से होगा।

वर्ल्ड कप का मस्कट लॉन्चः महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया; फैंस चुन सकेंगे मस्कट का नाम

पुरुष टीम के कप्तान यश धुल और महिला टीम की कप्तान शेफाली वर्मा को भी बुलाया गया। दोनों कप्तानों की मौजूदगी में मस्कट लॉन्च हुआ। मस्कट के रूप में पुरुष बल्लेबाज और महिला गेंदबाज हैं, जो स्पोर्ट्स में जेंडर इक्वैलिटी को दर्शा रहे हैं।

महिला बॉलर मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, 'बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी है, जिससे बहुत तेज स्पीड से फायरबॉल निकलती है। बॉलर की तेज रिफ्लेक्स, फ्लेक्सिबिलिटी और स्ट्रेंथ उसे एक सुपरचार्ज्ड तेज गेंदबाज बना रही है। गेंदबाज की कमर पर 6 गेंदें बंधी हैं, जो उसकी अलग-अलग गेम-चेंजिंग टैक्टिक्स को दर्शा रही है।

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप का ऑफिशियल मस्कट लॉन्च कर दिया है। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट और महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है। आईसीसी के मस्कट लॉन्च इवेंट में भारत की अंडर-19 विमेंस टीम की कप्तान शेफाली वर्मा और अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल भी मौजूद रहे। इवेंट दिल्ली एनसीआर के गुड़गांव में आज शाम 4 बजे हुआ।

वनडे वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। पहला मैच पिछले वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दोनों ही मस्कट के ऑफिशियल नाम तय नहीं किए हैं। नाम तय करने के लिए आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर वोटिंग लिंक दी है, यहां फैंस अपना पसंदीदा नाम चुन सकते हैं। जिस नाम को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे, उसी नाम को वर्ल्ड कप के मस्कट का ऑफिशियल नाम माना जाएगा। बैटर नाम के 3 ऑप्शन टोंक, ब्लिट्ज और बैश हैं। वहीं बॉलर नाम के 3 ऑप्शन ब्लैज, पायरा और विक्स हैं।

आईसीसी के इवेंट में भारत की विजेता अंडर-19

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिपः मिश्रित एयर पिस्टल टीम ने जीता सोना, भारत दूसरे स्थान पर

बाकू, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारत इस समय एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर चल रहा है जबकि चीन पांच स्वर्ण और दो कांस्य पदक से शीर्ष पर काबिज है।

तेलंगाना के निशानेबाज ईशा सिंह और फरीदाबाद के शिवा नरवाल ने यहां आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय खेमे को खुश कर दिया। इस भारतीय जोड़ी ने स्पर्धा के फाइनल में तुर्किये की इलायडा तरहान और यूसुफ डिकेच की जोड़ी को 16-10 से पराजित कर देश के पदकों की संख्या दो कर दी।

भारत इस समय एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर चल रहा है जबकि चीन पांच स्वर्ण और दो कांस्य पदक से शीर्ष पर काबिज है। भारत ने बृहस्पतिवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में टीम कांस्य पदक जीता था।भारतीयों ने क्वालिफिकेशन दौर में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें ईशा ने 290 और नरवाल ने 293 अंक जुटाए। उनका कुल स्कोर 583 रहा जिससे उन्हें क्वालिफिकेशन दौर में शीर्ष पर रहने में मदद मिली और तुर्किये की जोड़ी 581 के कुल स्कोर से दूसरे स्थान पर रही। चीन और ईरान ने समान 580 अंक जुटाए लेकिन 'इनर 10' की बदौलत चीन तीसरे स्थान से फाइनल के लिए क्वालिफाई हुआ।

राइफल शूटरों ने किया निराश

भारत के राइफल निशानेबाजों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में निराशाजनक प्रदर्शन किया और वे क्वालिफिकेशन चरण की बाधा भी पार नहीं कर सके। मेहुली घोष (316.0) और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (314.2) की जोड़ी ने कुल 630.2 का स्कोर बनाया और क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहे। वहीं रमिता (313.7) और दिव्यांश सिंह पंवार (314.6) की दूसरी भारतीय जोड़ी कुल 628.3 का स्कोर बनाकर 77 टीमों में 17वें स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में शीर्ष चार टीमें ही फाइनल्स के लिए क्वालिफाई कर सकती हैं। चीन के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ की जोड़ी ने 632.7 अंक से क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल कर क्वालिफाई किया। चीन की इस जोड़ी ने ईरान को 16-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जबकि फ्रांस ने इस्राइल को 17-9 से पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। इससे चीन के पांच स्वर्ण पदक हो गए।

महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में परिनाज धालीवाल (118), गनेमत सेखों (118) और दर्शा राठौड़ (115) की टीम 351 अंक बनाकर कांस्य पदक जीतने वाली स्लोवाकिया (359) के बाद चौथे स्थान पर रही। अमेरिका ने इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर खाता खोला जबकि इटली ने रजत पदक हासिल किया।

स्टार एथलीट दुती चंद ने कहा- दर्द की दवा के कारण डोप जांच में हुई विफल, प्रतिबंध को देंगी चुनौती

भुवनेश्वर, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर और स्पोर्ट्स मेडिसन विशेषज्ञ डॉक्टर सुदीप सतपथी ने दुती के शरीर में कैंसर के लेवल 1 के लक्षण पाए थे। दुती का कहना है कि उन्होंने 15-20 दिन दर्द कम होने की दवा ली थी। बाद में जब दर्द कम हो गया तो बंद कर दी। भारत की सबसे तेज महिला धाविका दुती चंद को डॉक्टर ने नवंबर 2021 में कैंसर के प्रारंभिक चरण के लक्षणों के बारे में बताया था और खेल छोड़ने की सलाह दी थी। ये उस समय की बात है जब वह टोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर रेस में पहले चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थीं।

भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर और स्पोर्ट्स मेडिसन विशेषज्ञ डॉक्टर सुदीप सतपथी ने दुती के शरीर में कैंसर के लेवल 1 के लक्षण पाए थे। दुती का कहना है कि उन्होंने 15-20 दिन दर्द कम होने की दवा ली थी। बाद में जब दर्द कम हो गया तो बंद कर दी। मैंने यह सैंपल नाडा को दिया और डोप नतीजा पॉजीटिव आया।

दुती ने कहा कि मैं बहुत डर गई थी और नर्वस भी थी। सोच रही थी कि मेरी जिंदगी को क्या हो रहा है। एमआरआई रिपोर्ट के बाद चिकित्सकीय सलाह लेने वालीं दुती ने कहा कि उनकी समस्या 2021 में ग्रोइन इंजरी (पेट के निचले हिस्से) के बाद शुरू हुई। टोक्यो ओलंपिक के बाद राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में मैंने पेट के निचले हिस्से में काफी दर्द महसूस किया।

दुती ने कहा- मैंने डॉक्टरों से बात की लेकिन दर्द कम नहीं हुआ। जुलाई-अगस्त में ओलंपिक भी गई और अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। ओलंपिक से लौटने के बाद मैंने अल्ट्रासाउंड कराया लेकिन कुछ नहीं निकला। उसके बाद मैंने एमआरआई स्कैन कराया जिसमें डॉक्टर सतपथी ने बताया कि लेवल-1 के कैंसर ने अटैक शुरू कर दिया है। अगर खेलना नहीं छोड़ा तो स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है। दुती ने कहा- मेरे हार्मोंस में असंतुलित हुई, हो सकता है, यही कारण हो। पेट का दर्द धीरे-धीरे बढ़ता रहा। डॉक्टर ने कहा कि अगर दर्द होना जारी रहा तो कैंसर अटैक कर सकता है। उनका कहना है कि दवाई लेने के बाद दर्द कम हुआ और मैंने कोई और मेडिकल टेस्ट नहीं कराया है क्योंकि मैं ठीक महसूस कर रही हूं। नवंबर 2021 में एमआरआई के बाद दुती ने कोई और टेस्ट नहीं कराया। एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी। वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगाया गया था। इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिए गए दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं।

कुश्तीः डेढ़ वर्ष ठीक से चल नहीं पाने वाले मोहित बनें विश्व चैंपियन, कुश्ती के दौरान मुड़ गया था घुटना

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। दंगल लड़ने के दौरान मोहित का घुटना बुरी तरह मुड़ गया। यह ऐसी चोट थी कि उनका दोबारा कुश्ती लड़ना मुश्किल था। मोहित की पहलवानी छूट गई। वह सही से चल भी नहीं पाते थे।

आठ साल पहले मोहित को जब कोच जयवीर के अखाड़े में मैट की कुश्ती के गुर सिखाने के लिए ले जाया गया तो उनका वजन सिर्फ 35 किलो था। फिर भी भोपनिया अखाड़े के कोच जयवीर को यह लगा कि इस लड़के में उच्चस्तरीय पहलवान बनने के गुण हैं। वह मोहित को पहलवान बनाने में जुट गए, लेकिन कुछ वर्ष बाद ही दंगल लड़ने के दौरान मोहित का घुटना बुरी तरह मुड़ गया। यह ऐसी चोट थी कि उनका दोबारा कुश्ती लड़ना मुश्किल था। मोहित की पहलवानी छूट गई। वह सही से चल भी नहीं पाते थे। न सीढ़ी चढ़ पाते थे और न ही वजन उठा पाते थे। बावजूद इसके मोहित ने हार नहीं मानीं और हाथों से ही घर पर अभ्यास करते रहे। चमत्कार हुआ, लगभग डेढ़ वर्ष कुश्ती से दूर रहने के बाद उनका घुटना दुरुस्त हो गया और वह फिर अखाड़े में आ गए। यहां से उनकी लगन ऐसी काम आई कि वह जून में अंडर-20 एशियाई चैंपियन और अब उन्होंने अंडर-20 विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

मोहित का चला लंबा इलाज

जयवीर बताते हैं कि हरियाणा के झज्झर में पड़ते रोड़ीवास गांव के मोहित का वजन बहुत कम था, लेकिन वह पहलवान बनना चाहता था। उसके पिता उसे मोटरसाइकिल पर बिठाकर गांव में होने वाले दंगल दिखाने ले जाते थे। यहीं से उसे पहलवानी का शौक लगा। पांच भाईयों में चौथे नंबर पर आने वाले मोहित मैट की कुश्ती के अलावा दंगल भी लड़ते थे। मोहित की पहलवानी में मदद करने वाले उनके भाई विक्रम बताते हैं कि दंगल लडने के दौरान ही तकरीबन पांच साल पहले मोहित का घुटना मुड़ा। यह चोट खतरनाक थी। डॉक्टरों ने आपरेशन के लिए बोला। उनका पूरा कॅरिअर दांव पर लग गया था, लेकिन एक वैद्य के इलाज ने चमत्कार किया। डेढ़ साल चले इलाज के बाद मोहित का घुटना ठीक हो गया।

अगले वर्ष 65 भार वर्ग में खेलेंगे

इस दौरान परिवार के किसी भी सदस्य ने यह नहीं सोचा था कि मोहित कभी दोबारा पहलवानी कर पाएगा। बावजूद इसके वह घर में हाथों से अभ्यास करता था। एक बार घुटना ठीक हुआ तो वह फिर जयवीर कोच के पास पहुंच गया। यहां से उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जयवीर कहते हैं कि मोहित 35 से 61 किलो तक पहुंचा है। वह उसे इस साल 61 भार वर्ग में ही लड़ाएंगे, लेकिन अगले वर्ष से वह उसे ओलंपिक भार वर्ग 65 में उतारेंगे।

भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना को मिला हंगरी यात्रा के लिए वीजा, नीरज चोपड़ा ने लगाई थी गुहार

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। किशोर जेना का वीजा रद्द होने के बाद साथी भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की जिससे कि यह खिलाड़ी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा पेश कर सके। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर नीरज ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से 'समाधान खोजने' का आग्रह किया था।

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना को 19 से 27 अगस्त तक बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए हंगरी की यात्रा के लिए वीजा मिल गया। एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक सूत्र ने कहा कि उनके साक्षात्कार के बाद वीजा को मंजूरी दे दी गई है। उन्हें कुछ समय के बाद यात्रा संबंधी दस्तावेज मिल जाएंगे। बुधवार को भारत में हंगरी के दूतावास ने जेना का वीजा आवेदन रद्द कर दिया।

किशोर जेना का वीजा रद्द होने के बाद साथी भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की जिससे कि यह खिलाड़ी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा पेश कर सके।

कांग्रेस और भाजपा ने सिर्फ बीआरएस सरकार का ट्रेलर देखा है : केटीआर

शहरी विकास मंत्री ने इंदिरा पार्क स्टील ब्रिज का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि हुसैन सागर और पीवीएनआर मार्ग को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। उन्होंने शनिवार को पूर्व गृह मंत्री नैनी नरसिम्हा रेड्डी के नाम पर इंदिरा पार्क में बने स्टील ब्रिज का उद्घाटन किया। स्टील ब्रिज, जो 2.25 किमी लंबा है और चार लेन का है, 450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर बनाया गया था। रामा राव ने कहा कि भविष्य में इंदिरा पार्क, लोअर और अपर टैंक बंड को भी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पार्किंग सुविधा, डेक आदि के साथ विकसित करने की योजना है। मंत्री ने बताया कि मुशीराबाद विधायक एम. गोपाल के अनुरोध और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश पर स्टील ब्रिज का नाम नरसिम्हा रेड्डी के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस पुल से यातायात संबंधी समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में भीड़भाड़ की समस्या का समाधान मिलेगा। यह पुल रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) में 36 वीं परियोजना है। मंत्री ने शहर के विकास को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लक्ष्य के साथ हैदराबाद में और विकास कार्यक्रम चलाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। चूंकि यह जगह मूवी थिएटरों से घिरी हुई है, इसलिए मैं अक्सर कई फिल्में देखने के लिए यहां आता हूं। मुझे अब भी याद है कि हमें ट्रैफिक जंक्शन पार करके सिनेमाघरों तक पहुंचने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ता था। इस पुल की उपलब्धता से वीएसटी जंक्शन, आरटीसी क्रॉस रोड और इंदिरा पार्क क्रॉस रोड पर यातायात की समस्या कम होने की उम्मीद है। स्टील ब्रिज द्वारा बनाई गई सड़क पर रोजाना एक लाख वाहनों की आवाजाही होती है। आमतौर पर, भारी यातायात और कई जंक्शनों के कारण तेलुगु थल्ली फ्लाईओवर से आने वाले वाहनों को उस्मानिया विश्वविद्यालय और नल्लाकुंटा जैसे गंतव्यों तक पहुंचने में लगभग 30 से 40 मिनट लगते हैं। हालाँकि, नए स्टील ब्रिज के साथ, लोअर टैंक बंड से वीएसटी तक यात्रा का समय घटकर केवल 5 मिनट रह गया है, जिसके परिणामस्वरूप आधे घंटे की यात्रा के लिए 25 मिनट की समय की बचत होती है। पूर्व मंत्री नैनी नरसिम्हा रेड्डी के परिवार के सदस्यों ने परियोजना का नाम उनके नाम पर रखने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी दौरान मंत्री केटीआ ने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों विपक्षी दलों ने केवल ट्रेलर देखे हैं और बीआरएस सरकार जल्द ही उन्हें एक पूरी फिल्म दिखाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में हैदराबाद में तेजी से विकास हो रहा है और बीआरएस सरकार के खिलाफ विपक्षी दल चाहे कितनी भी साजिशें क्यों न रच रहे हों, आगामी विधानसभा चुनाव में उनकों हैट्रिक झटका लगना तय है। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, मो. महमूद अली, विधायक मुता गोपाल, एमएलसी वाणी देवी, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी आदि उपस्थित रहे।

घर में अकेली दिव्यांग महिला से बलात्कार

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में हुमायूंनगर में एक व्यक्ति द्वारा विशेष रूप से विकलांग महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस के मुताबिक, विजयनगर कॉलोनी का रहने वाला साईं नाम का शख्स पीड़िता के घर में घुस गया और उसे जबरदस्ती घर के शौचालय में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद साई बाहर से दरवाजे की कुंडी लगाकर भाग निकला। महिला शारीरिक रूप से अक्षम है, इसलिए वह मदद के लिए आवाज नहीं उठा सकी। घटना के समय उसके परिवार के सदस्य वहां भर्ती एक रिश्तेदार से मिलने अस्पताल गए थे। बाद में परिजनों ने महिला को बचाया। उन्होंने पुलिस को बताया कि कई मौकों पर साईं ने महिला के साथ बलात्कार किया है। हुमायूंनगर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

भीख मांगने के काम पर लगे 23 लोगों को पुलिस ने बचाया

सिग्नल मूवी की तर्ज पर अनिल पंवार ने गिरोह बना रखा था

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त की पश्चिम क्षेत्र टास्क फोर्स टीम ने एएचटीयू, हैदराबाद, जुबली हिल्स पुलिस, एनजीओ और स्माइल प्रोजेक्ट प्रभारियों के साथ समन्वय में, भीख मांगने वाले रैकेट के मुख्य सरगना को पकड़ने के अलावा विभिन्न चौराहों पर 23 भिखारियों को बचाया। इस मामले का मुख्य आरोपी अनिल पंवार भिखारियों से भीख मंगवाने का काम करता था। मूल रूप से कर्नाटक का निवासी अनिल मौजूदा समय में

फ़तेहनगर, हैदराबाद में रहता है। इसके पहले उसके खिलाफ सनतनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज है। इस मामले के अन्य आरोपी कर्नाटक के निवासी रामू, रघु धर्मेंद्र आदि फरार है। डीसीपी पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद शहर जोएल डेविस ने कहा कि इस गिरोह की छानबीन करने पर पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। अनिल पवार और अन्य फरार आरोपी अपने समुदाय की गरीब महिलाओं, नाबालिग बच्चों, एकल विधवा, वृद्ध व्यक्तियों और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को ताड़बन से हाईटेक सिटी तक विभिन्न यातायात जंक्शनों पर भीख मांगने की जिम्मेदारी दे रखी थी। अनिल पवार रास्ते से गुजर रहे लोगों की सहानुभूति पाने के लिए बच्चों को नशीली व मिलावटी ताड़ी पिलाकर उन्हें सुला देते हैं और हैदराबाद शहर के विभिन्न ट्रैफिक सिग्नलों पर भिखारियों से भिक्षा मंगवाता था। उन्होंने बताया कि भिखारियों को विभिन्न जंक्शनों पर छोड़ने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 7 एक्टिवा समेत आठ वाहनों को पुलिस ने जब्त कर लिया। उन्होंने कहा कि अकेले जुबली हिल्स चेक पोस्ट पर तैनात भिखारियों को प्रतिदिन 4500 रुपए से 6 हजार रुपये मिलते थे। अनिल पंवार बदले में वह भीख मांगने वालों को दैनिक मजदूरी के रूप में प्रत्येक भिखारी को 200 रुपये प्रति दिन का भुगतान कर रहा था।

किशोर न्याय अधिनियम की धारा 76, 77, तेलंगाना भीख मांगने की रोकथाम अधिनियम, 1977 की धारा 27, 28 और आईपीसी की धारा 336 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि सिग्नल मूवी की तर्ज पर अनिल पंवार भिखारियों से भीख मंगवाने का काम करता था। हालांकि पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 23 भिखारियों को बचा लिया।

स्क्रैप यार्ड में विस्फोट होने से एक घायल

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद में एक स्क्रैप यार्ड में शनिवार को विस्फोट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल गौसुद्दीन स्क्रैप यार्ड में काम करता है। वह कुछ सामान हटा रहा था, तभी उसका हाथ एक छोटे बक्से पर पड़ा, जिसमें कुछ तरल पदार्थ रखे हुए थे। ग़ौसुद्दीन ने बक्सा खोलने की कोशिश की या जबरदस्ती उसे परिसर में नीचे फेंक दिया जब विस्फोट हुआ। मुशीराबाद इंस्पेक्टर ई जहांगीर यादव ने कहा कि हमें संदेह है कि बॉक्स में कोई रसायन या पेंट रखा हुआ था और प्रतिक्रिया के कारण उसमें विस्फोट हो गया। घायल व्यक्ति को गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सुराग टीम ने भी घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। मामला दर्ज कर लिया गया है।

पीएम के नेतृत्व में फिर भाजपा सरकार आएगी : पवन त्रिपाठी

विपक्षी दलों की जनता को गुमराह करने की कोशिश नाकाम

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी मुंबई के प्रदेश उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने आज यहां दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2024 में फिर से भाजपा की सरकार आएगी और मोदी जी प्रधानमंत्री बनेंगे। तेलंगाना में श्री मल्लिकार्जुन स्वामी, श्री शैलम का दर्शन करने के बाद हैदराबाद पहुंचे श्री त्रिपाठी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में देश के सभी हिस्सों में तथा सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है। केन्द्र की भाजपा सरकार और दूसरे राज्यों में भाजपा और उनकी सहयोगी दलों की सरकारें बिना किसी भेदभाव के साथ काम कर रही है। इसी वजह से देश की जनता स्वयं चुनाव लड़कर मोदी जी को सत्ता देगी। इसका कारण है मोदी जी सबका साथ, सबका विकास, सबका

विश्वास और सबका प्रयास में विश्वास करते है। प्रधानमंत्री पूरे देश की संस्कृति और परंपरा को भी एक साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण कुछ दिनों पहले काशी में तमिल संगम है। आज भारत विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था हो गई है और लोगों को भारतीय कहलाने पर विदेश में गौरव की अनुभूति होती है। युवाओं, महिलाओं,किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों समेत सभी को सुअवसर मिल रहा है। भारतीय परम्परायें स्थापित हो रही है। श्री राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम आदि धार्मिक स्थलों के विकास के साथ ही जम्मू-कश्मीर धारा 370 हटना आदि के कारण पूरे देश के लोग भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि हम लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 48 में से 48 सीटे मोदी जी के नेतृत्व में जीतेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल सत्ता पाने के लिए परेशान है। देश की जनता को गुमराह करने की उनकी कोशिश नाकाम साबित हो रही है। भाजपा सत्ता के लिए लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

मंत्री ने फोटो प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व फोटोग्राफी दिवस को चिह्नित करते हुए, हैदराबाद सेंटर फॉर फोटोग्राफी ने तेलंगाना सरकार, तेलंगाना पर्यटन और स्टेट गैलरी ऑफ आर्ट के सहयोग से शनिवार को हैदराबाद के फोटोग्राफरों के कार्यों का जश्न मनाने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। निषेध एवं उत्पाद शुल्क मंत्री डॉ. वी. श्रीनिवास गौड़ ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें संगीतकार विशाल चंद्रशेखर, इंडियन फोटो फेस्टिवल के संस्थापक और निदेशक एक्किन मैथ्यूज और स्टेट आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ. लक्ष्मी कोर्रा ने भाग लिया। मनोरम वृत्तचित्र शॉर्ट्स से लेकर मनमोहक प्रकृति कैप्चर, विचारोत्तेजक पोर्ट्रेट से लेकर जीवंत सड़क फोटोग्राफी और विस्मयकारी परिदृश्य तक, लगभग 35 शहर-आधारित फोटोग्राफरों के कार्यों का प्रदर्शन किया गया। एक्किन मैथ्यूज ने कहा, "विश्व फोटोग्राफी दिवस उन लोगों की अविश्वसनीय प्रतिभा को पहचानने के लिए समर्पित है जो क्षणों, भावनाओं और कहानियों को अपने लेंस के माध्यम से कैद करते हैं।" प्रदर्शनी 5 सितंबर तक स्टेट गैलरी ऑफ़ आर्ट में देखी जा सकेगी, जो सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक खुली रहेगी।

दुकानदारों को एफएसएसआई नियमों का पालन करना होगा : ईओ

तिरुमला, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। फुटपाथों पर जंगली जानवरों की आवाजाही को देखते हुए टीटीडी ईओ एवी धर्मारेड्डी ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दुकानदारों को कई निर्देश जारी किए हैं। ईओ ने शुक्रवार को तिरूपति के प्रशासनिक भवन में पुलिस, वन, संपत्ति और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ दुकानदारों के साथ बैठक की और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता लाई। इस मौके पर ईओ ने कहा कि फुटपाथ पर बिक्री को लेकर वन, संपदा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों समेत कई श्रद्धालुओं ने कई सुझाव दिये हैं। यह सुझाव दिया गया है कि अलीपिरी वॉकवे के किनारे सौ से अधिक खाद्य स्टॉल है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा सामान खरीदकर जानवरों को खिलाने के कारण इनकी आमद बढ़ रही है और दूसरी ओर से जंगली जानवर आकर इन जानवरों के लिए श्रद्धालुओं पर हमला कर रहे हैं। सभी दुकानों पर गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा अलग-अलग कूड़ेदान में डालें और चेतावनी दी कि ऐसा न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन दो से तीन टन कूड़ा फुटपाथ पर डाला जा रहा है, जिसे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अनिवार्य रूप से हटा रहे हैं। सुरक्षा उपायों के तहत पैदल मार्ग पर सीसी कैमरे लगाए जाएंगे। खाद्य स्टालों के दुकानदारों को एफएसएसआई नियमों का पालन करना होगा।

'आई वोट फॉर श्योर' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 'आई वोट फॉर श्योर' जागरूकता पैदा करने के लिए हैदराबाद जिले के कई निर्वाचन क्षेत्रों में 5 के रन सफल रहा। इस का उदेश्य लोगों को अपने वोट देने के अधिकार के प्रयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं अधिकारियों ने भाग लिया और यह सफल रहा। जोनल कमिश्नर वेंकटेश ने शनिवार सुबह खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र केबीआर पार्क में 5 किमी दौड़ रैली की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो लोग 1 अक्टूबर तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे पहले से मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं और जो भी मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उन्हें अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। इसलिए 'मैं निश्चित रूप से मतदान करूंगा' का नारा दिया गया है। साथ ही जोनल कमिश्नर ने कहा कि वोटर लिस्ट की जांच कर यह सुनिश्चित कर लिया जाना चाहिए।

मतदान के अधिकार का प्रयोग कर देश का विकास करें : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 19 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता): जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि मतदान का अधिकार रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी दबाव या प्रलोभन के अपने मत का सही उपयोग करना चाहिए और देश के विकास के लिए प्रभावी नेतृत्व का चुनाव करना चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर शनिवार को राज्य भर में आयोजित 5 के रन कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी सुरेश ने जिला अधिकारियों और छात्रों के साथ जिला केंद्र में जिला कलक्ट्रेट से बस स्टैंड होते हुए कलक्ट्रेट कार्यालय तक और वापस भाग लिया। मैं मतदान अवश्य करूंगा के नारे के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी जो 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हैं उन्हें फार्म 6 के माध्यम से अपना विवरण ऑनलाइन दर्ज कराकर मतदान का अधिकार प्राप्त करना चाहिए तथा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के प्रलोभन एवं दबाव में न आकर चुनाव करना चाहिए।

सही नेतृत्व और देश के विकास का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि देश पर शासन करने के लिए नेताओं को चुनने का अधिकार संविधान द्वारा हमें दिया गया एक उपहार है और हमें इस अधिकार का लाभ उठाकर प्रभावी नेतृत्व चुनना चाहिए।उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार देश की अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीति में बहुत मूल्यवान भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मतदाता सूची में परिवर्तन, संशोधन और विलोपन का अवसर प्रदान किया है और इस अवसर का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। ताकि सभी पात्र व्यक्ति अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, साथ ही बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए हर मतदान केंद्र में रैंप की व्यवस्था की गयी है. उन्होंने कहा कि जिले के ट्रांसजेंडर अपना विवरण दर्ज कराकर मतदान का अधिकार प्राप्त करें और चुनाव के दौरान इसका प्रयोग करें। इस कार्यक्रम में सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.